हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | बिलासपुर, बुधवार 10 दिसंबर 2025

क्या है खास

- बुमराह ने पूरे किए 100 विकेट
- हार्दिक ने 100 छक्के पूरे किए
- गेंदबाजी में हार्दिक के 99 विकेट
- प्लेयर ऑफ द मैच रहे हार्दिक

74 रन ही बना सका साउथ अफ्रीका | दूसरा टी-20 मैच 11 दिसंबर को चंडीगढ़ में

भारत ने 101 रन से पहला टी-20 जीता

कटक। भारत ने कटक में खेले गए पहले टी-20 में साउथ अफ्रीका को 101 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इंडिया ने नौवीं बार कोई टी-20 मैच में 100 रन या इससे ज्यादा के अंतर से जीता है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए हार्दिक पांड्या के नाबाद अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 175 रन बनाए। जवाब में अफ्रीका की पूरी टीम 12.3 ओवर में 74 रन पर ढेर हो गई। दूसरा टी-20 मैच 11 दिसंबर को चंडीगढ़ में खेला जाएगा।

घाटी पर एक वाहन खराब और फिर कई किमी लंबा जाम

छत्तीसगढ़ में पहली बार आएगा ग्रीन बजट, हरियाली पर फोकस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार का नया बजट 2025-26 इस बार एक अलग तरह की हरियाली से रंगा नजर आने वाला है। दरअसल इस बजट का एक बड़ा हिस्सा ग्रीन (हरित) बजट के रूप में सामने आएगा। खास बात ये है कि इसमें कई नए और बड़े प्रावधान शामिल किए जा सकते हैं। सरकार के वित्त विभाग ने ग्रीन बजट बनाने की कवायद शुरू कर दी है। प्रदेश की नौकरशाही के सबसे वरिष्ठ अफसरों से ग्रीन बजट के लिए प्रस्ताव मंगाए गए हैं। राज्य में पहली बार ये बजट लाने की तैयारी है।

खास खबर

वित्त ने वरिष्ठ अफसरों से मंगाए प्रस्ताव

क्या है ग्रीन बजट

राज्यों में ग्रीन बजट (हरित बजट) एक ऐसा वित्तीय योजना उपकरण है, जो सरकार के खर्चों और नीतियों को पर्यावरणीय स्थिरता और जलवायु लक्ष्यों के साथ जोड़ता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सरकारी बजट का हर हिस्सा पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग में योगदान दे, जिससे टिकाऊ विकास हो सके और देश, राज्य अपने पर्यावरणीय लक्ष्यों को पूरा कर सकें। यह सिर्फ पर्यावरण विभाग के ▶▶|शेष पेज 6 पर

वित्त ने मंगाए प्रस्ताव

इस मामले को लेकर वित्त विभाग ने राज्य सरकार के सबसे वरिष्ठ अधिकारियों सभी अपर मुख्य सचिव सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव और विशेष सचिव के लिए आदेश जारी किया है। कहा गया है कि बजट वर्ष 2026-27 में ग्रीन बजट से संबंधित अनुमानित राशि का संकलन किया जाना है। इसलिए ग्रीन बजट पुस्तिका के प्रकाशन के लिए योजनाओं को चिह्नित करते हुए निर्धारित प्रपत्र में जानकारी भेजें। यह इसलिए किया जा रहा है क्योंकि वर्तमान में जेंडर बजट के अंतर्गत 100 प्रतिशत महिला केंद्रित व 30 प्रतिशत से अधिक महिलाओं की भागीदारी वाली योजनाएं शामिल की ▶▶|शेष पेज 6 पर

ग्रीन बजट में शामिल होंगी ये गतिविधियां

प्रस्तावित ग्रीन बजट में हरित निवेश एवं अवसंरचना, जलवायु परिवर्तन शमन अनुकूलन, प्रदूषण, स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन, एवं परिपत्र व्यवस्था, भमि उपयोग एवं नियोजन की गतिविधियां भी शामिल होंगी। इस योजना के लिए बजट का प्रावधान किस तरह किया जाना है, यह बताते हुए हरित बजट अनुमान के साथ योजना को शामिल करने का कारण लिखने कहा गया है।

चिल्फी के जंगल में फंसी सैकड़ों गाड़ियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कवर्धा

चिल्फी थाना क्षेत्र से होकर गुजरने वाले नेशनल हाईवे 30 में सोमवार की देर रात एक बार फिर चक्काजाम की गंभीर स्थिति निर्मित हो गई। बताया जा है कि यहां नागमोरी घाट के पास एक गाड़ी खराब हो गई, जिसके कारण मार्ग जाम हो गया है। मार्ग के दोनों ओर माल वाहक के साथ यात्री वाहनों की लम्बी कतारें लग गई हैं।

स्थानीय लोगों के मुताबिक चौबीसों घंटे आवाजाही वाले नेशनल हाईवे 30 में जाम लगने के बाद रात में ही इसकी सूचना चिल्फी पुलिस को दी गई, लेकिन मार्ग में वाहनों की लम्बी कतार ▶▶|शेष पेज 6 पर

मार्ग खुलवाने का किया जा रहा है प्रयास

चिल्फीघाटी के नागमोरी में सोमवार की रात जाम की सूचना मिलने के बाद चिल्फी पुलिस बीते कई घंटों से जाम को खुलवाने का प्रयास कर रही है, लेकिन नागमोरी में वाहन के खराब होकर बंद पड़ जाने के कारण पुलिस प्रशासन को भी खासी ▶▶|शेष पेज 6 पर

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹96043/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹117300/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹128044/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

anand Jewels

Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

फ्लाइट जैसी होंगी सुविधाएं लग्जरी होटल जैसा आराम

नई दिल्ली। पटना-नई दिल्ली रूट पर यात्रियों को एक नए यात्रा अनुभव का तोहफा मिलने वाला है। लंबे इंतजार के बाद पटना-दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन इसी महीने पटरी पर दौड़ने के लिए तैयार है। तेजस जैसी रफ्तार, राजधानी जैसी आरामदायक यात्रा और वंदे भारत की उन्नत तकनीक। इन तीनों का मेल पहली बार किसी स्लीपर ट्रेन में देखने को मिलेगा। रेलवे का दावा है कि यह ट्रेन 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने पर भी इतनी स्थिर रहेगी कि कप में रखी चाय तक नहीं छलकेगी। ट्रेन का इंटीरियर इस तरह डिजाइन किया गया है कि यात्रियों को प्रीमियम होटल जैसा अनुभव मिले।

लोकसभा में चुनाव सुधारों पर तीखे बोल, राहुल ने पूछे तीन सवाल

वार- भाजपा संस्थाओं से करा रही वोट चोरी

पलटवार- इंदिरा गांधी ने कराई थी चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र में मंगलवार को लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान जोरदार हंगामा हुआ। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ईवीएम, वोटर लिस्ट में कथित हेरफेर और आरएसएस द्वारा सभी संस्थाओं पर कब्जा कर वोट चोरी का गंभीर आरोप लगाया। जवाब में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने तीखा पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस ने भारत के संविधान को खराब किया है। इंदिरा गांधी ने 'वोट चोरी' करके रायबरेली जीता था।

राहुल गांधी ने कहा कि दिसंबर 2023 में नियम बदल यह प्रावधान किया कि किसी भी चुनाव आयुक्त को दंडित नहीं किया जा सकता। यह 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले किया गया। सीसीटीवी और डेटा को लेकर नियम बदले गए। सत्ता के साथ चुनाव आयोग का तालमेल है। यह डेटा का सवाल नहीं, चुनाव का सवाल है।

हरियाणा की वोटर लिस्ट में एक ब्राजीलियन महिला की फोटो 22 बार छपी। राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव आयोग को कंट्रोल करने का क्या मतलब है? वह तस्वीरें यहां नहीं दिखाना चाहता, लेकिन यह चुनाव की चोरी का सवाल है। चुनाव आयोग को घेरते हुए राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में एसआईआर के बाद वोटर लिस्ट में एक लाख 22 हजार डुप्लीकेट फोटो छपी हैं। हमने हरियाणा और महाराष्ट्र में वोट चोरी साबित की है। चुनाव सुधार जरूरी हैं। मशीन रीडेबल वोटर लिस्ट सभी राजनीतिक दलों को चुनाव से एक महीने पहले ▶▶|शेष पेज 6 पर

राहुल ने पूछे तीन सवाल

- चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से सीजेआई को क्यों हटाया गया? क्या इसका मकसद यही था कि उस कमरे में मेरी कोई आवाज नहीं रह पाए।
- चुनाव आयुक्तों को सजा से छूट का प्रावधान क्यों? दिसंबर 2023 में कानून बदला कि चुनाव आयुक्त को दंडित नहीं किया जा सकता।
- सीसीटीवी और उसमें मौजूद डेटा से संबंधित कानून क्यों बदला गया? ऐसा कानून क्यों बनाया गया जो चुनाव आयोग को चुनाव के 45 दिन बाद सीसीटीवी फुटेज नष्ट करने की अनुमति देता है? इसकी क्या जरूरत थी?

दोनों सदनों में जमकर हंगामा

12 राज्यों में एसआईआर गैरकानूनी

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी बोले- देश के 12 राज्यों में किया जा रहा एसआईआर गैरकानूनी है। संविधान में पूरे राज्य में एक साथ एसआईआर को लेकर कोई कानून नहीं है, इसे तत्काल रोकें। देश में चुनावों से पहले डायरेक्ट कैश ट्रांसफर करने पर रोक लगनी चाहिए, चुनाव ईवीएम की जगह बैलट पैपर से कराए जाने चाहिए।

निशिकांत ने कहा- इंदिरा ने राष्ट्रपति को रबर स्टैंप बना दिया था

निशिकांत दुबे ने चुनाव सुधारों पर कांग्रेस को घेरते हुए कहा, इंदिरा गांधी ने राष्ट्रपति को रबर स्टैंप बना दिया, प्रेस की आजादी छीन ली, अपने चहेते को मुख्य न्यायाधीश बनवाया। और पहली बार ईवीएम भारत में राजीव गांधी के समय ही आई। उन्होंने आगे कहा कि 1961 और 1971 में ही विशेष गहन पुनरीक्षण और ईवीएम की जरूरत पर चर्चा हो चुकी थी। राहुल गांधी के भाषण के तुरंत बाद बोलते हुए भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, मैं आरएसएस ▶▶|शेष पेज 6 पर

इधर, रास में वंदे मातरम् ...

गृहमंत्री शाह ने कहा- वंदे मातरम् भारत की आत्मा

राज्यसभा में मंगलवार को 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ पर विशेष चर्चा के दौरान सदन का माहौल पूरे दिन गरमाता रहा। सत्र शुरू होते ही सरकार और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हुए, जिसके चलते कई बार हंगामा भी हुआ और कार्यवाही बाधित करनी पड़ी। बहस की शुरुआत करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की "राष्ट्रीय चेतना और स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणा" है। उन्होंने कांग्रेस पर अपरोक्ष रूप से निशाना साधते हुए दावा किया कि इतिहास में कुछ अवसरों पर इस गीत को सीमित करने की कोशिश की गई, जिसे उन्होंने "सांस्कृतिक विरासत ▶▶|शेष पेज 6 पर

डीपीएस दुर्ग में वार्षिक उत्सव अनुगूंज-2025 का आयोजन आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दिल्ली पब्लिक स्कूल, दुर्ग (डे-कम-रेजिडेंशियल स्कूल) में वार्षिक उत्सव अनुगूंज-2025 का भव्य आयोजन बुधवार 10 दिसंबर को किया जा रहा है। स्कूल ग्राउंड में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत शाम 5:30 बजे से होगी। आयोजन के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव रहेंगे। साथ ही हरियाणा के पूर्व वित्त एवं राजस्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु भी कार्यक्रम में सम्माननीय अतिथि के रूप में पहुंचेंगे। इसके साथ ही डीपीएस दुर्ग प्रबंधन समिति के सदस्य एचएस बत्रा, सात्विक सिंधु, वीर सेन सिंधु, हरिभूमि व आईएनएच के प्रधान संपादक व डीपीएस दुर्ग की प्रबंधन समिति के सदस्य डॉ. हिमांशु द्विवेदी, वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, डीपीएस दुर्ग की प्राचार्य व निदेशक पुनीता नेहरू, डीपीएस बिलासपुर के प्राचार्य जसपाल सिंह माथ, इंडस पब्लिक स्कूल दीपका के प्राचार्य डॉ. संजय गुप्ता, इंडस ग्रुप ऑफ स्कूल्स के निदेशक सुभाष श्योराण, इंडस पब्लिक स्कूल रोहतक के प्राचार्य दीपक कुमार और इंडस पब्लिक स्कूल जींद के प्राचार्य अरुणा शर्मा और शैक्षणिक निदेशक प्रवीण पुरथी भी सम्मानीय अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

कई प्रस्तुति, युग यात्रा भी

आयोजन के दौरान दीप प्रज्वलन, गणेश वंदना, परकशन एंसेंबल (ऑर्केस्ट्रा), पिम्मेलियन (अंग्रेजी नाटक), बियॉन्ड बाउंड्रीज, स्वागत भाषण और वार्षिक रिपोर्ट (प्रिंसिपल डायरेक्टर द्वारा), पुरस्कार वितरण और स्मृति चिन्ह दिये जाएंगे। इसके बाद मुख्य अतिथि का संबोधन और युग यात्रा (नृत्य नाटिका) का आयोजन किया जाएगा।

सच्चा है, सेहत के लिए अच्छा है

बैद्यनाथ च्यवनप्राश स्पेशल

सम्पूर्ण परिवार के लिए आयुर कवच

पॉवर ऑफ़ 3

बेहतर इम्यूनिटी | ज्यादा एनर्जी | शक्ति व स्फूर्ती

बैद्यनाथ च्यवनप्राश शुद्ध घी में बनाया जाता है

च्यवन-फीट शुगरफ्री भी उपलब्ध

सभी मेडीकल स्टोर्स एवं आयुर्वेदिक औषधालय में उपलब्ध। 844 844 4935

सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

228 करोड़ का बैंक फ्रॉड अंबानी के बेटे पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सीबीआई ने उद्योगपति अनिल अंबानी के बेटे जय अनमोल अनिल अंबानी और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के खिलाफ यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में कथित धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है, जिससे सार्वजनिक बैंक को 228 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने बैंक (पूर्ववर्ती आंध्रा बैंक) की ओर से 'रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड', जय अनमोल अनिल अंबानी और रवींद्र शरद सुधाकर के खिलाफ शिकायत पर कार्रवाई की।

क्या है आरोप

बैंक ने आरोप लगाया, आरोपी व्यक्तियों ने उधारकर्ता कंपनी के पूर्व प्रवर्तकों/निदेशकों की हैसियत से खातों में हेराफेरी और आपराधिक विश्वासघात के माध्यम से धन का दुरुपयोग किया। जिस उद्देश्य के लिए वित्त प्रदान किया गया था, उसके अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए धन का दुरुपयोग किया।

उपचार नहीं करने का आरोप

एंबुलेंस में प्रसव, प्रसूता और नवजात की हो गई मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर/सूरजपुर

एंबुलेंस में प्रसव के दौरान नवजात व प्रसूता की मौत हो गई। महिला को सूरजपुर जिला अस्पताल से रेफर किया गया था लेकिन रास्ते में महिला ने मृत बच्चे को जन्म दिया जबकि मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने प्रसूता को भी मृत घोषित कर दिया। इस मामले में मृतका के परिजन ने चिकित्सकों और अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही और अस्पताल ▶▶|शेष पेज 6 पर

जांच होगी

प्रसूता पीएचसी से रेफर होकर जिला अस्पताल में भर्ती हुई थी। महिला के शरीर में सूजन था, बीपी अधिक था और खून की कमी थी। उसकी हालत गंभीर थी इसलिए प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेफर कर दिया गया था। रात को अस्पताल में डॉक्टर मौजूद थी और उन्होंने जांच के बाद रेफर किया है। जांच के बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट होगी।

-डॉ. कपिल देव पैकरा, सीएमएचओ

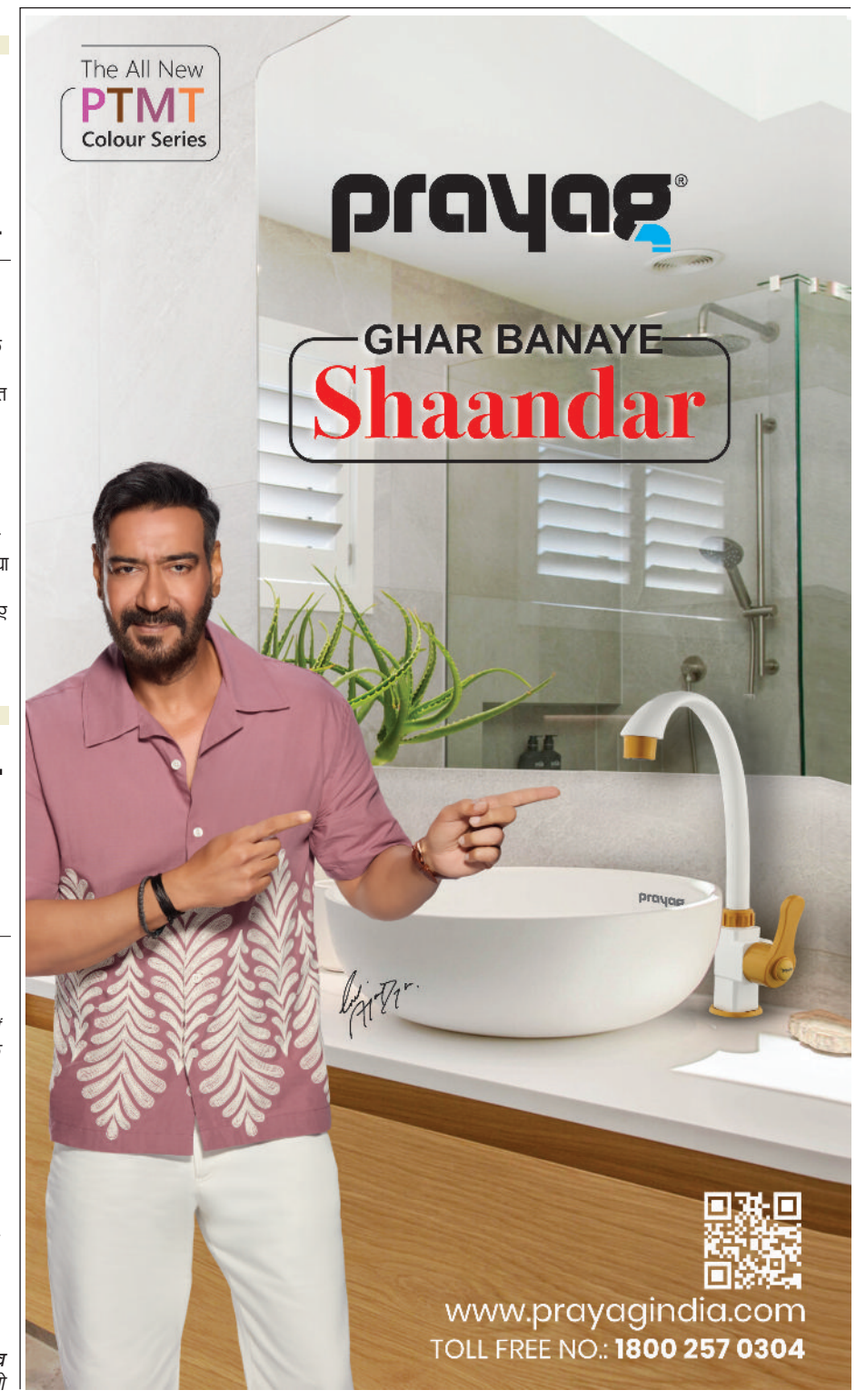

बस्तर संभाग की 11 मंडियों की टीम ने धान खरीदी के 23 दिन में एक करोड़ 66 लाख 30 हजार 915 रुपए कीमत का 7993 क्विंटल अवैध धान एवं मक्का जब्त किया है। साथ मंडियों की ओर से अवैध उपज के 122 प्रकरण बनाए गए हैं।

23 दिन में 1.66 करोड़ की अवैध उपज जब्त, मंडी ने बनाए 122 केस

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

जिसमें कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 की धारा 23 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है। राज्य कृषि विपणन मंडी बोर्ड बस्तर संभाग की ओर से 11 मंडियों में अवैध धान का परिवहन रोकने के लिए टीम गठित की गई है। यह टीम सूचना पर रात में भी वाहनों को रोककर तलाशी कर रहे हैं। सीमावर्ती इलाकों में धान का अवैध परिवहन रोकने के लिए लगातार कड़ी निगरानी सुनिश्चित की जा रही। अवैध परिवहन करने वालों पर सख्ती कार्रवाई हो रही है।

खास बातें

- प्रकरण पर मंडी अधिनियम से हो रही कार्रवाई
- टीम निगरानी और कार्रवाई में जुटी

मालवाहक को रोककर तलाशी

कृषि उपज मंडी जगदलपुर की ओर से सीमावर्ती राज्य के धनपूंजी स्थित मंडी के नाका लगाया गया है, जहां मंडी के दो कर्मचारी तैनात है, जो 24 घंटे उड़ीसा से आने वाले मालवाहक को रोककर तलाशी करते हैं। इसके चलते धान खरीदी के 23 दिन में जगदलपुर मंडी में 24, कोंडागांव मंडी में 23, केशकाल मंडी में 24, कांकेर मंडी में 10, चारामा मंडी में 9, संबलपुर मंडी में 7, पंखाजूर मंडी में 9, गीदम मंडी में 10, कोंटा मंडी में 5, नारायणपुर मंडी में 9 एवं बीजापुर मंडी में 12 प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

टीम की निगरानी से मिल रही सफलता

राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड बस्तर संभाग के प्रभारी संयुक्त संचालक आईए खैरानी ने बताया कि संभाग के 11 मंडियों की टीम के निगरानी बढ़ाने अन्य राज्यों से धान की अवैध उपज को रोकने में प्रभावी सफलता मिली है। साथ ही मंडी की ओर से गठित टीम अवैध उपज का परिवहन को रोका जा रहा है।

खबर संक्षेप

सोने की चेन लूटने के आरोप में दो गिरफ्तार

रायपुर। तेलीबांधा थाना क्षेत्र के वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर के पास युवक के साथ मारपीट कर उसके गले से ढाई लाख रुपए कीमत की सोने की चेन लूट के आरोप में पुलिस ने एक महिला और एक पुरुष आरोपी को गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल एक अन्य युवक फरार है। निधीश राव की शिकायत पर पुलिस ने हसमुख महानंद, कौशल्या माहेश्वरी को गिरफ्तार किया है। निधीश ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह 27 अक्टूबर राम मंदिर के पास अपने दोस्त के साथ खड़े होकर बात कर रहा था। इस दौरान बाइक सवार दो बदमाश निधीश तथा उसके दोस्त के पास पहुंचे और उसे खींचते हुए थोड़ी दूर ले गए। इसके बाद बदमाशों ने चाकू की नोक पर निधीश के गले से सोने की चेन लूट ली। महिला आरोपी को पुलिस ने चोरी की चेन बेचने की फिराक में ग्राहक तलाशते गिरफ्तार किया है।

डेढ़ दर्जन चौराहों की 9 करोड़ से सूरत बदलेगी

रायपुर। राजधानी के डेढ़ दर्जन प्रमुख चौराहों में लोगों को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। नगर निगम ने ट्रैफिक विभाग के साथ मिलकर इन चौराहों को चिन्हांकित किया है। इसमें नगर उत्थान योजना के तहत नगर निगम अपने इम्पेनल्ड आर्किटेक्ट से सर्वे कराया, जिसमें ट्रैफिक व्यवस्था स्मूथ करने सुझाव दिया है। इसमें मुख्य रूप से पचपेड़ी नाका चौक, शास्त्री चौक, फाफाडीह चौक, आमापारा चौक, आजाद चौक, लाखेनगर चौक, तेलघानी नाका चौक, शंकर नगर चौक, यलो ब्रिज सहित अन्य चौराहे शामिल हैं। इस कार्य के लिए एजेंसी तय करने निगम के लोक कर्म विभाग ने ऑनलाइन टेंडर किया है। ट्रैफिक जाम से जूझ रहे शहरवासियों को सुगम आवागमन की सुविधा दिलाने नगर उत्थान योजना में शहर के 16 प्रमुख चौराहों की दशा सुधारने 9 करोड़ रुपए खर्च होंगे। योजना के मुताबिक इसके लिए संबंधित चौराहों का सर्वे कराया गया है। नगर निगम ने इसके लिए आर्किटेक्ट तय कर बाकायदा इसकी प्लानिंग की है।

शिक्षकों का कहना- पुस्तकें देर से मिली, प्रेक्टिकल भी नहीं हो पाए पर एक्स्ट्रा क्लास लगा रहे

बोर्ड परीक्षाएं नजदीक, स्कूलों में कोर्स अधूरा

10 वीं व 12 वीं की बोर्ड परीक्षाएं इस साल फरवरी माह से ही प्रारंभ हो रहीं हैं। इसके बाद बावजूद कई जिलों में कोर्स कंप्लीट नहीं हो पाया है। कहीं 60 तो कहीं 80 फीसदी ही कोर्स पूरा हो पाया है। ज्यादातर स्कूलों में विज्ञान और गणित विषय को लेकर काफी समस्या है। हालांकि एक- दो जिलों कोर्स पूरा हो गया है और रिवीजन भी हो रहा है।

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षा फरवरी माह से प्रारंभ कर दी जाएगी, जो मार्च माह के मध्य तक चलेगी। परीक्षा को लेकर स्कूलों में अब तक सभी विषयों में पढ़ाई पूरी नहीं हुई है। जिसे लेकर विद्यार्थियों में चिंता बनी हुई है । कोर्स कंप्लीट नहीं होने के चलते विद्यार्थी रिवीजन भी नहीं कर पा रहे हैं। जबकि फरवरी माह से परीक्षा शुरू होने के चलते अब तक कोर्स कंप्लीट हो जाना था। लेकिन अभी लगभग 75 से 80 प्रतिशत ही पढ़ाई पूरी हुई है। पहले ही बोर्ड परीक्षाओं को लेकर विद्यार्थियों में एक दबाव रहता है। वही कोर्स कंप्लीट नहीं होने के चलते भी विद्यार्थियों की चिंता बढ़ी हुई है। शहरी क्षेत्र के स्कूलों में लगभग 85 प्रतिशत पढ़ाई ही पूरी हुई है। तो वही ग्रामीण क्षेत्रों में 75 प्रतिशत के करीब कोर्स कंप्लीट हुआ है। हालांकि शिक्षक लगभग पढ़ाई पूरी होने का दावा कर रहे हैं ।

- परीक्षा शुरू होने में केवल 40 दिन बचे विद्यार्थियों व पालकों की चिंता बढ़ी

विज्ञान में पिछड़ रही पढ़ाई

राजनांदगांव शहर के प्यारेलाल स्कूल में कक्षा दसवीं और बारहवीं में अब तक कोर्स कंप्लीट नहीं हुआ है । कक्षा दसवीं के छात्र- छात्राओं का कहना है कि संस्कृत और विज्ञान अन्य विषय से पीछे है। वही यहां के प्रभारी प्राचार्य राजेंद्र सिंह बघेल ने बताया कि कक्षा 12वीं में 95 प्रतिशत और कक्षा दसवीं में कोर्स लगभग कंप्लीट हो गया है ।

दुर्ग जिले में दसवीं और बारहवीं कक्षा के 70 प्रतिशत कोर्स ही पूरा

भिलाई। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा सरकारी स्कूलों में फरवरी में बोर्ड परीक्षा इस बार आयोजित की जाएगी। दुर्ग जिले में वर्तमान में 149 सरकारी हाई व हायर सेकेंडरी स्कूलों में दसवीं और बारहवीं बोर्ड की परीक्षाएं ली जा रही है। यहां 70 प्रतिशत कोर्स ही पूरे हो पाए हैं। शिक्षकों ने बताया कि पुस्तकें देरी से मिलने की वजह से पढ़ाई शुरू करवाने में देरी हुई। जिसकी वजह से कोर्स की पढ़ाई पूरी नहीं हो पाई है। कोर्स पूरा करने के लिए एक्सट्रा क्लास भी शुरू की गई है। विद्यार्थियों ने बताया कि प्रेक्टिकल की कक्षाएं भी काफी कम हुई है। शुरूआत में ही पुस्तकें देरी से मिली। इसलिए कोर्स से पिछड़ गए हैं। प्राचार्य प्रमोशन के इंतजार में व्याख्याता रहे जिसके इंतजार में भी पढ़ाई प्रभावित हुई। वहीं सीबीएसई स्कूलों में दसवींऔर बारहवीं कक्षाओं की 100 प्रतिशत कोर्स पूरे हो गए हैं। इन स्कूलों में विद्यार्थियों की प्री बोर्ड परीक्षाएं चल रही है।

धमतरी जिले में सिलेबस अंतिम चरण में, अर्धवार्षिक परीक्षा से पहले रिवीजन शुरू

धमतरी। अर्धवार्षिक परीक्षा से पहले ही सिलेबस अंतिम चरण पर पहुंच गया है। स्कूलों में सिलेबस 80-95 प्रतिशत तक पूरा हो गया है। अर्धवार्षिक परीक्षा को देखते हुए स्कूलों में अब रिवीजन शुरू कर दिया गया है। अर्धवार्षिक परीक्षा के बाद कोर्स कम्पलीट किया जाएगा। इस साल स्कूलों में पढ़ाई की रफ्तार अच्छी है। 11 दिसंबर से अर्धवार्षिक परीक्षाएं होनी हैं। जिले के अधिकांश हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों में सिलेबस 80-95 प्रतिशत तक हो चुका है। व्याख्याताओं ने बताया कि अभी सामने अर्धवार्षिक परीक्षा है, जिसके चलते सिलेबस को रोक दिया गया है। अब अर्धवार्षिक परीक्षा के लिए रिवीजन करवाया जा रहा है।

कई स्कूलों में शत-प्रतिशत सिलेबस पूरा : भोयना हायर सेकेंडरी स्कूल में सिलेबस शत-प्रतिशत पूरा हो चुका है। इस स्कूल में तो अब रिवीजन शुरू कर दिया गया है, जो बोर्ड परीक्षा तक चलेगा। शहर के शिवसिंह वर्मा हायर सेकेंडरी स्कूल की प्राचार्य बी. मैथ्यू ने बताया कि उनके स्कूल में सिलेबस 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है। खरतुली हायर सेकेंडरी स्कूल में 90 प्रतिशत, शंकरदाह में 85 और म्युनिसिपल स्कूल में 80 प्रतिशत से ज्यादा सिलेबस पूर्ण हो चुका है।

अमित बघेल न्यायिक रिमांड पर, 19 दिसंबर तक जेल दाखिल

रायपुर। अग्रवाल, सिंधी समाज के आराध्य को लेकर अपमानजनक टिप्पणी करने वाला छत्तीसगढ़ क्रांति सेना अध्यक्ष अमित बघेल की तीन दिन की रिमांड समाप्त होने पर पुलिस ने उसे सोमवार को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने अमित बघेल को 19 दिसंबर तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का फैसला सुनाया है। पुलिस ने अमित बघेल को जेनिफर लकड़ा की जेएमएफसी कोर्ट में पेश किया। अमित बघेल ने जमानत के लिए कोर्ट में जमानत आवेदन पेश किया, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन की तरफ से केस लड़ रहे वकील शाहिद सिद्दीकी ने अमित बघेल की जमानत का आवेदन का विरोध करते हुए बताया कि यह व्यक्ति आदतन अपराधी है, इसके खिलाफ विभिन्न राज्यों में एफआईआर दर्ज है, यह देवी देवताओं का अपमान करता है। इन सब बातों से छत्तीसगढ़ में जो विभिन्न जाति और धर्म के लोग निवास करते हैं, उनके मध्य भय पैदा करने की कोशिश कर रहा है।

मछली पकड़ने गए गांव के बैगा को अजगर ने जकड़ा, हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरिया

थाना अंतर्गत ग्राम छेवारीपाली में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब मछली पकड़ने गए गांव के बैगा को अजगर ने जकड़ लिया। अजगर ने ऐसा जकड़ा की उसकी सासें वहीं पर थम गई। यह सनसनीखेज घटना गांव में आग की तरह तरफ फैली और सब तालाब की ओर दौड़ने लगे।

सरिया थाना अंतर्गत ग्राम छेवारीपाली निवासी मिथिलेश सिदार 35 सुबह करीब 6 बजे अपने घर से निकलकर सीधे गांव के तालाब के पास एक बड़ा तालाब जिसे कांटा एवं टार तालाब के नाम से जाना जाता है वहां पहुंचा और जैसे ही उसने मछली पकड़ने के लिए बिछाए गए जाल को कांटा तालाब में उतरकर खींचने का प्रयास किया। तभी अजगर ने उसे गिरफ्त में ले लिया और पानी के अंदर दबोच दिया। मिथिलेश के चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े, तब तक अजगर मिथिलेश को पानी के अंदर पूरी तरह से जकड़ लिया था। कहीं मिथिलेश दिखाई नहीं दिया। तब ग्रामीणों को शक हुआ कि अजगर ने पानी में खींच लिया होगा।

आसपास पता करने पर मिथिलेश की चप्पल एवं लाठी पास में ही पड़ी थी। उसी के आधार पर ग्रामीण उसे खोजने लगे और पानी में जैसे उतरे मिथिलेश की लाश मिली। ग्रामीणों ने बताया कि हमारे गांव के कांटा तालाब के पास अजगर का खौफ है। इसके पहले भी लोगों ने अजगर को देखा और लोग सतर्क हो गए थे। लेकिन सोमवार की शाम मिथिलेश सिदार कांटा तालाब में मछली पकड़ने के लिए जाल बिछाया था। मंगलवार सुबह तालाब से मछली निकालने गया था। बहरहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

- जानकारी लगते ही ग्रामीण पहुंचे पर बचा नहीं पाए

रेस्क्यू करने की मांग

ग्रामीणों ने बताया कि कांटा तालाब में अजगर के खौफ के कारण पूरे गांव के लोग परेशान हैं। ग्रामीणों ने कांटा तालाब से अजगर को रेस्क्यू करने की मांग की, ताकि गांव से और किसी जान ना जाए।

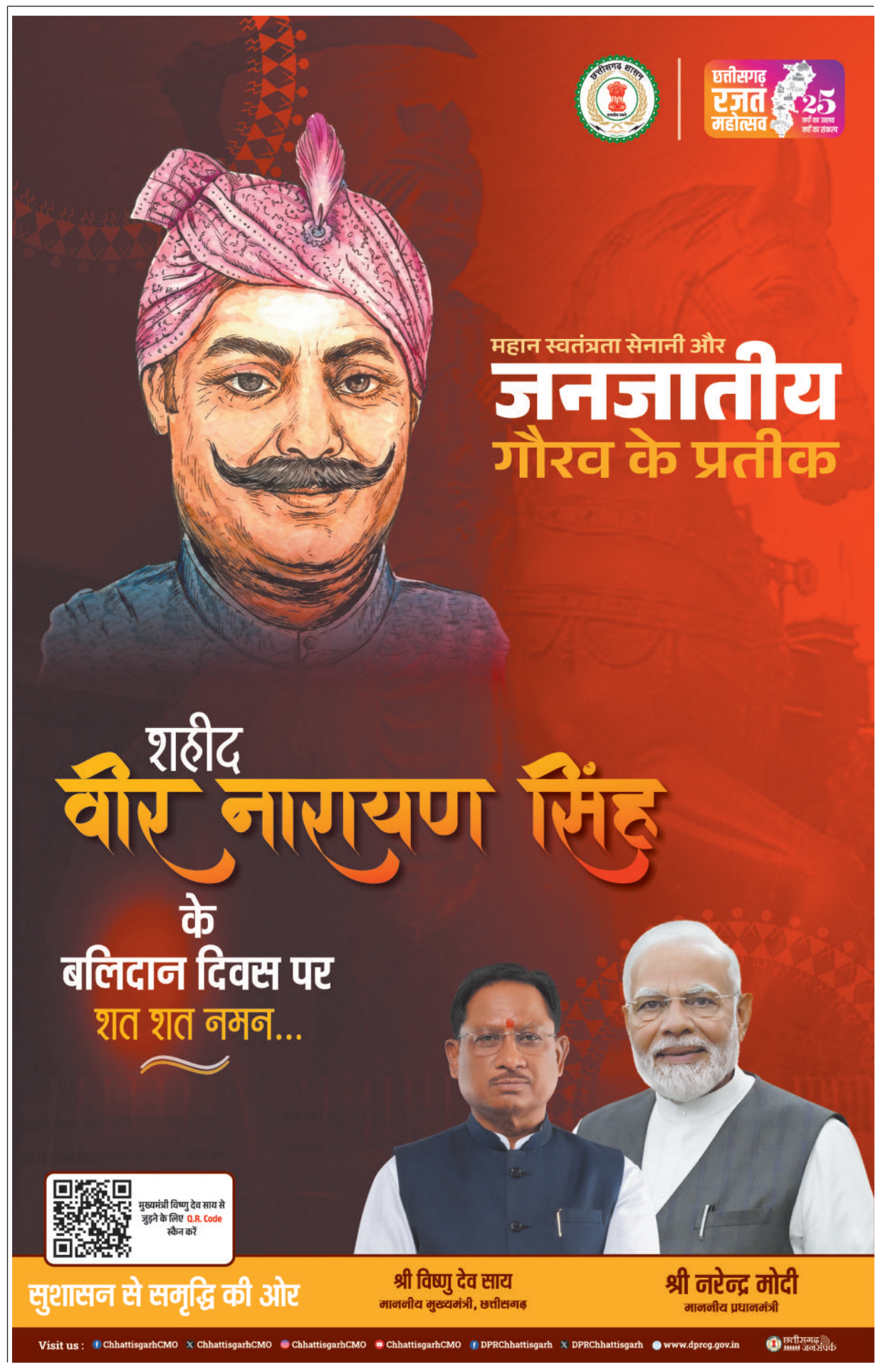

कांकेर जिले में हुआ 98 दस्तावेजों का पंजीयन

गाइड लाइन दरों में अत्यधिक वृद्धि नहीं सरकार ने कहा- सरलीकरण किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड छत्तीसगढ़ द्वारा स्वीकृत नई गाइड लाइन दरों को लेकर आमजन के बीच उत्पन्न हो रहे भ्रम को दूर करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने विस्तृत जानकारी जारी की है। शासन ने स्पष्ट किया है कि नई गाइडलाइन दरें न केवल अधिक सरल और वैज्ञानिक हैं, बल्कि इनके माध्यम से पुराने वर्षों से चली आ रही विसंगतियों का समाधान भी किया गया है। सरकार ने बताया कि नवीन गाइडलाइन 20 नवंबर 2025 से प्रभावी हो चुकी है और इस अवधि में कांकेर जिले में लगभग 98 दस्तावेजों का पंजीयन सुचारू रूप से किया जा चुका है।

ई-पंजीयन प्रणाली पूरी तरह सुचारू

कुछ लोगों द्वारा यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि नई गाइडलाइन ऑनलाईन अपडेट न होने से दस्तावेज पंजीयन ठप हो गया है, जबकि तथ्य यह है कि जिले के सभी उप-पंजीयक कार्यालयों में पंजीयन का कार्य निर्बाध रूप से चल रहा है और किसी भी प्रकार की व्यवधान की स्थिति नहीं है।

नगरीय क्षेत्रों में व्यापक सरलीकरण

पूर्व में एक ही वार्ड में कई कंडिकाओं के कारण समान भौगोलिक और व्यावसायिक स्थिति होने के बावजूद दरों में अंतर पाया जाता था, जिससे नागरिकों में असंतोष था। नवीन सर्वे, भौतिक सत्यापन तथा युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के बाद इन कंडिकाओं को कम किया गया है और दरों को समान किया गया है। कांकेर नगर पालिका के 21 वार्डों में पहले 56 कंडिकाएं थीं, जिन्हें घटाकर 26 कर दिया गया है। इसी प्रकार नगर पंचायत चारामा, नरहरपुर, भानुप्रतापपुर, अंतागढ़ और पंखाजूर की कुल 253 कंडिकाओं को कम कर 105 किया गया है।

दर वृद्धि संबंधी भ्रांति का समाधान

राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में अंतिम बार गाईडलाइन दरों का पुनरीक्षण वर्ष 2019-20 में किया गया था। छह वर्षों बाद किए जा रहे इस पुनरीक्षण में नगरीय क्षेत्रों में मात्र 20 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। यह वृद्धि स्वाभाविक और तार्किक है। यदि दरों को हर वर्ष बढ़ाया जाता, तो वर्तमान दरें कहीं अधिक होतीं। अतः अत्यधिक वृद्धि की बात निराधार है।

आमजन से अपील

राज्य शासन ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह या भ्रम में न आएं। गाईडलाइन दरों से संबंधित किसी भी सूचना या शंका के निराकरण के लिए नागरिक अपने निकटस्थ पंजीयन कार्यालय में संपर्क कर वास्तविक और प्रमाणिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। नई गाईडलाइन दरों को प्रदेश में रियल एस्टेट लेनदेन को पारदर्शी बनाने, टैक्स चोरी रोकने और जमीन संबंधी मूल्यांकन को अधिक विश्वसनीय बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दर पुनरीक्षित न होने से होने वाली समस्याओं का उल्लेख

सरकार ने कहा है कि पुरानी गाईडलाइन दरें जारी रहने से काले धन के लेनदेन को प्रोत्साहन मिलता है। कई बार वास्तविक सौदा मूल्य अधिक होने के बावजूद पंजीयन पुरानी गाईडलाइन दरों पर किया जाता है, जिसके कारण अंतर की राशि काला धन बनती है और बाद में विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है। इसी प्रकार पुरानी दरों के कारण संपत्तियों का मूल्यांकन कम होता है, जिससे खरीदारों को ऋण पात्रता भी कम मिलती है। मुआवजे के निर्धारण में भी विसंगतियां सामने आती हैं। सरकारी अधिग्रहण की स्थिति में पुराने दरों के आधार पर मुआवजा तय होने से भूमि मालिकों, विशेषकर किसानों को उनकी संपत्ति का उचित मूल्य नहीं मिल पाता। इसलिए नई गाईडलाइन दरें अधिक युक्तियुक्त और वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप हैं।

बिलासपुर
बुधवार, 10 दिसंबर 2025
पौष कृष्ण पक्ष षष्ठी
वर्ष : 25, अंक : 257
पृष्ठ : 10+6 = 16 मूल्य : 4.00***

मौसम
अधि. 29.0
न्यून. 10.4

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

7
फैशन शो में हिस्सा लेंगे मेस्सी और सुआरेज

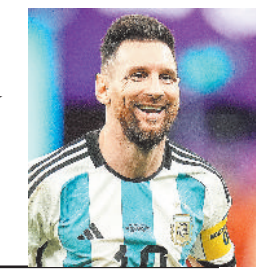

विचार पेज
2 बदलते बस्तर में विरासत को...

छत्तीसगढ़ में अब ऑनलाइन होगा जमीनों का डायवर्सन, 16 वें दिन मिल जाएगा आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में जमीनों के डायवर्सन के लिए अब शहरों से लेकर गांवों तक में किसानों, भूमि स्वामियों को एसडीएम के दफ्तर में चक्कर लगाने से पूरी तरह छुटकारा मिल जाएगा। राज्य सरकार ने प्रक्रिया में बदलाव की रूपरेखा तैयार कर इसे प्रस्तावित कर दिया है। इस पर दावा आपत्ति के बाद यह सिस्टम लागू हो जाएगा। इस काम के लिए एक अलग पोर्टल भी बनाया जा रहा है।

खास खबर

ये है मामला

राज्य सरकार ने डायवर्सन के मामलों को आसान बनाने के लिए छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता व्यपवर्तित भूमि के लिए भू-राजस्व का निर्धारण तथा पुनर्निधारण नियम 2025 बनाया है। इस पर दावा आपत्ति के लिए 15 दिनों का समय दिया गया है। इस समय के भीतर आने वाली दावा-आपत्ति का निराकरण करने के बाद इसे लागू कर दिया जाएगा।

भूमि स्वामी को पोर्टल में करना होगा आवेदन, घर बैठे मिल जाएगा डायवर्सन का आदेश

अब नहीं लगाने होंगे एसडीएम दफ्तर के चक्कर

छत्तीसगढ़ में यह नियम लागू होने से पहले जमीनों का डायवर्सन एक लंबा समय लेना वाला एक पेचीदा काम बना हुआ था। डायवर्सन के लिए आवेदन देने के बाद एसडीएम को आदेश जारी करने के लिए ही 60 दिन यानि दो माह का समय दिया ▶▶| शेष पेज 6 पर

अब लागू होंगी प्रीमियम दरें

खास बात ये है कि नए सिस्टम में डायवर्सन के लिए प्रीमियम दरें लागू होंगी। मोटे तौर पर यह 3 रुपए वर्गमीटर से लेकर 25 रुपए वर्ग मीटर रखी गई है। यह दर नगर निगम, पालिका और नगर पंचायतों के अलावा ग्रामीण क्षेत्र के लिए अलग-अलग होगी। यहआवासीय प्रयोजन, आवासीय इकाई, कॉलोनी परियोजना, वाणिज्यक, औद्योगिक और मिश्रित प्रयोजन, सार्वजनिक, संस्थागत, और चिकित्सा सुविधाओं तथा विशेष आर्थिक क्षेत्र के लिए अलग- अलग होगी।

अब होगी ये प्रक्रिया

नए प्रस्तावित नियम के मुताबिक अब इस काम के लिए सरकार ने एक पोर्टल बनाया है। किसी व्यक्ति को अगर अपनी जमीन का डायवर्सन करवाना हो तो वे ऑनलाइन माध्यम से पोर्टल में आवेदन करेगा। इसके साथ ही क्षेत्र के हिसाब से डायवर्सन के लिए तय भू-राजस्व और प्रीमियम दर का ऑनलाइन पेमेंट करना होगा। यह प्रक्रिया होने के बाद वह आवेदन ऑनलाइन माध्यम से संबंधित जिले के क्षेत्र के एसडीएम के पास जाएगा। एसडीएम को इस आवेदन पर 15 दिनों के भीतर कार्यवाही कर डायवर्सन का आदेश जारी करना अनिवार्य होगा। अगर एसडीएम ने यह नहीं किया तो 16 वें दिन ऑटोमेटिक सिस्टम से आदेश जारी होगा और जमीन का डायवर्सन हो जाएगा।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अभिनेता प्रेम चोपड़ा हृदय रोग से पीड़ित

नई दिल्ली। अभिनेता शरमन जोशी ने बताया कि दिग्गज अभिनेता और उनके ससुर प्रेम चोपड़ा गंभीर 'एओर्टिक स्टेनोसिस' से पीड़ित हैं। उन्होंने सुचारू उपचार के लिए चिकित्सकों की प्रशंसा की। एओर्टिक स्टेनोसिस' हृदय वाल्व रोग का एक प्रकार है, जिसे 'वॉल्व्युलर' हृदय रोग भी कहा जाता है।

बस-ऑटो की टक्कर में तीन की मौत

हाजीपुर। बिहार के वैशाली जिले में मंगलवार तड़के एक ऑटो-रिक्शा और बस की आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हो गए। हादसा लालगंज–हाजीपुर रोड स्थित धनुषी गांव के पास हुआ, जब यात्रियों को लेकर जा रहा ऑटो-रिक्शा विपरीत दिशा से आ रही बस से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई।

सीआरपीएफ कांस्टेबल और बीएसएफ जवान की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में बीएसएफ का एक जवान संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया। पंजाब के फिरोजपुर का निवासी कांस्टेबल सुखदीप सिंह सोमवार शाम रेहियान गांव में एक नहर के पास पड़ा मिला। एक अलग घटना में, सीआरपीएफ का एक कांस्टेबल सोमवार देर रात जम्मू के नगरोता क्षेत्र में स्थित एक शिविर के अंदर अचानक गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई।

पिछले 18 महीनों में 136 हाथियों की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री गणेश राम सिंह खुंटिया ने विधानसभा को बताया कि अप्रैल 2024 से सितंबर 2025 के बीच बिजली का झटका लगने, रोगों, अवैध शिकार और दुर्घटनाओं सहित कई कारणों से 136 जंगली हाथियों की मौत हुई है। मंत्री ने कांग्रेस विधायक ताराप्रसाद बहिनीपति के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि 42 हाथियों की मौत बिजली का झटका लगने से, 31 हाथियों की मौत बीमारी के कारण और चार हाथियों की मौत ट्रेन दुर्घटनाओं में हुई।

तिरुपति-साईनगर शिरडी एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने नयी दिल्ली स्थित रेल भवन से 'वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग' से तिरुपति-साईनगर शिरडी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसे आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं के लिए ऐतिहासिक बताया।

इंडिगो संकट
रिफंड-लगेज को लेकर सख्त आदेश

सरकार का इंडिगो पर कड़ा एक्शन उड़ानों में 10 फीसदी की कटौती

- जांच के लिए 10 बड़े एयरपोर्ट पर सीनियर अफसर तैनात
- आठवें दिन देशभर में करीब 400 से ज्यादा उड़ानें रद्द

इंडिगो संकट पर सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो को उड़ानों में 10 फीसदी की कटौती करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही उसे ये भी कहा गया है कि वो यात्रियों को रिफंड और लगेज जल्द से जल्द वापस लौटाए। उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि इंडिगो के रूट्स में कटौती जरूरी है। इधर, इंडिगो की फ्लाइट कैंसिल होने का सिलसिला मंगलवार को भी जारी रहा। देशभर में 400 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

हरिभूमि फॉलोअप

पिछले हफ्ते क्रू रोस्टर, फ्लाइट शेड्यूल और संचार की कमी जैसे आंतरिक कुप्रबंधन के कारण यात्रियों को हुई भारी असुविधा को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। मंत्रालय का मानना है कि एयरलाइन के संचालन को स्थिर करने और रद्दीकरण की घटनाओं को कम करने के लिए यह कटौती जरूरी है। हालांकि, इस कटौती के बावजूद इंडिगो अपने सभी मौजूदा गंतव्यों पर उड़ानें जारी रखेगी। इधर, केंद्र सरकार ने मौजूदा हालात की जांच के लिए 10 बडे एयरपोर्ट पर सीनियर अफसरों को तैनात किया है। ये लोग पता लगाएंगे कि यात्रियों को कौन-कौन सी परेशानी आ रही है। ये अफसर डिप्टी सेक्रेटरी, डायरेक्टर और जॉइंट सेक्रेटरी लेवल के हैं। 10 बड़े एयरपोर्ट में मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद, पुणे, गुवाहाटी, गोवा और तिरुवनंतपुरम शामिल हैं।

इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को मंगलवार को ▶▶| शेष पेज 6 पर

इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से मुलाकात की। इस दौरान पीटर एल्बर्स एविएशन मिनिस्टर के सामने हाथ जोड़े नजर आए।

हम संकट के बाद फिर अपने पैरों पर खड़ा हो रहे

उधर, इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने कहा कि आपका एयरलाइन संकट के दौर के बाद एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा हो गया है। इंडिगो सीईओ ने वीडियो के जरिए बयान जारी कर कहा, हम परेशानियों से गुजरे, यात्रियों को परेशानी हुई। इसके लिए हम माफी चाहते हैं। हवाई यात्रा की खुबसूरती यह है कि यह लोगों को, इमोशन और एंबीशन को साथ लाती है।

मंजूर उड़ानों के मुकाबले कम संचालन

डीजीसीए की ओर इंडिगो को जारी आधिकारिक नोटिस में कहा गया है कि विंटर शेड्यूल के तहत नवंबर 2025 के लिए एयरलाइन को प्रति सप्ताह 15,014 प्रस्थान और कुल 64,346 उड़ानों की मंजूरी दी गई थी। हालांकि, परिचालन आंकड़ों से पता चलता है कि इंडिगो केवल 59,438 उड़ानें ही संचालित कर पाई। नवंबर में एयरलाइन की 951 उड़ानें रद्द की गईं।

क्या है डीजीसीए का निर्देश?

डीजीसीए ने अपने आदेश में कहा, एयरलाइन को अपने शेड्यूल को 5% तक घटाने का निर्देश दिया जाता है, यह कटौती विशेष रूप से अधिक मांग और अधिक फेरों वाले उड़ानों में हो। साथ ही, इंडिगो को किसी रूट पर जारी एकल उड़ानों को बंद करने से बचना चाहिए।

कितनी बड़ी एयरलाइन है इंडिगो?

यह महज एक एयरलाइन नहीं, बल्कि भारतीय एविएशन की रीढ़ है। एयरलाइन के पास 434 विमानों का बेड़ा है। इसने 920 से अधिक नए विमानों का ऑर्डर भी दे रखा है। इंडिगो हर दिन 2,200 से अधिक उड़ानें संचालित करती है। 3.2 लाख से अधिक यात्रियों को हवाई सफर करवाती है। यह 128 गंतव्यों के लिए अपनी सेवाएं देती है। वित्त वर्ष 2025 के लिए एयरलाइन का राजस्व लगभग 80,803 करोड़ रुपए रहा। नवंबर 2024 से इंडिगो ने हर महीने 1 करोड़ से अधिक यात्रियों को हवाई सफर कराया है।

एयरलाइन के लिए हालात कब और कैसे बिगड़े?

इंडिगो के लिए वर्तमान संकट अचानक नहीं आया, लेकिन बीते तीन-चार दिनों में इसमें बेतहाशा वृद्धि हुई। सबसे ज्यादा असर एयरलाइन की यूएसपी यानी 'ऑन-टाइम परफॉर्मेंस' पर पड़ा है। वित्तीय वर्ष 2025 में एयरलाइन ने 73.8% की ओटीपी हासिल की थी। 1 दिसंबर को ओटीपी गिरकर 50% पर आ गई। 2 दिसंबर को यह और गिरकर 35% पर पहुंच गई। 3 दिसंबर को हालात और खराब हो गए और ओटीपी 19.7% रह गई। 4 दिसंबर को एयरलाइन का सिस्टम पूरी तरह चरमरा गया और ओटीपी ऐतिहासिक निचले स्तर 8.5% पर आ गई। मुख्य कारण नए एफडीटीएल नियमों के दूसरे चरण का लागू होना और उसके बाद क्रू (पायलट और केबिन स्टाफ) की गंभीर कमी है।

क्या होगा असर

यह कटौती हाई-डिमांड, हाई-फ्रीक्वेंसी रूट पर फ्लाइट में गई है। इसका असर इंडिगो की रोजाना ऑपरेट होने वाली 2300 फ्लाइट्स पर पड़ेगा। यानी लगभग 230 फ्लाइट्स घट जाएंगी। इसके अलावा इंडिगो को बुधवार शाम 5 बजे तक डीजीसीएम को एक बदला हुआ शेड्यूल जमा करने का भी निर्देश दिया गया है।

खम्हारडीह थाना क्षेत्र की घटना

पत्नी की हत्या कर युवक ने ट्रेन के सामने लगाई छलांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर के खम्हारडीह थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। एक युवक ने पहले अपनी पत्नी की घर में हत्या कर दी और फिर खुद भी ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस की प्रारंभिक जांच में हत्या और आत्महत्या का कारण मृतक दंपति के बीच घरेलू विवाद बताया जा रहा है। हालांकि अभी मामले की तफ्तीश जारी है। घटना से संबंध में थाना प्रभारी ने बताया कि खम्हारडीह क्षेत्र के लाभांडी रेलवे लाइन पर एक युवक की लाश मिली। उसकी ट्रेन से कटकर मौत हुई थी। पुलिस ने शव की शिनाख्त चंडीनगर निवासी मृतक राजन गुप्ता के रूप में की। पुलिस जब जांच करते हुए मृतक के घर पहुंची, तो घर में उसकी पत्नी रेखा ▶▶| शेष पेज 6 पर

5 साल पहले हुई थी लव मैरिज तलाक तक बात आ गई थी

इस घटना को लेकर मृतका रेखा के परिजनों ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी और राजन ने 5 साल पहले लैव मैरिज की थी। शादी के बाद दोनों चंडीनगर में एक किराए के मकान में रहते थे। राजन वेल्डिंग का काम करता था। दोनों का एक लड़का भी है, जो ज्यादातर रेखा के पिता या नाना-नानी के घर रहता था। मृतका के परिजनों ने यह भी बताया कि बेटा होने के बाद राजन और रेखा दोनों के बीच पिछले कुछ माह से लगातार विवाद हुआ करता था। इसी विवाद के कारण दोनों तलाक लेने की बात करने लगे थे।

गला दबाकर हत्या की आशंका

घर पर मृत पड़ी मिली रेखा के गले पर पंजे के निशान पाए गए हैं। इससे आशंका जताई जा रही है कि राजन ने गला दबाकर उसकी हत्या की है। हालांकि इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगा। फिलहाल पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

सत्या नडेला की पीएम मोदी से मुलाकात

माइक्रोसॉफ्ट करेगा 17.5 अरब डॉलर का सबसे बड़ा निवेश

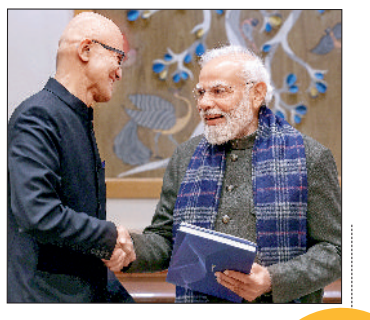

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

गुड न्यूज

माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्या नडेला ने मंगलवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में भारत की क्षमता को मजबूत करने के लिए कंपनी का अब तक का एशिया में सबसे बड़ा निवेश 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपए) करने की घोषणा की। नडेला ने प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात के बाद कहा कि भारत एआई क्रांति के अग्रणी देशों में से एक बनने की क्षमता रखता है, ▶▶| शेष पेज 6 पर

- एआई जल्द होगा मेक इन इंडिया, युवाओं के लिए खुलेंगे बम्पर रोजगार के द्वार

दुनिया भारत की एआई क्षमता को लेकर आशावादी : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्या नडेला से मुलाकात पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, जहाँ तक एआई की बात है, दुनिया भारत को लेकर आशावादी है। सत्या नडेला के साथ बहुत उपयोगी चर्चा हुई। यह जानकर खुशी हुई कि माइक्रोसॉफ्ट एशिया में अपना सबसे बड़ा निवेश भारत में करने जा रहा है। देश का युवा वर्ग इस अवसर का पूरा लाभ उठाएगा और एआई की ताकत से दुनिया को एक बेहतर दिशा देगा।"

मुलाकात का व्यापक प्रभाव

सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी और सत्या नडेला के बीच हुई मुलाकात में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, साइबर सुरक्षा, स्टार्टअप सहयोग और सरकार–उद्योग साझेदारी पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

भारत में एआई के लिए नई संभावनाओं का द्वार

यह निवेश भारत में एआई-संबंधित कई प्रमुख क्षेत्रों को गति देगा। डाटा सेंटर और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार ही सकेगा।स्थानीय एआई मॉडल्स, भाषा-आधारित मॉडल और सॉवरेन एआई परियोजनाएँ रफ़्तार पकड़ेंगी। स्टूडेंट्स और युवा प्रोफेशनल्स के लिए स्किल-डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू होगा।उद्योगों, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, ऊर्जा में एआई के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। तकनीकी विश्लेषकों का कहना है कि यह निवेश भारत को वैश्विक स्तर पर एआई इनोवेशन हब बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भोजन की होगी जांच पांच की हालत गंभीर

विषाक्त भोजन के सेवन से तीन कर्मियों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छतरपुर/ग्वालियर

मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के खजुराहो स्थित एक होटल में कथित तौर पर विषाक्त भोजन खाने से तीन कर्मचारियों की इलाज के दौरान ग्वालियर में मौत हो गई, जबकि पांच अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। जिन कर्मचारियों की हालत गंभीर है, उनमें तीन शासकीय मेडिकल कॉलेज की गहन चिकित्सा इकाई में और दो वेंटीलेटर पर हैं और इनकी हालत में फिलहाल कोई सुधार नहीं हो रहा है। स्थानीय गौतम रिसॉर्ट में खाना खाने के बाद आठ कर्मचारी सोमवार रात बीमार हो गए थे, जिन्हें पहले खजुराहो के शासकीय अस्पताल और फिर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

तीन आईसीयू में दो वेंटीलेटर पर

ग्वालियर शासकीय मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ पदाधिकारी और चिकित्सक डॉ. एमएल माहौर ने बताया कि छतरपुर से आठ मरीज ग्वालियर आए थे, जिनमें से तीन की मौत हो गई और पांच भर्ती हैं। उन्होंने कहा, इसमें से तीन आईसीयू में हैं और दो वेंटीलेटर पर हैं। इन सभी की हालत गंभीर बनी हुई है। जिनकी मौत हुई है, उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के कारणों की जानकारी हो सकेगी लेकिन जो शुरुआती जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक ये सभी विषाक्त भोजन के शिकार हुए हैं।

आदिवासी नेता की संदेहास्पद मौत पर उबाल

आदिवासी नेता की जेल में मौत पर बंद रहा बस्तर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

कांकेर जिले के पूर्व जिला अध्यक्ष जीवन ठाकुर की रायपुर जेल में संदेहास्पद परिस्थितियों में हुई मौत के विरोध में सर्व आदिवासी समाज द्वारा किए गए बस्तर बंद का आज शहर में व्यापक असर देखा गया। सुबह से ही समाज के युवा दलों ने बाइक रैली निकालकर शहर के प्रमुख बाजारों का भ्रमण किया। व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को स्वेच्छा से बंद कराने में सक्रिय रहे।

चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने समर्थन करते हुए सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक बाजार बंद ▶▶| शेष पेज 6 पर

युवा बाइक रैली कर बंद कराने सड़क पर उतरे

आदिवासी नेता जीवन ठाकुर की कथित जेल में हत्या के विरोध में सर्व आदिवासी समाज के लोग सड़क पर उतरे। बंद के दौरान बाजारों में ताले पड़े, युवा बाइक रैली निकालते हुए नारेबाजी करते रहे,पुलिस प्रशासन ने सभी जिलों में अलर्ट जारी किया। आवश्यक सेवाओं को खुला रखकर बंद ▶▶| शेष पेज 6 पर

बोले अमेरिकी राष्ट्रपति, भारत सस्ते दाम पर 'डंप' कर रहा है अपना चावल

भारत के चावल पर अमेरिका में उबाल, भारी टैरिफ की धमकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर आज (10 से 11 दिसंबर तक) से एक बार फिर से बातचीत का दौर शुरू होने वाला है। लेकिन उससे ठीक पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की देश के कृषि उत्पादों खासकर चावल पर नजरें तिरछी हो गई हैं और उन्होंने इस पर भारी टैरिफ लगाने की चेतावनी दे दी है। व्हाइट हाउस में बीते सोमवार को हुई एक बैठक में उन्होंने कहा कि मेरा यह कदम भारत द्वारा सस्ते दामों पर अपना चावल अमेरिका में बेचने यानी डंप करने के जवाब में उठाया जाएगा। हम नई दिल्ली को ऐसा नहीं करने देंगे। क्योंकि इससे हमारे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। विदेशी आयात ने उनकी हालत खस्ता कर दी है और हम किसी को ऐसा नहीं करने दे सकते हैं।

चावल निर्यात के लिए तलाशे नए बाजार

गर्ग ने दावा किया कि अमेरिका से भारतीय चावल को लेकर मांग मजबूत और लचीली बनी हुई है। जबकि भारत की नए बाजारों तक पहुंच बनी हुई है। जिसमें फिलीपींस भी शामिल है। उसके बाजार में भारत की हिस्सेदारी 4 फीसदी है।

मामले पर मिली किसानों की ढेरों शिकायतें

अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें इस मामले को लेकर देश के किसानों से कई शिकायतें मिल रही थीं। जिसमें उनका कहना था कि भारत, थाईलैंड और वियतनाम द्वारा अपना चावल अमेरिका में सस्ते दामों पर बेचा जा रहा है। जिससे उनके बाजार में दाम टूट रहे हैं और भारी नुकसान भी उठाना पड़ रहा है।

किसानों का अहित नहीं होगा : मोदी

गौरतलब है कि भारत और अमेरिका के बीच बीटीए पर जारी बातचीत अभी तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। अमेरिका बड़े पैमाने पर अपने कृषि और डेयरी उत्पादों को भारत में बेचने का इच्छुक है। जिसे लेकर भारत कतई तैयार नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह साफ कर चुके हैं कि भारत किसी भी सूरत में अपने किसानों और छोटे व मझौले उद्योगों (एमएसएमई) के हितों पर आंच नहीं आने देगा।

यूं नुकसान में रहेगा अमेरिका

भारत के व्यापारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चावल निर्यात पर टैरिफ लगाने के निर्णय की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें चेताया है कि इससे उन पर नहीं बल्कि अमेरिका पर ही नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भारतीय चावल निर्यातक संघ के उपाध्यक्ष देव गर्ग ने कहा कि अमेरिका के बाजारों में किया जाने वाला भारत का तमाम निर्यात मांग पर आधारित है।

चिंतन

अब चावल के बहाने नए टैरिफ की तैयारी में ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब चावल के बहाने भारत पर नया टैरिफ थोपने की तैयारी में हैं। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि कितना टैरिफ लगाया जा सकता है। उनके इस कदम से लगता है कि वे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे से बौखलाए हुए हैं। इसलिए उन्होंने भारत पर फिर नया टैरिफ लगाने की बात कर दी। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान 12 बिलियन डॉलर की फार्म सब्सिडी की घोषणा करते हुए कहा कि वे भारत, वियतनाम और थाईलैंड जैसे देशों से 'डंपिंग' की जा रही चावल की समस्या का समाधान करने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा कनाडा से आने वाली खाद पर भी अमेरिका एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने पर विचार कर रहा है। इसके पीछे लॉजिक दिया जा रहा है कि वे अपने किसानों को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। ट्रंप अगर भारतीय चावल पर टैरिफ लगाते हैं तो इससे चावल अमेरिका भेजना मुश्किल होगा। ऐसे में किसानों को आर्थिक नुकसान हो सकता है। भारत के लिए ट्रंप की यह चेतावनी उस समय पर आई है, जब नई दिल्ली व वाशिंगटन के साथ एक बड़े व्यापार समझौते की कोशिश में है। हालांकि अभी तक इसमें कोई खास सफलता नहीं मिल पाई है। अमेरिका ने अगस्त में व्यापार बाधाओं और रूस से तेल खरीदने के कारण भारतीय सामानों पर 50% टैरिफ लगाया था। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान की विशेषज्ञों ने कड़ी आलोचना की है। उनका कहना है कि टैरिफ बढ़ाने से भारतीय निर्यात पर बहुत असर नहीं पड़ेगा, उल्टे अमेरिकी उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ जाएगा, क्योंकि अमेरिका में भारतीय चावल की मांग पूरी तरह उपभोक्ता की पसंद से तय होती है। विशेषज्ञों ने यह भी कहा है कि यह ट्रंप सरकार की कोई नीति नहीं है, बल्कि उनकी धमकी राजनीति का हिस्सा है। यह कोई नई बात नहीं है। अमेरिका पहले भी ऐसा करता आया है। अमेरिका भारत पर कोई एहसान नहीं कर रहा। मांग खुद बाजार से पैदा होती है। अगर टैरिफ बढ़ाया जाता है, तो नुकसान अमेरिका को ज्यादा होगा, भारत को नहीं। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि यह बयान चुनाव से पहले अमेरिकी किसानों को लुभाने की रणनीति है। थिंक टैंक ने कहा, यह धमकी पॉलिटिक्स है, पॉलिसी नहीं। जीटीआरआई ने कहा कि अगर अमेरिका ने टैरिफ को बढ़ाया भी, तो उसका भारतीय निर्यात पर सीमित ही असर होगा, क्योंकि भारत के चावल की मांग वैश्विक स्तर पर मजबूत है, खासकर अमेरिका में। बढ़े हुए दामों का असर अमेरिकी उपभोक्ताओं पर पड़ेगा, क्योंकि वे भारतीय बासमती और प्रीमियम चावल पर निर्भर हैं। इसलिए भारत को अमेरिका की इस धमकी से घबराने की जरूरत नहीं है। बता दें कि भारत दुनिया का सबसे ज़्यादा चावल उत्पादक और नंबर वन निर्यातक देश भी है। भारतीय चावल निर्यातक संघ के मुताबिक़ भारत सालाना 15 करोड़ मीट्रिक टन चावल का उत्पादन करता है जो दुनिया भर के चावल उत्पादन का 28 प्रतिशत है। 2024-25 में भारत दुनिया भर में सबसे ज़्यादा चावल निर्यात करने वाला देश रहा। इस दौरान दुनिया भर के कुल चावल निर्यात का 30.3 प्रतिशत हिस्सा भारत का रहा। चावल उत्पादन के मामले में दूसरे नंबर पर चीन है। उसका सालाना चावल उत्पादन क़रीब 14 करोड़ मीट्रिक टन है। इस सूची में बांग्लादेश, इंडोनेशिया, वियतनाम, थाईलैंड और पाकिस्तान का नाम भी शामिल है। भारत में बासमती, सबसे ज़्यादा निर्यात की जाने वाली चावल की किस्मों में से एक है। अमेरिका में भारत के चावल की मांग तेजी से बढ़ी है। आईआरईएफ के आंकड़ों के मुताबिक 2024–2025 में भारत ने अमेरिका को 274,213.14 मीट्रिक टन बासमती चावल निर्यात किया, जिसकी कुल कीमत 337.10 मिलियन डॉलर रही। अमेरिका भारत के बासमती चावल का चौथा सबसे बड़ा बाजार है। वहीं, इसी दौरान 54.64 मिलियन डॉलर मूल्य के 61,341.54 मीट्रिक टन गैर-बासमती चावल अमेरिका को भेजे गए, जो इस श्रेणी में 24वां सबसे बड़ा बाजार है।

चिंता

डॉ. मोनिका शर्मा

जीवन पर भारी स्त्री सम्मान की रक्षा

महिलाओं के साथ होने वाली छेड़खानी या दुर्व्यवहार को लेकर आवाज़ उठाने के कारण अपने ही नहीं सज्जनता दिखाने वाले अपरिचित भी जान गंवा रहे हैं। जिस समाज में राह चलते किसी बहू बेटी के साथ बदसलूकी करने पर मुखर विरोध दर्ज कराने का चलन रहा है, वहां, भाई, पिता, पति से लेकर किसी अनजान व्यक्ति तक के लिए भी कुत्सित प्रवृत्ति के लोगों को रोकना-टोकना मुश्किल हो गया है। हाल ही में हरियाणा के भिवानी में एक वैवाहिक समारोह में हुई कहासुनी के चलते राष्ट्रीय स्तर के पैरा पावरलिफ्टर रोहित धनखड़ की जान ले ली गई। जूनियर और सीनियर पैरा नेशनल मेडल जीत चुके इस युवा चेहरे के जीवन पर शादी कार्यक्रम के दौरान लड़कियों से छेड़खानी का विरोध करना भारी पड़ा। वस्तुतः, ऐसा हर वाकया समग्र समाज के लिए चिंतनीय है। हर परिवार के लिए पीड़ादाई है। सवाल यह है कि आखिर आसामाजिक तत्वों का यह जानलेवा दुस्साहस कैसे बढ़ रहा है? क्या समाज, परिवार या परिवेश में दिखते नकारात्मक बर्ताव को चुपचाप बर्दाश्त का लेने का ही रास्ता बचा है? वैवाहिक समारोह तो मेलजोल का अवसर होते हैं। सामाजिक जुड़ाव को बल देने वाले आयोजन माने जाते हैं। संस्कार और मानवीय मूल्यों को पोसने का अवसर होते हैं। ऐसे में शादी समारोह में लड़कियों के साथ बेहूदगी करने पर टोकने को लेकर हुई बहस भर से एक युवा को पीट-पीटकर बेरहमी से मार डालने की घटना वाकई दुर्भाग्यपूर्ण है। युवाओं के व्यवहार में जगह बनाती विकृति समझ और बर्बर बर्ताव की भी बानगी है। साथ ही अप्रत्यक्ष रूप से कानूनी लचरता के चलते कुछ भी करके बच निकलने के भरोसे का उदाहरण तो है ही।

विडम्बना यह भी है कि ऐसी घटनाओं में देश के किसी संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक का जीवन छिन जाता है। इन्हीं दिनों बागपत में एक छात्रा के साथ हुई छेड़छाड़ का विरोध जताने और बेटी का बचाव करने वाले पिता को बेरहमी से पीटा गया है। सोनभद्र में हुई एक घटना में पत्नी पर अश्लील टिप्पणी करने का विरोध करने वाले पति को बेरहमी से पीटा गया। सहारनपुर पत्नी के साथ हुई छेड़छाड़ से आहत होकर पति ने आत्महत्या कर ली । बाजार, सड़क, आस-पड़ोस और सामाजिक-पारिवारिक आयोजनों तक में देश एक हर हिस्से से ऐसी घटनाएं सामने आती रहती हैं। बावजूद इसके इन घटनाओं की शिकायत को भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। ऐसे अधिकतर मामलों में किसी युवती के जान दे देने या बचाव में आए व्यक्ति के साथ अपराध होने के बाद कोई कार्रवाई की जाती है। दुःखद यह है कि इस कुत्सित और क्रूर प्रवृत्ति के लिए कठोर दंड ना मिलने से दूसरे लोगों का भी दुस्साहस बढ़ता है। यहां तक कि ऐसे आपराधिक तत्वों को लेकर अगर किसी जागरूक परिवार द्वारा शिकायत दर्ज करवा दी जाय तो भी असुरक्षा और जानलेवा हमले ही परिवारजनों के हिस्से आते हैं। इतना ही नहीं छेड़खानी से तंग आकर हर साल कितनी ही लड़कियां आत्महत्या तक कर लेती हैं। हाल ही में विदिशा में एक किशोरी ने छेड़छाड़ से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। बरेली में सोलह वर्षीय लड़की ने छेड़खानी से परेशान से तंग आकार जान दे दी। सवाल यह है कि क्या इस बेहूदगी का विरोध ना किया जाए? अस्मिता को ठेस पहुंचाने वाले इस दुर्व्यवहार को बेटियां और उनके परिवार चुपचाप सहते रहें? लेकिन ऐसा कब तक इस दुर्व्यवहार को देख-सुनकर मानवीय भाव समझने वाला कोई अपरिचित भी मूक बना रहे? आज भी हमारे परिवेश में स्त्री सम्मान को लेकर सब कुछ सहो, कुछ ना कहो की दुर्भाग्यपूर्ण स्थितियां बनी हुई हैं। छेड़खानी हो या कोई बर्बर अपराध, अपने-पराए या स्वयं महिलाएं भी अपना मान बचाने के लिए हिम्मत दिखाएँ तो जीवन ही छीन लिया जाता है। फिर ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति तो और चिंतनीय है। ऐसे वाकये पारिवारिक मोर्चे पर रीत रहे समझ-संस्कार की कटु हकीकत भी सामने रखने वाले हैं। समाज-परिवार में यह प्रश्न उठना लाजिमी है कि ऐसे बेटे और पुरुष किन घरों से आते हैं, जो इतनी हिमाकत करते हैं? कानूनी मोर्चे पर भी देर-सवेर आरोपियों को राहत मिल जाना भी समाज का मनोबल तोड़ता है।

(लेखिका वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

बदलते बस्तर में विरासत को भी होगा सहेजना

विचार

डॉ. संजय शुक्ला

बीते चार दशकों से लाल आतंक का गढ़ समझे जाने वाला बस्तर अब माओवादी हिंसा से मुक्ति के कगार पर है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा अगले साल 31 मार्च तक देश से नक्सलवाद के खात्मे की मियाद तय करते ही सुरक्षाबलों ने माओवादियों के खिलाफ ताबड़तोड़ अभियान चला रखा है जिसके अब आशाजनक परिणाम सामने आने लगे हैं। देश के नक्सल प्रभावित राज्यों की सूची में शीर्ष छत्तीसगढ़ में माओवादी हिंसा से निबटना हर सरकार के लिए बड़ी चुनौती रही है। साल 2023 में विष्णुदेव साय की सरकार बनने और 2024 में मोदी 3.0 सरकार के गठन के बाद डबल इंजिन सरकार ने छत्तीसगढ़ में नक्सल उन्मूलन की दिशा में दृढ़ इच्छाशक्ति प्रदर्शित की। आंकड़ों के मुताबिक बीते तेरह महीनों के दौरान जहां 477 नक्सली मारे गए तथा 1785 गिरफ्तार किए गए हैं वहीं 2100 से ज्यादा माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। नक्सली उन्मूलन में जुटे सुरक्षा बलों को सबसे बड़ी कामयाबी दुर्दांत माड़वी हिड़मा और बसवराजू जैसे टॉप नक्सली लीडर को मारे जाने से मिली है। एंटी नक्सल ऑपरेशन से जुड़े शीर्ष अधिकारियों की मानें तो बस्तर में अब महज 100-150 हथियार बंद माओवादी बचे हैं जिनका सफाया नजदीक है।

इधर लाल आतंक का दंश झेल रहे बस्तर में लौटती शांति और बदलाव के बीच टीवी न्यूज चैनलों से लेकर सोशल मीडिया पर राजनीतिक दलों से लेकर बौद्धिक वर्ग और नागरिक समुदायों के मध्य बहस-मुबाहिसों का दौर जारी है। देश में एक वर्ग ऐसा भी है जो मानवाधिकार और बस्तर के जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा के आड़ में माओवादियों का हिमायती है। दरअसल यह वह विचारधारा है जो सुरक्षाबलों के हाथों नक्सलियों के मारे जाने पर इसे फर्जी मुठभेड़ बताते हुए अपनी छाती पीटने लगते है लेकिन नक्सलियों के बारूदों से सुरक्षाबलों के चिथड़े उड़ने और बेकसूर आदिवासियों के सरेआम गला रेतने पर चुप्पी साध लेते है। सोशल मीडिया किसी दुर्दांत अपराधी को कैसे महिमा मंडित कर सकता है? इसकी बानगी खूंखार माओवादी माड़वी हिड़मा है जिस पर 26 से भी ज्यादा सशस्त्र हमलों में सौ से भी ज्यादा सुरक्षाबलों, राजनेताओं और निरीह आदिवासियों के हत्या का आरोप था। आतंक, दहशत और मौत के पर्याय 1 करोड़ 80 लाख के इनामी नक्सली हिड़मा के मारे जाने पर सोशल मीडिया में उसे 'शहीद' बताने और उसकी तुलना अमर शहीद बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, सरदार भगतसिंह और सुखदेव जैसे क्रांतिकारियों से करने की होड़ मची हुई थी। इधर दिल्ली के इंडिया गेट पर प्रदूषण के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन के दौरान चंद युवाओं द्वारा हिड़मा अमर रहे का नारा लगाते और नक्सलियों के कथित जनताना सरकार के तारीफों के कसीदे पढ़ते देखे गए जो इन युवाओं के भटकाव को इंगित करता है। अलबत्ता जब बुद्धि पर भावना हावी होती है तभी लोगों को खूंखार आतंकी अफजल और हिड़मा में नायकत्व दिखाई देता है जबकि ऐसे लोग समाज के लिए नासूर हैं।

ऐसा नहीं है कि सरकारों ने आदिवासी इलाकों के विकास और आदिवासियों के कल्याण के लिए कोई जतन नहीं किया लेकिन इसमें सबसे बड़े रोड़ा नक्सली ही बने हुए थे। बहरहाल केंद्र और राज्य के वर्तमान सरकारों ने इस हालात को महसूस करते हुए माओवादियों के आत्मसमर्पण और पुनर्वास के लिए साकारात्मक कदम उठाया। दूसरी ओर राज्य सरकार ने बस्तर के समग्र विकास और आम आदिवासियों का भरोसा जीतने के लिए ' नियद नेल्ला नार ' जैसी योजना भी लागू की। दूसरी ओर नक्सल प्रभावित इस क्षेत्र में जहां सुरक्षा व्यवस्था और इंटेलिजेंस को मजबूत किया गया वहीं इन इलाकों में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति भरोसा जगाने के लिए चुनावों के दौरान व्यापक इंतजाम किए गए। सरकार के इन प्रयासों का ही प्रतिफल है कि इस इलाके में 'थ्री- डी' यानि डेवलपमेंट, डेमोक्रेसी और डिफेंस ने माओवादियों को घूंटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया है।

गौरतलब है कि माओवादी हिंसा का शिकार सभी राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता हुए हैं लेकिन कुछ विपक्षी नेता, पत्रकार और एक्टिविस्ट केंद्र सरकार पर लगातार आरोप लगा रहे हैं कि नक्सलवाद के खात्मे के आड़ में सरकार की असल मंशा इन क्षेत्रों के बेशकीमती खनिज और प्राकृतिक संसाधनों को कार्पोरेट घरानों को सौंपना है। सियासी दलों और एक्टिविस्टों के इस नरेटिव ने ही आदिवासियों की नयी पीढ़ी में उनके विरासत और जमीन के लिए बेचैनी बढ़ा दी है। युवाओं में पनप रहे इस बेचैनी का फायदा माओवादियों के प्रति सहानुभूति रखने वाली विचारधारा उठा रही है। नक्सलियों के प्रति सहानुभूति का असर सोशल मीडिया पर भी दिखाई दिया युवा यूजर्स जो अधिकांश आदिवासी समुदाय के थे हैशटैग ' लाल सलाम हिड़मा ' मुहिम चला रहे थे । ये युवा अमर शहीद बिरसा मुंडा के 'उलगुलान' नारों के साथ हिड़मा को बस्तर के जल, जंगल और जमीन का असली संरक्षक बताते हुए सवाल उठा रहे थे कि अब बस्तर की प्रकृति की रक्षा कौन करेगा? युवा ही किसी देश और समाज के राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक बदलाव के ध्वजवाहक होते हैं लिहाजा सरकार और समाज को इन युवाओं के मन में उठ रहे सवालों और जिज्ञासाओं का समाधान करना होगा। यह भी सच है कि अफजल और हिड़मा जैसे दुर्दांत अपराधी युवाओं के रोल मॉडल नहीं बन सकते।

बहरहाल बस्तर में हो रहे बदलाव में आदिवासियों को भी अपनी भूमिका सुनिश्चित करनी होगी। यह ध्रुव सत्य है कि विकास की मुख्यधारा से अछूते आदिवासियों के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिये मजबूत अधोसंरचना, बिजली और संचार सुविधाओं की उपलब्धता आवश्यक है। दशकों से विकास की बाट जोह रहे आदिवासी समुदाय का विकास तभी संभव है जब समाज के अंतिम व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन, पेयजल, आवास और अधोसंरचना की उपलब्धता सुनिश्चित हो।बस्तर जैसे दुर्गम और सघन वनांचल में अधोसंरचना विकास के लिए जंगलों और पहाड़ों को काटने और नदी-नालों को बांधने की दरकार होगी लिहाजा स्थानीय लोगों को इसके लिए सहमत भी होना होगा। बेशक आज के दौर में रोजगार के लिए उद्योग की जरूरत है लेकिन बस्तर में औद्योगिकीकरण के लिए सरकार के नीति नियंताओं को प्रकृति और आदिवासी संस्कृति तथा परंपराओं को विमर्श में लाना होगा।

देश में नक्सली समस्या का स्थायी समाधान और बस्तर में शांति के लिए आदिवासियों के साथ निरंतर संवाद के साथ उन्हें विकास में सहभागी बनाना आवश्यक है। इसमें दोराय नहीं कि सरकारों ने आदिवासियों के कल्याण के लिए सैकड़ों योजनाएं और कानून लागू किए हैं बावजूद वे आज भी विकास की मुख्यधारा से कोसों दूर हैं जिसके लिए नक्सलियों के साथ आदिवासी समाज में व्याप्त अशिक्षा, गरीबी और अंधविश्वास जैसे अनेक कारण जिम्मेदार हैं। आदिवासी विकास के विरोधी नहीं हैं बल्कि वे ऐसा विकास चाहते हैं जिसमें उनकी सदियों पुरानी साझा विरासत जल, जंगल, जमीन और लोक-संस्कृति और परंपरा का अस्तित्व सुरक्षित रहे। बस्तर में लौटती शांति के बीच अब यह उम्मीद भी जगी है कि अब यहां गोलियों की तड़तड़ाहट और बमों के धमाकों की जगह यहां की सुरम्य वादियों में मांदर की थाप और मंजीरे की झनकार के साथ कर्मा, गौर, पंडुम, मांदरी, हुल्की और ककसार का थिरकन सुनाई देगा। मांस की लोथड़े की गंध की जगह साल, सरई, सागौन, महुआ, सल्फी, तेंदू की मादक सुगंध बस्तर की हवा में शांति की मादकता घोलेगी।

माओवादी हिंसा की अभिशाप से मुक्त हो रहे बदलते बस्तर की बात करें तो यहां पर्यटन उद्योग की आपार संभावनाएं हैं। बस्तर में अनेक बेहतरीन स्पॉट हैं जो सिनेमा उद्योग को आकर्षित कर सकते हैं इसके अलावा यहां के लौह, काष्ठ- बांस और मिट्टी शिल्प के क्षेत्र में उद्योग और व्यापार की अपार संभावनाएं हैं नीति नियंताओं को बस्तर की भौगोलिक संरचना और आदिवासी संस्कृति और विरासत के मद्देनजर यहां 'ईको फ्रेंडली' उद्योग की स्थापना की दिशा में अनुकूल वातावरण तैयार करना होगा ताकि स्थानीय लोगों को रोजगार मिले और उनका कौशल उन्नयन हो।

गौरतलब है कि विभिन्न आदिवासी संगठनों सहित आदिवासी नेताओं की लंबे समय से यह मांग रही है कि छत्तीसगढ़ में पेसा कानून लागू किया जाए। राज्य में साल 2022 से यह कानून लागू किया गया है पर इस कानून के अमल में निष्पक्षता और पारदर्शिता पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। दरअसल भारत के संविधान में अनुसूचित जनजातियों को स्वायत्तता प्रदान करने के लिए पांचवीं अनुसूची और पेसा कानून का प्रावधान किया है जिसके तहत राज्यपालों को विशेष शक्तियां प्राप्त है। हालांकि वर्तमान सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि राज्य में पेसा कानून के अमल पर सख्ती बरती जाएगी। बहरहाल बस्तर में लौटती शांति के बीच यह जरूरी है कि इस इलाके में आदिवासी विरासत को सहेज कर ही विकास का खाका खींचा जाए आखिरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार का भी ध्येय 'विरासत और विकास' है।

आत्मबल के लिए ईश्वर के सान्निध्य में जाएं

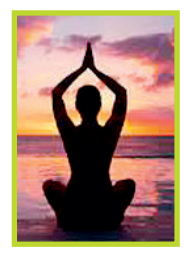

संकलित

दर्शन

जब व्यक्ति किसी कार्य को करने चलता है, तो उसके मन-हृदय में बारंबार विचार-भाव उठते हैं कि वह कार्य करें या नहीं, उससे होगा या नहीं और परिणाम भी सफलता और असफलता के रूप में सामने आता है। किसी कार्य को करने के लिए बल की आवश्यकता होती है। इसके बिना उसको गति देना असंभव है। कई बार किसी कार्य को करते समय नाना-प्रकार के संकट उसमें बाधा बन खड़े हो जाते हैं। ऐसे में कोई व्यक्ति उस कार्य को बीच में ही छोड़ देता है। परिणामस्वरूप उसे असफलता हाथ लगती है। असफलता यह सिद्ध करती है कि अमुक कार्य को पूरे मनोयोग से नहीं किया गया। मनोयोग का अर्थ होता है-तन, मन और हृदय से समर्पित होकर किसी कार्य को करना। किसी कार्य में सफल होने के लिए व्यक्ति में मानसिक संतुलन, विश्वास, जिज्ञासा, लगन, संघर्ष करने की क्षमता और तन्मयता जैसे गुणों का होना जरूरी होता है। इनकी प्राप्ति आत्मबल से होती है। आत्मबल की प्राप्ति के लिए ईश्वर के सान्निध्य में जाना पड़ता है। सान्निध्य पाने के लिए ईश्वर का विश्वास आवश्यक है। विश्वास पाने के लिए तप-साधना करनी पड़ती है। चूंकि आत्मबल में ईश्वर की शक्ति निहित होती है, इसीलिए इसे ब्रह्मबल भी कहते हैं। आत्मबल से संपन्न मनीषी के लिए कोई कार्य असंभव नहीं रहता है। उसका कोई कार्य बीच में नहीं रुकता है। जब शरीरबल और मनोबल टूट जाता है तो उस समय आत्मबल सहारा देता है। आत्मबल से युक्त व्यक्ति कभी हताश-निराश नहीं होता है।

महिमा राम नाम की

संकलित

प्रेरणा

एक आदमी बर्फ बनाने वाली कंपनी में काम करता था। एक दिन कारखाना बन्द होने से पहले अकेला फ्रिज करने वाले कमरे का चक्कर लगाने गया तो गलती से दरवाजा बंद हो गया। और वह अंदर बर्फ वाले हिस्से में फंस गया छुट्टी का वक्त था और सब काम करने वाले लोग घर जा रहे थे। किसी ने भी अधिक ध्यान नहीं दिया की कोई अंदर फंस गया है। वह समझ गया की दो-तीन घंटे बाद उसका शरीर बर्फ बन जाएगा अब जब मौत सामने नजर आने लगी तो, भगवान को सच्चे मन से याद करने लगा। एक घंटे ही गुजरे थे कि अचानक फ़्रीजर रूम में खट खट की आवाज हुई। दरवाजा खुला चौकीदार भागता हुआ आया। उस आदमी को उठाकर बाहर निकाला और गर्म हीटर के पास ले गया। उसकी हालत कुछ देर बाद ठीक हुई तो उसने चौकीदार से पूछा, आप अंदर कैसे आए? चौकीदार बोला कि साहब मैं 20 साल से यहां काम कर रहा हूं। इस कारखाने में काम करते हुए हर रोज सैकड़ों मजदूर और ऑफिसर कारखाने में आते जाते हैं। मैं देखता हूं लेकिन आप उन कुछ लोगों में से हो, जो जब भी कारखाने में आते हो तो मुझसे हंस कर राम राम करते हो और हालचाल पूछते हो और निकलते हुए आपका राम राम काका कहना मेरी सारे दिन की थकावट दूर कर देता है। जबकि अक्सर लोग मेरे पास से यूं गुजर जाते हैं कि जैसे मैं हूं ही नहीं। आज हर दिनों की तरह मैंने आपका आते हुए अभिवादन तो सुना लेकिन राम राम काका सुनने के लिए इंतज़ार करता रहा।

अंतर्मन

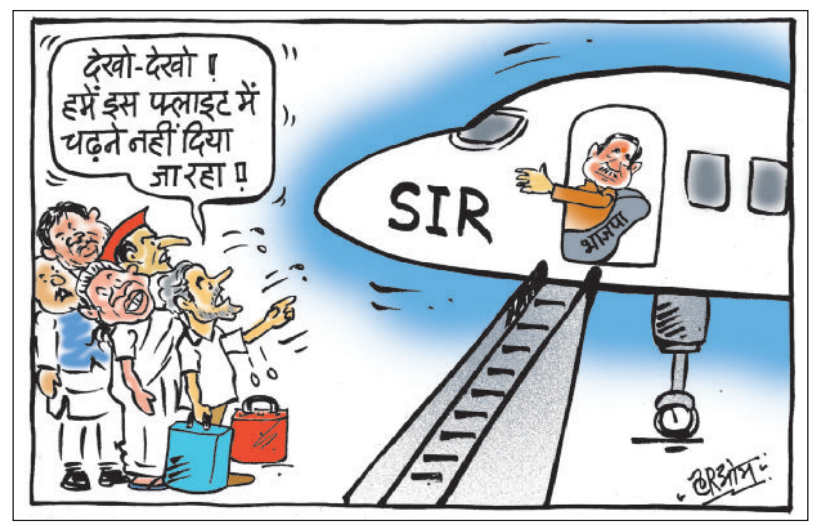

आज की पाती

आशा की किरण है यह बिल

सांसद सुप्रिया सुले द्वारा लोकसभा में पेश किया गया राइट टू डिसकनेक्ट बिल 2025 देश के करोड़ों कर्मचारियों के लिए आशा की किरण लेकर आया है। यह बिल कहता है कि ऑफिस समय के बाद कोई भी कर्मचारी अपने बॉस, मैनेजर या संस्थान के कॉल, ईमेल, मैसेज या किसी डिजिटल निर्देश का जवाब देने के लिए बाध्य नहीं होगा। यदि यह कानून बनता है, तो भारत की कार्य-संस्कृति में एक ऐतिहासिक परिवर्तन संभव है। लेकिन इसका विरोध, इसकी चुनौतियां, इसका व्यावहारिक पक्ष और इसका सामाजिक प्रभाव- ये सभी उतने ही महत्वपूर्ण सवाल हैं, जिनका विश्लेषण करना ज़रूरी है। आज यह एक प्रशासनिक या तकनीकी मुद्दा मात्र नहीं, बल्कि स्वास्थ्य संकट से जुड़ा विषय है।

-मनोज जोशी, बिलासपुर

करंट अफेयर

हम 'क्वाड' के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है : रुबियो

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका 'क्वाड' के प्रति 'पूरी तरह प्रतिबद्ध'' है तथा आने वाले वर्षों में इस समूह को और मजबूत करेगा। 'क्वाड' (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया का एक समूह है। रुबियो ने सोमवार को कहा, 'हम क्वाड के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। आने वाले समय में जापान और भारत के साथ मिलकर इसे आगे बढ़ाने के लिए और काम करेंगे...।' ऑस्ट्रेलिया- अमेरिका मंत्रिस्तरीय वार्ताओं से पहले उन्होंने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स तथा ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग की मौजूदगी में विदेश मंत्रालय में संयुक्त बयान देते हुए यह बात कही। रुबियो के अनुसार, इस साल जनवरी में विदेश मंत्री के रूप में शपथ लेने के तुरंत बाद क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक उनकी पहली आधिकारिक बैठक थी। उन्होंने कहा, 'मेरे नाम पर मुहर लगी, मैंने नीचे शपथ ली और सीधे इसी लिफ्ट से ऊपर आकर इस कमरे में पहुंचा। विदेश मंत्री के रूप में मेरा पहला कार्यक्रम यहीं इसी कमरे में क्वाड के साथ हुआ था।' रुबियो ने कहा, जहां तक मुझे याद है, इस साल हमारी कम से कम तीन बैठकें हुई हैं।

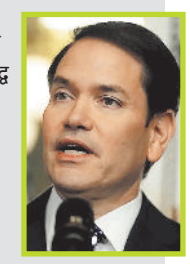

ऑफ बीट

महासागर पहले कभी हरे रंग के हुआ करते थे

महासागर धरती के करीब तीन चौथाई हिस्से पर फैले हैं जिससे यह ग्रह आकाश से हल्के नीले रंग का दिखता है। लेकिन 'नेचर पत्रिका' में प्रकाशित एक अध्ययन रिपोर्ट में जापानी शोधकर्ताओं ने यह दावा किया है कि पृथ्वी के महासागर कभी हरे हुआ करते थे। प्राचीन काल में पृथ्वी के महासागरों के अलग रंग में दिखने का संबंध उनके रसायन विज्ञान और प्रकाश संश्लेषण के विकास से है। भूविज्ञान के स्नातक छात्र के रूप में, मुझे ग्रह के इतिहास को रिकॉर्ड करने के लिहाज से 'बैंडेड आयरन' संरचना के रूप में जाने जाने वाले एक प्रकार के 'चट्टानी जमाव' के महत्व के बारे में पढ़ाया गया था। 'बैंडेड आयरन' संरचना का जमाव आर्कियन और पैलियोप्रोटेरोजोइक युग में लगभग 3.8 से 1.8 अरब साल पहले हुआ था। उस समय जीवन महासागरों में एक कोशिका वाले जीवों तक ही सीमित था। महाद्वीप ग्रे, भूरे और काले रंग की चट्टानों और जमा तलछटों का एक बंजर परिदृश्य था। महाद्वीपीय चट्टानों पर गिरने वाली बारिश की बूंदों से उसमें विद्यमान लोहा घुलकर नदियों के जरिये महासागरों में पहुंच गया। लोहे के अन्य स्रोत समुद्र तल पर ज्वालामुखी थे। यह लोहा (आयरन) बाद में महत्वपूर्ण हो गया होगा।

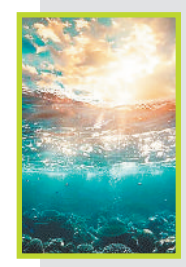

ट्रेंड

जल्द सार्थक परिणाम आएंगे

सरकार अमेरिका के टैरिफ उपायों के भारतीय निर्यात पर असर को कम करने के लिए लगातार काम कर रही है। इसके लिए एक बहुआयामी रणनीति अपनाई जा रही है। जल्द इसके सार्थक परिणाम आने शुरू हो जाएंगे। **-जितिन प्रसाद, वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री**

हमारे पास अधिकार नहीं

क्या हम कोई क्षेत्र छोड़ने पर विचार कर रहे हैं? क़ानून के अनुसार, हमारे पास ऐसा कोई अधिकार नहीं है। यूक्रेन के क़ानून, हमारे संविधान, अंतरराष्ट्रीय क़ानून और, सच कहूं तो, हमारे पास नैतिक अधिकार भी नहीं है।' **-वोलोदिमीर जेलेंस्की, राष्ट्रपति यूक्रेन**

23 अरब डॉलर का निवेश

माइक्रोसाफ़्ट एआई में भारत में 23 अरब डॉलर का निवेश करेगी। यह माइक्रोसाफ़्ट द्वारा इस साल की शुरुआत में घोषित तीन अरब डॉलर के निवेश पर आधारित है। इससे कंपनी को भारत में सबसे बड़ी क्लाउड मौजूदगी मिलेगी, जिसमें पहला डेटा सेंटर 2026 के मध्य में चालू हो जाएगा। **-सत्या नडेला, सीईओ, माइक्रोसाफ़्ट**

विकास पथ तैयार करना होगा

21वीं सदी में भारत की संप्रभुता, प्राकृतिक संसाधनों एवं ऊर्जा प्रणालियों पर उसके नियंत्रण पर निर्भर करेगी। भारत को एक ऐसे विश्व में, जहां राष्ट्रीय आत्म-संरक्षण और वैश्विक गठबंधनों में दरार बढ़ती जा रही है, अपना विकास पथ स्वयं तैयार करना होगा।' **-गौतम अदाणी, चेयरमैन, अदाणी समूह**

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

बीएलओ को धमकाने के मामले संज्ञान में लाएं, लेंगे एक्शन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में बीएलओएस को धमकाने व एसआईआर कार्य में बाधा उत्पन्न करने के मामले को गंभीरता से लिया। मंगलवार को हुई सुनवाई में कोर्ट ने चुनाव आयोग से वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा सहयोग न करने को गंभीरता से लेने को कहा। आयोग से कहा गया कि सहयोग की कमी और बीएलओज को धमकाने के मामले उनके संज्ञान में लाएं, वह आदेश पारित करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ राज्य सरकारों द्वारा एसआईआर में सहयोग न करने पर चुनाव आयोग से कहा, 'स्थिति से निपटें अन्यथा अराजकता फैल जाएगी।'

राज्य सरकारों द्वारा एसआईआर में सहयोग न करने का उठा मुद्दा

चुनाव आयोग से कहा, 'स्थिति से निपटें अन्यथा अराजकता फैल जाएगी'

सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि अगर स्थिति बिगड़ती है तो पुलिस को प्रतिनियुक्ति पर तैनात करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। आयोग ने कहा कि उसके पास एसआईआर कार्य में लगे बीएलओ और अन्य अधिकारियों को धमकाए जाने के मामलों से निपटने के लिए सभी संवैधानिक शक्तियां हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी से कहा,'बीएलओ के काम में सहयोग की कमी और बाधाओं के मामले हमारे संज्ञान में लाएं, हम उचित आदेश पारित करेंगे।'

हम उचित आदेश पारित करेंगे

अधिवक्ता द्विवेदी ने कहा कि अगर स्थिति बिगड़ती है तो आयोग के पास राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आने वाली पुलिस को अपने अधीन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। जस्टिस बागची ने कहा कि आयोग चुनाव प्रक्रिया शुरू होने तक पुलिस को अपने अधिकार क्षेत्र में नहीं ले सकता। द्विवेदी ने कहा कि आयोग के पास बीएलओ और एसआईआर कार्य में जुटे अन्य अधिकारियों को धमकाने की घटनाओं से निपटने के लिए सभी संवैधानिक अधिकार हैं। जस्टिस कांत ने द्विवेदी से कहा, 'स्थिति से निपटें, नहीं तो अराजकता फैल जाएगी।' उन्होंने स्थिति को 'बेहद गंभीर' बताया।

आयोग के पास हैं अधिकार

आत्महत्या का सवाल ही नहीं

द्विवेदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में तनाव के कारण बीएलओ द्वारा आत्महत्या करने का कोई सवाल ही नहीं उठता क्योंकि उन्हें 30-35 मतदाताओं वाले छह-सात घरों की गणना का काम करना होता है। जस्टिस बागची ने कहा कि यह बैठा-बिठाया काम नहीं है और बीएलओ को घर-घर जाकर गणना फॉर्म भरना होता है और फिर उसे अपलोड करना होता है। जस्टिस बागची ने कहा, 'यह जितना दिखता है, उतना आसान नहीं है।'

राजनीतिक दलों को निर्देश, 30 दिन के अंदर अपना संविधान जमा करें

चुनाव आयोग ने राष्ट्रीय और मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय दलों से कहा है कि 30 दिनों के अंदर सभी संशोधनों के साथ अपने-अपने संविधान का अपडेटेड वर्जन उसके पास जमा करें। चुनाव आयोग ने यह निर्देश ऐसे समय में दिया है, जब सुप्रीम कोर्ट उस जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें राजनीतिक दलों के रजिस्ट्रेशन से लेकर उसके संचालन तक को लेकर वैधानिक नियमावली बनाने की मांग की गई है, ताकि इसमें पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

राजनीतिक दल अपना संविधान जमा करें

राजनीतिक दलों को भेजी चिट्ठी में चुनाव आयोग ने कहा है कि जब जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 29ए के तहत एक राजनीतिक दल का रजिस्ट्रेशन होता है, तब उनकी ओर से रूल्स और रेगुलेशन को लेकर मेमोरेंडम भी जमा किया जाता है। चुनाव आयोग ने यह भी कहा है कि राजनीतिक दल का संविधान इन दस्तावेजों का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें समय-समय पर पार्टी की ओर से अपनाई जाने वाली अंदरूनी प्रक्रिया जरूर दिखनी चाहिए।

एनआईए का खुलासा, मट्टन जंगल क्षेत्र में ठिकानों की हुई निशानदेही

लाल किला ब्लास्ट से पहले आतंकियों ने अनंतनाग के जंगल में की थी ट्रेनिंग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली/श्रीनगर

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम मंगलवार को दिल्ली में 10 नवंबर को लाल किला के पास हुए धमाके की जांच के तहत दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग पहुंची। अनंतनाग के मट्टन जंगल क्षेत्र में विशेष स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। एनआईए के अधिकारी, पुलिस और सीआरपीएफ की मदद से, दो आरोपियों, डॉ. अदील राथर और जासिर बिलाल वानी को साथ लेकर गए थे। इन दोनों ही आतंकियों को कथित 'व्हाइट कॉलर' आतंकी मॉड्यूल के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों आरोपियों ने जांचकर्ताओं को मट्टन जंगल क्षेत्र में कुछ ठिकानों के बारे में जानकारी दी थी। सूत्रों के अनुसार, जांच में पता चला है कि आतंकी साजिश के मुख्य आरोपी ने दिल्ली में बड़े धमाके की योजना के लिए इसी जंगल में विस्फोटक का एक ट्रायल किया था। सूत्रों ने यह भी खुलासा किया कि एनआईए को मौके से एक क्षतिग्रस्त गैस सिलेंडर बरामद हुआ है। जांच आगे जारी है। एनआईए ने मुख्य आरोपी डॉ. अदील और एक अन्य आरोपी को मट्टन के जंगलों में ले जाकर उस स्थान की पहचान कराई, जहां विस्फोटक का टेस्ट किया गया था।

कई जगहों में छापेमारी

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरणकी एक टीम ने दिल्ली में लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए विस्फोट की जांच के तहत मंगलवार को जम्मू कश्मीर के अनंतनाग और कुलगाम जिलों में कई जगहों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की सहायता से एनआईए के अधिकारी उन दो आरोपियों डॉ. अदील राठेर और जसीर बिलाल वानी को साथ लेकर आए, जिन्हें 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। यह छापेमारी उन दो आरोपियों की निशानदेही पर की गई जिन्होंने जांचकर्ताओं को अनंतनाग के मट्टन वन क्षेत्र और कुलगाम के काजीगुंड क्षेत्र के वनपोरा में अपने ठिकानों के बारे में बताया था।

ऑपरेशन सिंदूर में बर्बाद लॉन्चिंग पैड आतंकियों के लिए बन रहा प्राइवेट रिजॉर्ट

पाकिस्तान एक बार फिर आतंकियों को मजबूत करने का काम कर रहा है। जबकि कई बार आतंकी पाकिस्तान सेना पर भी हमला कर चुके हैं। लेकिन पाकिस्तान ने सबक नहीं लिया है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पीओके में रावल कोट के ठीगला इलाके में आतंकियों का लॉन्चिंग पैड तबाह किया था। अब इसी लॉन्चिंग पैड को आतंकियों के लिए प्राइवेट रिजॉर्ट बनाया जा रहा है। 6 नवंबर बहावलपुर में लश्कर और जैश मोहम्मद की एक मीटिंग हुई थी। इसमें रावल कोट में लॉन्चिंग पैड को प्राइवेट रिजॉर्ट बनाना तय हुआ था। इस मीटिंग में लश्कर का डेप्युटी चीफ शैफुल्ला भी था। सूत्रों के अनुसार, लश्कर-ए-तैयबा हाई रेट वाले बिजनेस में धन लगा रहा है। यह समूह अब रियल एस्टेट और मॉल परियोजनाओं में सक्रिय है। बता दें कि लश्कर कमांडर एहसान उल्लाह मंजूर और मोबीन सादिक को इस्लामाबाद में एवेन्यू18 शॉपिंग मॉल के शिलान्यास समारोह में आमंत्रित किया गया था। उनकी उपस्थिति लश्कर के वरिष्ठ सदस्यों के सीधे समर्थन का संकेत देती है। दोनों व्यक्ति सैफुल्लाह कसूरी, हाफिज सईद और तल्हा सईद के साथ मिलकर काम करते हैं।

एक और आरोपी गिरफ्तार

दिल्ली बम ब्लास्ट और व्हाइट कॉलर टेररिज्म मॉड्यूल से जुड़े मामले में एनआईए ने नसीर मल्ला को गिरफ्तार किया है। आरोपी को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे सात दिन की रिमांड पर भेजा गया। वहीं आरोपी आमिर राशिद को भी आज सात दिनों की रिमांड में भेजा गया है। आरोपी नसीर मल्ला को गिरफ्तार करने के बाद दिल्ली स्थित पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद आरोपी को सात दिनों की एनआईए रिमांड में भेजा गया। अब सात दिनों तक जांच एजेंसी एनआईए मुख्यालय में आरोपी से पूछताछ होगी। आरोपी नासिर मल्ला से जुड़े कई अन्य आरोपियों के बारे में पूछताछ हो सकती है।

केवल 3 जिले वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित सुरक्षा बलों ने 29 शीर्ष नक्सलियों को मारा

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में दी जानकारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि सुरक्षा बलों ने 2019 से अब तक 29 शीर्ष नक्सलियों को मार गिराया और अकेले इस साल माओवादियों की केंद्रीय समिति और पोलित ब्यूरो के 14 सदस्य मारे गए हैं।

सदन में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि नक्सल प्रभावित राज्यों की संख्या 2014 के 10 से घटकर 2025 (अक्टूबर तक) पांच रह गई है, जो 50 प्रतिशत की कमी है। उन्होंने कहा कि वहीं, वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या में भी इस अवधि के दौरान 91 प्रतिशत की

तीव्र गिरावट देखी गई और यह संख्या 126 से घटकर 11 रह गई। उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या अप्रैल 2018 के 126 से घटकर अक्टूबर 2025 में मात्र 11 रह गई। मंत्री ने कहा कि अब केवल तीन जिले ही वामपंथी उग्रवाद से 'सबसे अधिक प्रभावित' हैं। मंत्री ने दावा किया कि वामपंथी उग्रवाद 'मार्च 2026 तक समाप्त हो जाएगा।' माओवादी हिंसा में 2010 के उच्चतम स्तर से 2024 तक 81 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है।

7 में से 1 भारतीय सीनियर सिटीजन

नई दिल्ली। भारत की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही है। 2011 में देश में 60 साल से ऊपर की आबादी 10.16 करोड़ थी, जो 2036 तक बढ़कर 22.74 करोड़ हो जाएगी। यानी बुजुर्गों की आबादी का हिस्सा कुल जनसंख्या में 8.4% से बढ़कर 14.9% हो जाएगा यानी हर 7 में 1 भारतीय सीनियर सिटीजन होगा। वहीं, 2036 तक अनुमानित जनसंख्या 153 करोड़ होगी। ये जानकारी केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में दी।

फालतू पेपरवर्क खत्म करें : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। संसद की लाइब्रेरी बिल्डिंग में मंगलवार को नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) की संसदीय दल की बैठक हुई। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत पर प्रधानमंत्री का माला पहनाकर सम्मान किया गया। पीएम ने बैठक में कहा, 'मैं फालतू पेपरवर्क और 30-40 पेज के फॉर्म का कल्चर खत्म करना चाहता हूं। हमें नागरिकों के दरवाजे पर सर्विस देनी होगी, बार-बार डेटा जमा करने की जरूरत को खत्म करना होगा।' पीएम ने इंडिगो संकट पर कहा- लोगों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए, उन्हें असुविधा नहीं होनी चाहिए। नियम और कानून अच्छे हैं, लेकिन सिस्टम को ठीक करने के लिए लोगों को परेशान करना सही नहीं है। बैठक में पीएम ने 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बने नीतीश कुमार की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार बिहार जीत के शिल्पकार हैं। सरकार ने सेल्फ-सर्टिफिकेशन की इजाजत देकर नागरिकों पर भरोसा किया। इस बात पर जोर दिया कि यह भरोसा बिना किसी गलत इस्तेमाल के 10 साल से कामयाबी से काम कर रहा है।

OFFICE OF THE SUPERINETENDING ENGINEER PUBLIC WORK DEPARTMENT, BILASPUR CIRCLE BILASPUR, CHHATTISGARH

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 346 दिनांक 06.10.2025 को अपेन्डिक्स 2.10 की कंडिका 4.6 के तहत अपरिहार्य कारणवश निरस्त किया जाता है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
बिलासपुर मण्डल बिलासपुर

जी. 252605346/4

न्यायालय तहसीलदार जशपुर, जिला जशपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. / 2025100301000 22/अ-19(3)/2025-26
ग्राम झरगांव, प.ह.नं. 09, तहसील जशपुर

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व संबंधित ग्रामीण जनता ग्राम झरगांव, प.ह.नं. 09, तहसील जशपुर के समस्त ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि कलेक्टर महोदय जशपुर के राजस्व आदेश पत्र दिनांक 22.10.2025 के तहत कृषि यंत्री (बिलासपुर / सरगुजा संभाग) बिलासपुर (छ.ग.) के द्वारा कृषि अभियांत्रिकी कार्यालय सहायक कृषि यंत्री जशपुर के लिये कार्यालय भवन एवं मशीनों के रख रखाव हेतु शेड निर्माण एवं मशीनों के रिपैयरिंग पश्चात टेस्टिंग कार्य हेतु 2.00 हे0 शासकीय भूमि की मांग की गई है। उक्त संबंध में ग्राम झरगांव, प.ह.नं. 09, रा.नि.म. लोदाम स्थित भूमि खसरा नं. 170 रकबा 0.421 हे. मद घांस को चिन्हांकित की गई है। प्रस्तावित की गई भूमि का आबंटन हेतु विस्तृत जॉच कर प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। कलेक्टर महोदय, जशपुर से जाँच एवं प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है।

उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 22.12.2025 को इस न्यायालय में होना नियत किया गया है। अत: उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे अपना लिखित आपत्ति स्वत: अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुद्रा से जारी किया जावे।

तहसीलदार जशपुर,
जिला जशपुर (छ.ग.)

जी. 252605323/1

कार्यालय अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग, कांकेर मण्डल, कांकेर

Email-scpwdkanker.2010@rediffmail.com /sckanker@nic.in.
Fax No. 07868-224040

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित सड़क कार्य हेतु दिनांक 22.12.2025 समय 17:30 बजे तक ऑनलाईन (Online) निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	एन.आई.टी. नंबर	टेण्डर नंबर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
01	171	178787	भानुप्रतापपुर संभाग के अंतर्गत भानुप्रतापपुर पखांजूर मार्ग के बांदे से पी. व्ही-109 में के कि.मी.76/8, 87/10, 71/10, 73/8, 69/8, 64/2, 75/2, 77/2, 93/4, 59/10, 62/2, 63/4, 72/6, 73/10, 74/2, 76/6, 86/4, 95/10, पी.व्ही.79 से तारावेली मार्ग 5/2, 16/4 पी.व्ही.32 से पी.व्ही.29 मार्ग के कि.मी. 3/8, 6/8, 8/10, 9/10 मार्गों में जंक्शन सुधार का कार्य।	103.33 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञिप्त, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट बेव पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय बेवसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।
ठेकेदार का हॉट मिक्स प्लांट होना अनिवार्य है।
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 22.12.2025 है।
नोट:- द्वितीय आमंत्रण

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग,
कांकेर मण्डल कांकेर

जी. 252605309/5

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग क्र.02, रामानुजगंज जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(2 nd आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 181300/निविदा सूचना क्रमांक 12/वलेलि/ 2025-26, रामानुजगंज, दिनांक 08.12.2025 निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 26.12.2025 समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है:

कार्य का नाम : बनखेता जलाशय योजना का जीर्णोद्धार कार्य अंतर्गत बंड में मिट्टी का कार्य आर.डी 0 से 385 मी., हेडस्लूस की निर्माण एवं मुख्य नहर में मिट्टी का कार्य (1710 मी.), मुख्य नहर में सीमेंट कांक्रीट लाईनिंग कार्य, एक्वाडक्ट निर्माण एवं 11 नग कोलाबा फिंसिंग कार्य।

अनुमानित लागत : रूपये 262.41 लाख (दिनांक 01.08.2010 के एस.ओ.आर. तथा संशोधित 22.08.2022 के अनुसार)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 15.12.2025 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्र.02, रामानुजगंज
कृते, मुख्य अभियंता, हसदेव गंगा कछार
जल संसाधन, अम्बिकापुर (छ.ग.)

जी. 252605318/3

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर जिला - बिलासपुर (छ.ग.)

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(द्वितीय - आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 181171/निविदा सूचना क्र. 29/व.ले.लि./2025-26 दिनांक 05.12.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 22.12.2025 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है :-

निविदा सुचना क्रमांक	निविदा सिस्टम क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
29/व.ले.लि./ 25-26 दिनांक 05.12.25	181171 (द्वितीय आमंत्रण	कोनी एनीकट में सौर सूक्ष्म सिचाई योजना का निर्माण कार्य।	282.37 लाख जी.एस.टी.छोड़कर (एस.ओ.आर. एवं 01.05.2025 संशोधित 08.08.2025 के आधार पर)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 12.12.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट: 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य हैं।

2. निविदाकार को इस निविदा में वर्ष 2025 में जारी किए गये Pre Bid Qualification certificate (Valid up to 30.09.2026) का उपयोग अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर (छ.ग.)

जी. 252605343/5

कार्यालय नगर पंचायत बिल्हा, जिला बिलासपुर (छ.ग.)

फोन नं.- 07752-259219 ई-मेल-cmobilha@gmail.com

क्रमांक /997/लो.नि.वि./न.पं./ 2025-26 बिल्हा, दिनांक 09/12/2025

मैनुअल पद्धति निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु स्पीड पोस्ट से तीन लिफाफा पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन की अंतिम तिथि : 24.12.2025 समय 4:00 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र जारी करने की तिथि : 26.12.2025 समय 3:00 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि : 31.12.2025 समय 4:00 बजे तक
3. निविदा खोलने की तिथि : 31.12.2025 समय 4:30 बजे से

क्र.	कार्य विवरण	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि टी.डी.आर. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	वार्ड क्र. 01 सी.सी. रोड निर्माण कार्य (रजिस्ट्री ऑफिस के सामने बिल्हा)	9.54 लाख	7500/-	750/-	02 माह

नियम एवं शर्ते:- 01. निविदा पत्र विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में देखी जा सकती है। 02. निविदा संबंधित विस्तृत नियम एवं शर्ते कार्यालयीन समय/दिवस में प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत बिल्हा

कार्यालय मुख्य अभियंता, लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र, रायपुर (छ.ग.)

दिनांक 08.12.2025

सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	नि.आ.सू.क्र. दिनांक	सिस्टम आई डी क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित
1	118/CE/NH/TC/44-91/2025 (1st Call)	2025_MoRTH_888702_1	Strengthening of Road from Km 4.325 To 10.000 (MMI Hospital Chowk to Sadani Darbar) Of N.H.-30 in the State of Chhattisgarh through EPC Basis.	Rs. 19.03 Cr.
2	119/CE/NH/TC/44-92/2025 (1st Call)	2025_MoRTH_888704_1	ONE TIME IMPROVEMENT OF EXISTING ROAD ALONGWITH RAISING OF CERTAIN SUBMERSIBLE LOCATION IN MONSOON SEASON IN AMBIKAPUR TOWN (FROM KM 375.600 To KM 385.700) AND IN SITAPUR TOWN (FROM CH. KM 433.850 To KM 437.670) SECTION OF NH-43 ON EPC MODE IN THE STATE Of Chhattisgarh under EPC Mode.	Rs. 41.99 Cr.

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 21.01.2026 शाम 11.00 बजे तक है।

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MORT&H's) के ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eprocure.gov.in/eprocure/app से डाऊनलोड की जा सकती है।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र, रायपुर (छ.ग.)

जी. 252605327/4

जुन्ना बेरा ले रखे गे हावय हटरी बजार के नाव

ऐतिहासिक

डा. रमेंद्रनाथ मिश्र

रयपुर सहर म बजार के बड़ महत्तम रहीस हे, इन्हा तक के उनकर नाव ले पारा तको बने हावय। जइसे गोल बजार, सदर बजार, सक्ती बजार, आमा पारा बजार, मोहबा बजार, एकर संग बजार ले घलो नानकुन तेला हटरी कहय। जइसे टुरी हटरी, पुरानी बस्ती। सियान मन बताथे कि पहली राजा मन के जमाना म लाज के मारे बड़े नोनी मन बजार कम जावय त वोमन अपन घर के नान नान लईका मन ल साग भाजी पसरा ले के उन्हा बेचे बर बइठारे। फेर बाद में उन्हा मनियारी समान घलो बेचे लगिन।

तेकरे सेती टुरी हटरी नाव परिस। इन्हा रोजमर्रा के समान अउ साग भाजी मिल जात रिहिस। ए बात कतका जुन्ना हे तेला जानना हे त ये मेर के बर पीपर अउ मंदिर ल देख के समझे जा सकत हे। लगभग 600 बछर पहली के बस्ती के बसाहट हे। ओमन हटरी के जगा ल छोड़े हे चाहतीन त मकान बना सकत रिहिन। आजकल टुरी हटरी के जुन्ना बइठका के जगा ल नवा बना दे गेहे अउ जुन्ना हनुमान के मंदिर घलो हावय। इही कर जुन्ना जगन्नाथ मंदिर घलव हे। ए सबले पता चलथे जुन्ना सहर के कतका महत्ता रिहिसे हे। आजकल अब सब नंदागे, मोर रयपुर म समागे।

जनजाति विशेष

एम. एस. पैंकरा

कंवर जनजाति में घरजियां परंपरा

घरजियां का आशय घर जमाई से है। घरजिया शब्द सरगुजा जशपुर क्षेत्र में कहा जाता है। इसमें जब किसी लड़के द्वारा किसी लड़की के पिता के घर में लड़की के साथ वैवाहिक सम्बन्ध स्थापित करने के आश्वासन पर लड़का, लड़की के घर में रहता है। वहां घर का कृषि अथवा अन्य कार्य करता है और जीवन पर्यंत वहीं रहता है, ऐसी परिस्थिति में लड़के को घरजियां कहते हैं। लड़का एक तरह से अपने पिता का घर त्याग देता है, लेकिन माता पिता के साथ पारिवारिक संबंध बना रहता है। संपत्ति एवं अन्य मामलों में विवाद की स्थिति निर्मित होने पर समाज में नियम बने हैं, उस नियम के आधार पर विवादों का निराकरण किया जाता है। यदि निर्णय से असंतुष्ट हो तो न्यायालय जाने के लिए भी स्वतंत्र रहते हैं। वैसे शिक्षा के प्रचार प्रसार के कारण लोगों में जागृति और जागरूकता आई है। लड़की और लड़का में भेद बहुत कम होने से यह प्रथा का चलन बहुत कम होकर बंद होने की अवस्था में है।

लोक साहित्य

डा. यशेश्वरी ध्रुव

लोक कला विषयक छत्तीसगढ़ी कहानियां

नई पीढ़ी पुरानी पीढ़ी से लोक वाद्य और लोक संगीत सीख लेती है। बच्चे भी अपने से बड़े बच्चों के खेलकूद सीखकर उससे संबद्ध लोकगीत को व्यवहार में लाना शुरू कर देते हैं। छत्तीसगढ़ी लोक जीवन लोक कला के इन्हीं स्वरूपों से मनुष्य को सुरुचि व संस्कारित करता है। यही कारण है कि संघर्ष के क्षणों में अधिकतर अभावग्रस्त यह लोग मार्ग ढूंढ लेते हैं और गा बजा कर, खेलकूद और नाच कर समग्र समस्याओं को शिथिल करने का प्रयास करते हैं। छत्तीसगढ़ी कहानियों में लोककला के विविध रूपों को समेटने का प्रयास किया गया है। लोककला का दायरा विस्तृत है जिसकी सीमा में साहित्य भी स्वतः समाहित है अतः इनका आगम सहज ही है। स्पष्ट है कि लोकगीत में लोक नृत्य का उपयोग, लोक वाद्य का योग लोक संगीत के प्रयोग बतौर प्रयुक्त होता है। इसमें सभी अवस्था के स्त्री पुरुष एकल या समूह में इसके साथ जुड़ कर लोक जीवन को सुखद बनाने का संयोजन सिद्ध करते हैं। लोक गीतों के लेखन गायन की कार्यशालाएं नहीं हुई थीं, लोक नृत्यों की प्रशिक्षण शालाएं नहीं थीं। मां को देखकर बेटी नृत्य सीख लेती हैं। मां को आदर्श मान कर उसके ही परिधान व अलंकरण को क्रमशः मांगती है, क्योंकि उसे सुआ नाच के लिए सहेलियों का साथ देना है -

दे तो दाई तोर पैरी ल कहां जाबे,
सुआ नाचे बर कहां जाबे सुआ नाचे।
दे तो दाई कमरपट्टा ल कहां जाबे,
सुआ नाचे बर कहां जाबे सुआ नाचे।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

पुरातात्विक

डा. टी आर रामटेके

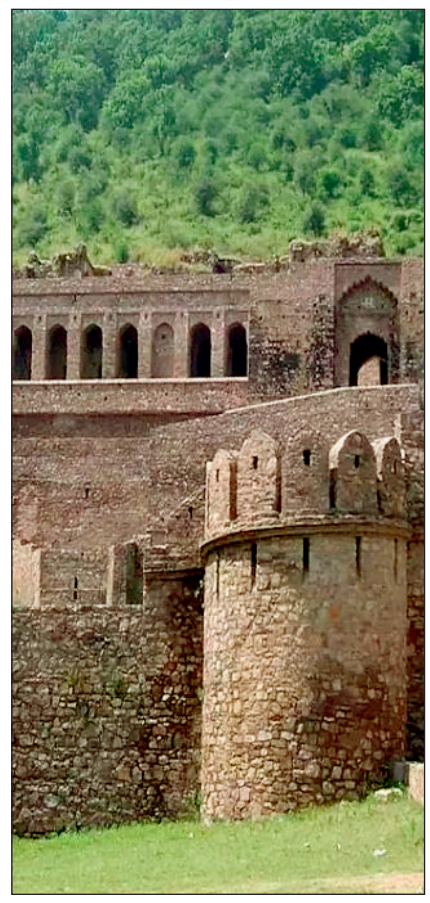

छत्तीसगढ़ में प्राचीन कालीन किले और उनका साक्ष्य

छत्तीसगढ़ में 150 से भी अधिक किले हैं, जिसमें कोसल, मल्हार, अडभार आदि मौर्यकालीन किले हैं। इसी प्रकार गढ़सिवनी, रामगढ़, खालगढ़, लाफागढ, सिंघनगढ़ आदि कल्चुरीकालीन किले हैं। इसी तरह रत्नपुर, कोटगढ, रामगढ़, मोहंदीगढ़, टैंगनागढ़, धमधागढ़ आदि कल्चुरीकालीन किले के अंतर्गत आते हैं। किन्तु 14 वीं शताब्दी में जब कल्चुरी शासक सिंघन ने अपने राज्य को शिवनाथ नदी के उत्तर व दक्षिण में 18-18 गढ़ के रूप में परिभाषित कर दिया था।

कल्चुरी काल के समकालीन कांकेर में सोमवंश चक्रकोट में छिन्दक नागवंश, कवर्धा में फनी नागवंश का राज्य था, जो कल्चुरी शासक के अधीनस्थ या मैत्री संधि के अंतर्गत राज्य थे। रत्नपुर के शासक 1375- 1400 तथा रायपुर के शासक के राज्यकाल के पश्चात कल्चुरी राज्य छत्तीसगढ़ शब्द सामान्य जनता से आगे राज्य कर्मचारी, दरबारी, सैनिक एवं सामंत शासकों शासकों में भी प्रचलित हो गया था। इस प्रकार खैरागढ़ राज्य के राजकवि दलपत राव की कविता में छत्तीसगढ़ शब्द प्रयुक्त हुआ है। पश्चातवर्ती काल में कल्चुरी राज्य का नामकरण ही छत्तीसगढ़ हो गया था। इस प्रकार

उपरोक्त ऐतिहासिक प्रमाणों से सिद्ध हो जाता है कि ई. 14 वीं शताब्दी के कल्चुरीकालीन छत्तीस किले की राज सत्ता द्वारा सीमांकित क्षेत्र ही वर्तमान छत्तीसगढ़ है।

धार्मिक : घनश्याम सिंह नाग

प्राचीन मान्यताओं में बड़े डोंगर का बेल बनवाड़ी

प्रकृति की सुंदरता बस्तर अंचल में कहीं भी देखी जा सकती है। साथ ही धार्मिक महत्व के स्थलों की भी कमी नहीं है। इसी तरह धार्मिक महत्व का स्थल कोंडागांव के बड़े डोंगर में देखी जा सकती है। यहां हर कोस में धार्मिक महत्व के स्थल स्थानीय तथा पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इसी में बेल बनवाड़ी स्थल का भी अपना महत्व है जो बड़े डोंगर से 12 कि मी दूरी पर शिव मंदिर से लगभग दो किलोमीटर दूरी पर स्थित है। बेल बनवाड़ी अर्थात, बेल वृक्षों का बगीचा। किंवदंती है कि भगवान शिव, मंदिर से बेल बनवाड़ी वन विहार के लिए जाया करते थे। यहां हलबा जाति का एक व्यक्ति बारदा नदी में मछली मारने के लिए जाल फैला कर पत्थर पर बैठा था। मछली फंस नहीं रही थी, लेकिन अब फंसी तब फंसी, इसी आशा में वह बैठा ही रह गया, रात बहुत हो चुकी थी। अर्ध रात्रि में जब बेल बगीचा से भ्रमण कर भगवान शिव वापस लौट रहे थे। अचानक शिव जी से मछुआरे की मूठभेड़ हो गई, मछुआरा डर से सहम गया। डर से सहमें उस व्यक्ति से शिव जी ने कहा, डरो मत मैं शिव हूं... तुम जो चाहो वह वर मांग लो। मछली न फंसने से हताश हो चुका, उस व्यक्ति ने कहा... भगवन, मैं सुबह से

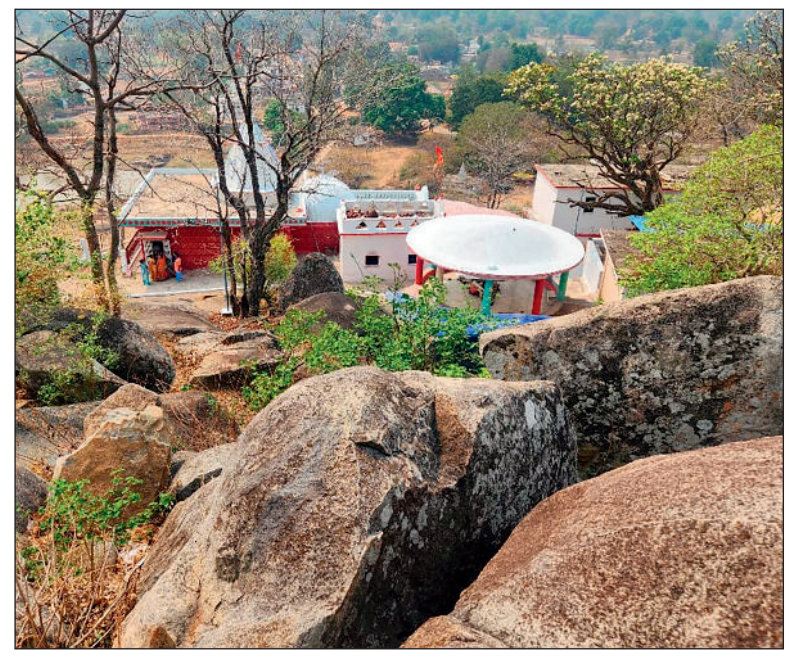

इतनी रात गए बैठा हूं, पर एक भी मछली नहीं फंस रही है। अब आपके आशीर्वाद से यहां खूब मछलियां फंसे। बुलाने से मछलियां खुद ही आ जाए। शिव जी तथास्तु कह कर आगे बढ़ गए। तब से बारदा नदी मछली का खदान हो गया है। लोग भिन्न भिन्न प्रकार के जाल बिछा कर यहां खूब मत्स्याखेट करते हैं। इस स्थान की मछली पूरे अंचल में प्रसिद्ध है।

लोकगीत

डा. रचना मिश्र

रिश्तों की सहजता आंचलिक लोकगीतों में

छत्तीसगढ़ अंचल में देवर भाभी और पति पत्नी के बीच हंसी मजाक का स्वाभाविक चित्रण लोकगीतों में दिखाई देता है। यह सौंदर्य भावुकता तक ही नहीं, बल्कि जीवन के विभिन्न रूपों में प्रस्फुटित हुआ है। ईष्ट के प्रति आस्था, संघर्ष का उल्लास, जीवन के संघर्ष की वेदना, समाज का उत्पीड़न, दार्शनिक बोध, ज्ञानियों का उपदेश, मानव की हंसी मुस्कान, उसकी कराह नृत्य -गीत के माध्यम से प्रकट और मन के निकट हुए हैं। यह गीत आज के सामाजिक संदर्भ में अपनी समसामयिकता को बनाए हुए हैं। खासकर करमा गीतों में इस तरह का भाव हम देखते हैं -

रांधत देखेव मोंगरी साग, परसत देखेव भोंगा सागे
अइसन सुआरी बर बड़ गुस्सा लागे
मारते तुतारी दुई चारे
मारिहा तुतारी दुई चारे

चली देबो मइके हमारे
मसके देइका मइके तुम्हारे
कर लेब दूसर बिहाव
कर लेइहा दूसर बिहाव हमर सूरत
कहां पइहा
अइसन सुघर का करबो
चिटको तो चाल कहर नइहे।

गांव की कहानी: शंकर पांडे

नरहरदेव के निधन के बाद उनके दत्तक पुत्र कोमल देव ने 1903 से 1925 तक शासन किया। उन्होंने अपने शासन काल में कांकेर और संबलपुर में अस्पताल और स्कूल का निर्माण कराया। इसी के साथ बीरपुर नामक स्थान पर एक नया शहर और राजधानी बनाया। 8 जनवादी 1925 को नि:संतान होने की स्थिति में उनका निधन हो गया। इन्होंने अपने जीवन काल में छोटा नागपुर के भानु प्रताप देव को गोद ले लिया था। भानु प्रताप देव का जन्म 17 सितम्बर 1922 को हुआ था और 8 जनवरी 1925 को इनका राज्याभिषेक हुआ था।

कांकेर रियासत के अंतिम राजा भानुप्रताप देव

सोमवंश के अंतिम राजा 5 दिसम्बर 1853 को गद्दी पर बैठे। राजा नरहर देव ने 1903 तक शासन किया। इसी दौरान राजमहल तथा कुछ मंदिर तथा पुस्तकालय भी बने। नरहरदेव का विवाह बस्तर के राजा भैरमदेव की पुत्री पदमालया देवी के साथ हुआ था। इनके दो पुत्र भी हुए पर दोनों का निधन 14 और 16 वर्ष की आयु में हो गया। नरहरदेव के निधन के बाद उनके दत्तक पुत्र कोमल देव ने 1903 से 1925 तक शासन किया। उन्होंने अपने शासन काल में कांकेर और संबलपुर में अस्पताल और स्कूल का निर्माण कराया। इसी के साथ बीरपुर नामक स्थान पर एक नया शहर और राजधानी बनाया। 8 जनवरी 1925 को नि:संतान होने की स्थिति में उनका निधन हो गया। इन्होंने अपने जीवन काल में छोटा नागपुर के भानु प्रताप देव को गोद ले लिया था। भानु प्रताप देव का जन्म 17 सितम्बर 1922 को हुआ था और 8 जनवरी 1925 को इनका राज्याभिषेक हुआ था। रघुबीर यादव इनके बतौर प्रशासक कार्यभार देखते थे। भानु प्रताप

देव ने राज कुमार कालेज में शिक्षा ग्रहण की। इसके पश्चात मेयो कालेज अजमेर से बी ए, आई सी एस की परीक्षा उत्तीर्ण की, फिर उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैंड भी गए। 1944 में पूर्णकालिक कार्यभार संभाला। उन्होंने अपने नाम पर भानुप्रताप पुर नगर बसाया, वही कांकेर में एक सिनेमा घर का भी निर्माण कराया। 1944 में इनका विवाह सोनपुर की रानी अमूल्या देवी के साथ हुआ था। 14 अगस्त 1969 को इनका निधन हो गया।

खबर संक्षेप

सेबी ने पांच कंपनियों को आईपीओ लाने की दी मंजूरी

नई दिल्ली। आपूर्ति श्रृंखला में उपयोग होने वाली परिसंपत्तियां कंपनियों के बीच साझा करने वाली कंपनी लीप इंडिया और एल्डोराडो एग्रीटेक सहित कुल पांच कंपनियों को शेयर बाजार में अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई है। नियामक ने मंगलवार को यह जानकारी दी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मोल्बियो डायग्नोस्टिक्स, रेस्तरां और कैटरिंग संचालित करने वाली कंपनी फूडलिंक एफएंडबी होल्डिंग्स (इंडिया) और अपशिष्ट जल उपचार समाधान प्रदाता टेक्नोक्राफ्ट वेंचर्स को भी आईपीओ लाने के लिए मंजूरी दे दी है।

चीन के पीएम कियांग ने शुल्क से हुए नुकसान का जिक्र किया

बैंकॉक। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका के ऊंचे शुल्क ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका दिया है, जबकि चीन का अपना व्यापार अधिशेष 1,000 अरब अमेरिकी डॉलर के पार पहुंच गया है।

प्रधानमंत्री ने यह टिप्पणी बीजिंग में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगठनों के शीर्ष मंच पर की। ली ने कहा, ''इस साल की शुरुआत से ही हमने देखा है कि दुनिया भर में अर्थव्यवस्था और व्यापार पर पाबंदियां बढ़ रही हैं और शुल्क का डंडा चलाया जा रहा है। इसने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचाया है।'' उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके शुल्क बढ़ाने का सीधा जिक्र नहीं किया।ली ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और विश्व व्यापार संगठन के शीर्ष प्रतिनिधियों की सभा को बताया।

कीमतों के ऐलान के बाद पलटा स्टारलिंक, कहा- अभी सरकारी मंजूरी का इंतजार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्टारलिंक भारत के लिए हाल ही में घोषित कीमतों के ऐलान से पलट गया है। इसे लेकर पैदा हुई भ्रम की स्थिति पर स्टारलिंक बिजनेस ऑपरेशंस की वाइस प्रेसिडेंट लॉरेन ड्रेयर ने एक्स पर सफाई दी है कि यह एक टेक्निकल गड़बड़ी के वजह से हुआ है। अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा कि भारत में फिलहाल स्टारलिंक की वेबसाइट अभी लाइव नहीं है और न ही भारतीयों के लिए कीमतें घोषित की गई हैं। उनकी ओर से स्पष्ट किया गया है कि भारत में कंपनी फिलहाल ऑर्डर नहीं ले रही है। वहीं भारत के लिए घोषित हुई कीमतों को लेकर एक्स का कहना है कि वे सिर्फ डमी टेस्ट डेटा था और उसका भारत में घोषित होने वाली कीमतों से कोई लेना देना नहीं हैं। लॉरेन ड्रेयर के एक्स पर किए पोस्ट के अनुसार स्टारलिंक की टीम भारत के लोगों को हाई-स्पीड इंटरनेट से जोड़ने के लिए उत्सुक है। कंपनी की पूरी टीम अंतिम मंजूरी का इंतजार कर रही है। इसके बाद ही सर्विस और वेबसाइट को शुरू किया जाएगा। बता दें कि यह अभी तय नहीं है कि स्टारलिंक इंडिया की वेबसाइट कब लांच की जाएगी। फिलहाल अगर आप स्टारलिंक की वेबसाइट पर किसी भारतीय पते के लिए ऑर्डर बुक करने की कोशिश करते हैं, तो वेबसाइट पर लिखा आता है कि "नियामक की मंजूरी मिलने का इंतजार है।"

कीमतों को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा हुई

अभी तक क्या हुआ?

बता दें कि सोमवार को ऐसी रिपोर्ट्स सामने आईं थी कि स्टारलिंक ने भारत में अपने मंथली प्लान और किट की कीमत घोषित कर दी है। ऐसी जानकारी सामने आई थी कि भारत में स्टारलिंक का मंथली प्लान 8,600 रुपए का होगा। वहीं इसके जरूरी हार्डवेयर किट के लिए एक बार में 34 हजार रुपए देने की बात सामने आई थी। अब कंपनी ने साफ किया था कि इन दोनों ही कीमतों का असल कीमतों से कोई संबंध नहीं है क्योंकि यह सिर्फ डमी डेटा था।

ग्रामीण इलाकों में स्टारलिंक की सबसे ज्यादा जरूरत

भारत के कई ग्रामीण इलाकों में पारंपरिक ब्रॉडबैंड नेटवर्क या तो मौजूद नहीं हैं या फिर उनका होना या न होना एक बराबर है। ऐसी जगहों के लिए स्टारलिंक का सैटेलाइट-आधारित इंटरनेट बड़ा बदलाव ला सकता है। इस टेक्नोलॉजी से उन जगहों पर इंटरनेट पहुंच सकता है, जहां केबल या फाइबर बिछाना महंगा या असंभव है। हालांकि फिलहाल देखना होगा कि आने वाले समय में भारत के लिए स्टारलिंक किस कीमत पर उपलब्ध होता है और इसे किस तरह से अपनाया जाता है।

एक सरकारी समिति ने दिया सुझाव

एआई कंपनियों को कॉपीराइट कार्यों के उपयोग के लिए व्यापक लाइसेंस का सुझाव

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कृत्रिम मेधा (एआई) डेवलपर को एआई प्रणालियां तैयार करने के लिए कानूनी रूप से उपलब्ध सभी कॉपीराइट-संरक्षित सामग्री का उपयोग करने के लिए अनिवार्य लाइसेंस देने का एक सरकारी समिति ने सुझाव दिया है। साथ ही इस पर संबंधित हितधारकों से प्रतिक्रिया व विचार मांगे गए हैं। समिति की सिफारिश के अनुसार, लाइसेंस के साथ कॉपीराइट धारकों के लिए वैधानिक पारिश्रमिक का अधिकार भी होना चाहिए। ये सुझाव समिति द्वारा तैयार किए गए कार्य पत्र का हिस्सा हैं जिसे उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा हितधारकों के विचार जानने के लिए जारी किया गया है।

- संबंधित हितधारकों से प्रतिक्रिया व विचार मांगे गए हैं

खास बातें

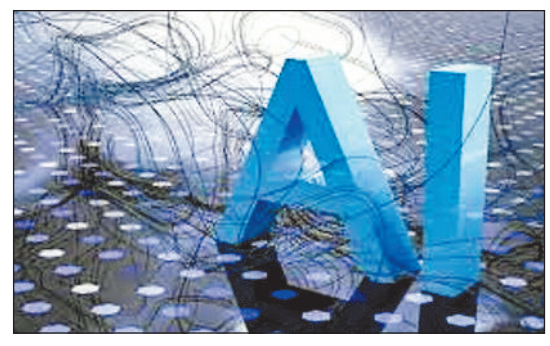

- वैधानिक पारिश्रमिक का अधिकार भी होना चाहिए
- डीपीआईआईटी ने 28 अप्रैल 2025 को एक समिति का गठन किया था

समिति की अध्यक्षता पांडे ने की

एआई प्रणालियों और कॉपीराइट से संबंधित उभरते मुद्दों पर विचार-विमर्श की बढ़ती आवश्यकता को स्वीकार करते हुए डीपीआईआईटी ने 28 अप्रैल 2025 को एक समिति का गठन किया था। आठ सदस्यीय इस समिति की अध्यक्षता अतिरिक्त सचिव हिमानी पांडे ने की। इसमें कानूनी विशेषज्ञ, उद्योग और शिक्षा जगत के प्रतिनिधि भी शामिल हैं।

उठाए गए मुद्दों की पहचान जरूरी

इसे समिति को एआई प्रणालियों द्वारा उठाए गए मुद्दों की पहचान करने, मौजूदा नियामक ढांचे की जांच करने, इसकी पर्याप्तता का आकलन करने और यदि आवश्यक हो तो बदलावों की सिफारिश करने के अलावा हितधारकों के साथ परामर्श के लिए एक कार्य पत्र तैयार करने का कार्य सौंपा गया था।

वैधानिक पारिश्रमिक अधिकार भी दिया गया

पत्र में कहा गया, " बहुमत के आधार पर समिति ने एआई प्रणाली के प्रशिक्षण में सभी वैध रूप से प्राप्त कॉपीराइट-संरक्षित कार्यों के उपयोग के लिए एआई डेवलपर के पक्ष में एक अनिवार्य व्यापक लाइसेंस की सिफारिश करने का निर्णय लिया है। साथ ही कॉपीराइट धारकों के लिए एक वैधानिक पारिश्रमिक अधिकार भी दिया गया है।"

रॉयल्टी प्राप्त करने का विकल्प नहीं होगा

इस ढांचे के तहत, अधिकार धारकों के पास एआई प्रणालियों के प्रशिक्षण में अपने कार्यों को सीमित करने रखने का विकल्प नहीं होगा। इसमें कहा गया, " कॉपीराइट स्वामियों के रॉयल्टी प्राप्त करने के अधिकार को संरक्षित करके तथा अधिकार धारकों द्वारा बनाए गए तथा सरकार द्वारा नामित एकल संगठन के माध्यम से इसे प्रशासित करके...मॉडल का उद्देश्य एआई प्रशिक्षण के वास्ते एआई डेवलपर के लिए सामग्री तक आसान पहुंच प्रदान करना, लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को सरल बनाना, लेनदेन लागत को कम करना तथा अधिकार धारकों के लिए उचित मुआवजा सुनिश्चित करना है।"

पहुंच के लिए एकल खिड़की मिलती है

पत्र में कहा गया है कि यह हाइब्रिड मॉडल एआई डेवलपर को एआई प्रशिक्षण के लिए कॉपीराइट कार्यों तक पहुंच प्राप्त करने के लिए एकल खिड़की भी प्रदान करता है। इसमें कहा गया कि जनरेटिव एआई में दुनिया को बेहतर बनाने की अपार क्षमता है जो इसके विकास का समर्थन करने वाले नियामक माहौल की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

भारतीय कंपनियां भर्ती योजना में वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर

अगले साल जनवरी-मार्च तिमाही में मजबूत रोजगार संभावनाएं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अगले साल जनवरी-मार्च तिमाही में भारतीय कंपनियों ने वैश्विक स्तर पर दूसरी सबसे मजबूत रोजगार संभावनाएं जताई हैं। देश की करीब 52 प्रतिशत कंपनियां अगले तीन महीनों में भर्ती करने की योजना बना रही हैं। 'मैनपावरग्रुप रोजगार परिदृश्य सर्वेक्षण' के मुताबिक, कैलेंडर वर्ष 2026 की पहली तिमाही के लिए शुद्ध रोजगार संभावनाएं (एनईओ) 52 प्रतिशत हैं, जो एक साल पहले की तुलना में 30 प्रतिशत जबकि अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही की तुलना में 27 प्रतिशत अधिक है। एनईओ उस अंतर को मापता है जो भर्ती बढ़ने की उम्मीद करने वाले और भर्ती घटने की उम्मीद करने वाले नियोक्ताओं के बीच प्रतिशत में होता है। पहली तिमाही के लिए वैश्विक स्तर पर सबसे मजबूत एनईओ ब्राजील (54 प्रतिशत) में दर्ज किया गया। इसके बाद भारत (52 प्रतिशत) का दूसरा स्थान है जबकि संयुक्त अरब अमीरात (46 प्रतिशत) तीसरे स्थान पर रहा। शीर्ष 10 देशों में नीदरलैंड (36 प्रतिशत), आयरलैंड (31 प्रतिशत), स्वीडन (30 प्रतिशत), ग्वाटेमाला (28 प्रतिशत), स्विट्जरलैंड (27 प्रतिशत), अमेरिका (27 प्रतिशत) और इजरायल (25 प्रतिशत) शामिल हैं।

- देश की करीब 52 फीसदी कंपनियां भर्ती की योजना बना रही

कंपनियां प्रतिभा संरचना में निवेश कर रही

मैनपावरग्रुप के भारत एवं पश्चिम एशिया क्षेत्र के प्रबंध निदेशक संदीप गुलाटी ने कहा, ''भारत की भर्ती संभावनाएं सिर्फ मजबूत नहीं हैं, बल्कि ये आर्थिक विश्वास और क्षमता निर्माण के नए चरण का संकेत देती हैं। ये रुझान दिखाते हैं कि भारत मात्रा आधारित भर्ती से मूल्य निर्माण की तरफ बढ़ रहा है। कंपनियां कौशल, प्रौद्योगिकी और प्रतिभा संरचना में निवेश कर रही हैं।''

अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल सम्मेलन 12-13 को

नई दिल्ली। दुर्लभ संयोग से योग और उपवास के दो शिरोमणी संत योग ऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज और जैन संत अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज के पावन मार्गदर्शन में यह दो-दिवसीय 'अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल सम्मेलनर' होने जा रहा है। 'जनमंगल की सम्यग्दृष्टि : उपवास, ध्यान, योग व स्वदेशी चिंतन' पर केंद्रित होगा। 12-13 दिसम्बर को इस सम्मेलन में 'हर मास - एक उपवास' महाभियान के शुभारंभ पर माननीय लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, दिल्ली के केबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह एवं कपिल मिश्रा, सांसद सुधांशु त्रिवेदी, सांसद योगेन्द्र चांदोलिया, इंडिया टीवी चेयरमैन रजत शर्मा, जाने माने लीवर विशेषज्ञ डा. एस. के. सरीन, भारतीय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन एन. पी. सिंह, पतंजलि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. अनुराग वार्ष्णेय जी गरिमा प्रदान करेंगे और संबोधन देंगे।

मुद्रा कोष ने पाक के लिए नई ऋण सहायता मंजूर की

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने द्विपक्षीय व्यवस्था के तहत पाकिस्तान को करीब 1.2 अरब डॉलर की नयी ऋण सहायता को मंजूरी दे दी है। इस ऋण सहायता से स्पष्ट होता है कि विनाशकारी बाढ़ के बावजूद देश ने स्थिरता बनाए रखी है।

- आईएमएफ ने 1.2 अरब डॉलर की नई सहायता मंजूर की

समाचार पत्र 'डॉन' ने मंगलवार को एक खबर में बताया कि आईएमएफ कार्यकारी निदेशक मंडल ने सोमवार को वाशिंगटन में आयोजित बैठक में दोहरे 'ट्रैक बेलआउट', 37 महीने की विस्तारित निधि सुविधा (ईएफएफ) एवं जलवायु-केंद्रित टिकाऊ स्थिरता सुविधा (आरएसएफ) के तहत यह मंजूरी दी। नकदी संकट से जूझ रहा पाकिस्तान वर्तमान में आईएमएफ के 24वें कार्यक्रम में है। इसके तहत पिछले साल उसे 39 महीनों की अवधि में सात अरब डॉलर की सहायता प्रदान करने पर सहमति बनी थी। खबर में कहा गया कि नवीनतम अनुमोदन के तहत पाकिस्तान को ईएफएफ के तहत एक अरब डॉलर और आरएसएफ के तहत 20 करोड़ डॉलर की सहायता राशि निकालने की अनुमति है। आईएमएफ के उप प्रबंध निदेशक एवं कार्यवाहक प्रमुख निगेल क्लार्क ने बयान में कहा, '' अनिश्चित वैश्विक माहौल को देखते हुए, पाकिस्तान को व्यापक आर्थिक स्थिरता को और मजबूत करने के लिए विवेकपूर्ण नीतियों को बनाए रखने की जरूरत है। साथ ही मजबूत, निजी क्षेत्र के नेतृत्व वाली एवं टिकाऊ मध्यम अवधि की वृद्धि हासिल करने के लिए आवश्यक सुधारों में तेजी लाने की जरूरत है।''

दुरुपयोग कम करने की सलाह

आईएमएफ ने पाकिस्तान के कमजोर वित्तीय प्रबंधन, नकदी निगरानी एवं सार्वजनिक संसाधन आवंटन के लिए जवाबदेही पर पिछले महीने असंतोष व्यक्त किया था और करदाताओं के पैसे के व्यक्तिगत एवं राजनीतिक दुरुपयोग को कम करने की सलाह दी थी।

सहज इंश्योरेंस ग्रामीण क्षेत्र में बेचेगी पॉलिसी

नई दिल्ली। देश के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बीमा सेवाएं उपलब्ध कराने वाली सहज इंश्योरेंस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड का लक्ष्य ग्रामीण आबादी को ध्यान में रखकर तैयार लगभग 10 करोड़ बीमा पॉलिसी बेचने का है। सहज इंश्योरेंस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को हाल ही में भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) से 'कॉरपोरेट एजेंसी लाइसेंस' मिला है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद खरसिया, जिला- रायगढ़ (छ.ग.)
palikakharsia@gmail.com Pin No. 496661

क्रमांक/276//न.पा.प. / लो.नि.वि./2025-26 खरसिया, दिनांक 09/12/2025

मेनुअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नांकित कार्य हेतु स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक से मय टी.डी.आर./ एफ.डी.आर. के साथ मेनुअल पध्दति निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. आवेदन करने की अंतिम तिथि - 29.12.2025 समय सायं 5.30 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि - 31.12.2025 समय सायं 4.00 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र खोलने का समय एवं तिथि - 31.12.2025 समय सायं 4.30 बजे

ग्रुप क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि रू. लाख में)	अमानत राशि एफ.डी.आर./ टी.डी.आर. के रूप में	निविदा प्रपत्र का मूल्य राशि रू. के रूप में	समय सीमा (वर्षा ऋतु को छोड़कर)
01	वार्ड क्र. 05 जवाहर कॉलोनी पार्क सौंदर्यीकरण कार्य।	7.18	5500.00	750.00 प्रपत्र अ	2 माह

टीप :- 1. अन्य शर्ते एवं नियम कार्यालयीन अवधि में देखी जा सकती है। 2. लिफाफा में uad.cg.gov.in से फार्म A डाउनलोड कर पूर्ण भरकर प्रस्तुत करना होगा, ओव्हर राईटिंग काट छांट निविदा प्राप्त नही किया जावेगा। एवं ऐसी निविदा प्रपत्र निरस्त कर दी जावेगी, निविदा खोलने की तिथि के निर्धारित समय में ठेकेदार या उनके प्रतिनिधि उपस्थित हो सकते है, प्रत्येक निविदा प्रपत्र पर ठेकेदार द्वारा हस्ताक्षर करना अनिवार्य होगा। तथा लिफाफा प्रपत्र A निर्धारित निविदा प्रपत्र मूल्य की डिमाण्ड ड्रफ्ट जो कि "मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका परिषद खरसिया" के नाम से देय होगा। 3. उक्त दिवस में निविदा खोलने संबंधित कार्यवाही अपरिहार्य कारणों से संपन्न नहीं होने पर अन्य दिवस में निविदा खोलने की कार्यवाही की जावेगी। (नगर पालिका का समस्त करों का समय पर भुगतान करें।)

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् खरसिया

राशिफल

मेष — कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

मिथुन — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।

सिंह — बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कन्या — नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

धनु — व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मकर — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

कुंभ — मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

रुपया 17 पैसे मजबूत होकर 89.88 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई। रुपया मंगलवार को शुरुआती नुकसान से उबरकर 17 पैसे की बढ़त के साथ 89.88 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। अमेरिकी मुद्रा और कच्चे तेल की कीमतों के अपने उच्च स्तर से नीचे आने से भारतीय मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना के बीच विदेशी बाजार में अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से रुपये को निचले स्तर पर समर्थन मिला। हालांकि, घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी निकासी के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। जिससे स्थानीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही।

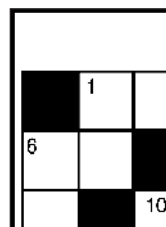

शब्द पहेली - 6073

बाएँ से दाए
1. जाति, समाज, बंधुता-4
3. स्वयंबर माला, जीत-4
6. चूहे का घर-2
7. स्थिर, टिका हुआ-3
8. पार्थिव देह, लाश-2
10. सुवासित करना-4
11. थोड़ा, कम-2
13. मोटा आटा, दानेदार-4
15. गौरव, अभिमान-3
17. विष्णु, नारायण-4
20. वाहन, गाड़ी, जहाज-2
21. होशियार, दक्ष-3
23. उचित, सही-3
25. जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26. करिश्मा, करतब-4
29. भर्त्सना, धिक्कार-3
31. गुलाम, परतंत्र-4
32. बेल, लतिका-2
34. आश्चर्य-4
35. नांद, टप-2
37. मग्नता-3
39. मछली-2
40. कुशलपूर्वक, सुरक्षित-4
41. मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे
1. विधेयक, देयक-2
2. विजयादशमी-4
3. जीत, विजय-2
4. जुड़वा-3
5. शव, मृत शरीर-2
6. बंधु, सजातीय, भाई-4
7. एक आंख वाला-2
9. मौजूदा, आधुनिक-4
10. मदमस्त-4
12. धुन, लय, सुर-2
14. इच्छा, कामना-2
16. सुर साधना-3
18. भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19. छुट्टी, अवकाश-2
21. अच्छे कुल का-3
22. भाग्य (अंग्रेजी-2)
24. यम, मृत्यु का देवता-4
25. अपमिश्रण, खोट-4
27. निशा, रात्रि-2
28. कहासुनी, कलह-4
30. तल्ला, पैंदा-2
31. गुलामी, पराश्रित-4
33. शिक्षा (उर्दू-3)
34. अदा करना, चुकाना-2
36. एक सवारी गाड़ी-2
38. झुका हुआ-2
39. दोस्त, सखा-2

शब्द पहेली- 6072 का हल

सूडोकु नवताल - 6083

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6082 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

प्रथम पृष्ठ का शेष

क्या है ग्रीन...

बजट तक सीमित नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों (जैसे कृषि, ऊर्जा, जल) में पर्यावरण-अनुकूल खर्चों की पहचान और ट्रैकिंग करता है। इसकी मुख्य विशेषता ये है कि यह बजटिंग प्रक्रिया में ही तय करता है कि किसी विशेष खर्च या नीति का पर्यावरण पर क्या असर पड़ेगा।

वित्त ने मंगाए...

जाती है। इसमें एक अतिरिक्त श्रेणी के रूप में 30 प्रतिशत से कम भागीदारी वाली योजनाओं को भी शामिल किया जाना है। वरिष्ठ अधिकारियों को भेजे गए आदेश में ग्रीन बजट एवं जेंडर बजट के प्रस्ताव मांगे गए गए हैं।

चिल्फी के जंगल...

होने के कारण पुलिस प्रशासन को भी मौके पर पहुंचने में घंटों लग गए। जिसके कारण जाम की स्थिति मंगलवार को भी बनी रही। लोगों की माने तो पुलिस प्रशासन सोमवार की रात से जाम खुलवाने के लिए मशक्कत करता रहा, लेकिन कई किलो मीटर लम्बा जाम अब तक नहीं खुल पाया है। चिल्फी थाना क्षेत्र से होकर गुजरने वाले नेशनल हाईवे 30 में जाम लगना आम बात हो चुकी है। आलम ये है कि सड़क मार्ग संकरा तथा घाटी में कई घुमावदार मोड़ होने की वजह से यहां आए दिन किसी ना किसी कारण से जाम की स्थिति बनी रहती है। जिसके कारण यात्री बस, सब्जी-फल या जरुरी समान ट्रांसपोर्ट करने वाले माल वाहक संचालकों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बताया जाता है कि सोमवार की रात से लगे इस जाम में इन दिनो वंनाचल क्षेत्र चिल्फी में पड़ रही कड़ाके की ठंड में यात्री वाहन सवारों खासी परेशानी भुगतनी पड़ रही है। यात्रियों की माने उन्हें रात बीच जंगल में ठंड के बीच गुजारने बड़ी और भोजन पानी की किल्लत झेलनी पड़ी।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेज़र हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • कैमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी / डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंती विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

मार्ग खुलवाने का...

परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के मुताबिक इस कई किलो मीटर लम्बे जाम के कारण मौके पर पहुंचना भी मुश्किल हो रहा है। बताया जाता है कि पुलिस प्रशासन को इस कार्य में अभी तक सफलता नहीं मिल पाई है।

वार-भाजपा संस्थाओं...

दी जानी चाहिए। सीसीटीवी फुटेज डिस्ट्रॉय करने का नियम भी बदला जाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि चुनाव आयोग पर नियंत्रण का सीधा असर चुनाव तारीखों पर पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव कार्यक्रम प्रधानमंत्री की सुविधा के हिसाब से तय किए जाते हैं। राहुल ने कहा कि यह चुनावी निष्पक्षता को नुकसान पहुंचाता है और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधी चोट करता है। उन्होंने इसे "चुनाव की सच्चाई बदलने की कोशिश" बताया।

निशिकांत ने कहा-...

से हूँ और मुझे इस पर गर्व है। उन्होंने राहुल पर तंज कसते हुए कहा, आए थे हरि भजन को, ओटन लगे कपास। खोदा पहाड़, निकली चुहिया। यह वही कांग्रेस है जो शहीदों की चिताओं पर खड़ी हुई, जिसने देश को बांटा। आज राहुल गांधी कांपते और कन्फ्यूज नजर आ रहे थे। अचानक वे संविधान की बात करने लगे। मैं 1976 की पूरी संविधान संशोधन बहस लेकर आया हूं – कैसे कांग्रेस ने संविधान को कुचला, इसका उनके पास कोई जवाब नहीं है।

गृहमंत्री शाह ने...

के प्रति अन्याय" बताया। अमित शाह ने वंदे मातरम् के रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के योगदान को याद करते हुए कहा कि यह गीत पूरे देश की एकता और त्याग की भावना को दर्शाता है। **विपक्ष का पलटवार**—'असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश' विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश आर्थिक दबाव, बेरोज़गारी और सामाजिक तनाव जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, और ऐसे समय में सरकार प्रतीकात्मक बहसों में उलझाकर "जनता के मुद्दों से बचने की कोशिश कर रही है।" खरगे ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता 1921 के असहयोग आंदोलन में "वंदे मातरम्" बोलकर जेल गए थे, और इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश करने की राजनीति नहीं होनी चाहिए। **सदन में हंगामा, दोनों पक्षों में तीखी जुबानी जंग**- बहस के दौरान कई बार पक्ष और विपक्ष के बीच तीखा विवाद देखने को मिला।भाजपा सांसदों ने आरोप लगाया कि विपक्ष बहस को भटकाने का प्रयास कर रहा है।विपक्षी दलों ने जवाब दिया कि सरकार इतिहास के नाम पर "राजनीतिक एजेंडा" आगे बढ़ा रही है।एक मौके पर सदन में इतना शोर हुआ कि सभापति को हस्तक्षेप कर सदस्यों से शांति बनाए रखने की अपील करनी पड़ी। सदन में कई सदस्यों ने ऐतिहासिक घटनाओं, स्वतंत्रता संग्राम में वंदे मातरम् की भूमिका और इसकी वर्तमान प्रासंगिकता पर अपने विचार रखे। कांग्रेस सांसदों ने पंडित नेहरू और अन्य नेताओं की भूमिका का उल्लेख किया, जबकि सरकारी पक्ष ने इस गीत को "राष्ट्रीय गौरव" का प्रतीक बताते हुए इसे पाठ्यक्रम और कार्यक्रमों में बढ़ावा देने की बात बता रहे हैं। बहरहाल, विशेष बहस के दौरान हुए टकराव से यह साफ दिखा कि वंदे मातरम् को लेकर राजनीतिक दलों में विचारधारात्मक मतभेद गहरे हैं। सत्ता पक्ष इसे सांस्कृतिक गर्व का प्रतीक मानकर आगे बढ़ा रहा है, जबकि विपक्ष इसे "चुनावी मौसम का राजनीतिक प्रसंग" कहकर चुनौती दे रहा है।

एंबुलेंस में प्रसव, प्रसूता ....

से नदारद रहने के आरोप लगाए है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लाश को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द कर दिया है। अस्पताल प्रबंधन महिला की स्थिति पहले से गंभीर होने की बात कही जा रही है। बताया जा रहा है कि सूरजपुर जिले के ग्राम लाछा निवासी 37 वर्षीया कविता पति आदित्य सिंह को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन ने सूरजपुर जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। पति का आरोप है कि जिला चिकित्सालय में रात के समय चिकित्सक मौजूद नहीं थे और कुछ नर्सिंग स्टाफ के द्वारा उसे बोतल चढाने के बाद भोर के 4 बजे रेफर कर दिया गया। मरीज को रेफर करने के बाद परिजन प्रसूता को लेकर एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज अस्पताल आ रहे थे। इस दौरान रास्ते में प्रसव पीड़ा बढने के साथ ही महिला का प्रसव हो गया। महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया जो मृत था। इधर परिजन प्रसूता को लेकर सुबह 6.50 बजे मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद प्रसूता को भी मृत घोषित कर दिया। पहले गर्भ में पल रहे नवजात और फिर प्रसूता की मौत के बाद परिजन सदमे में है। मृतका के पति का आरोप है कि रात को अस्पताल में चिकित्सक नहीं थे। रात के समय यदि महिला को उपचार दिया गया होता तो शायद जच्चा बच्चा को बचाया जा सकता था। इधर इस मामले में अस्पताल पुलिस ने मर्ग कायम कर लाश को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द कर दिया है और घटना की जांच की जा रही है। **निजी क्लिनिक को लाभ पहुंचाने का आरोप**-सूरजपुर जिला अस्पताल से आनन फानन में प्रसूता को रेफर करने और जच्चा बच्चा की मौत का यह कोई पहला मामला नहीं है। पूर्व में भी इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी है जिसमें मां-बच्चे में से किसी को अपनी जान गवानी पड़ती है। लोगों का आरोप है कि जिला मुख्यालय में कई नर्सिंग होम क्लिनिक खुल गए है और इन्हें लाभ पहुंचाने के लिए अस्पताल से गंभीर प्रसुताओं को रेफर किया जाता है लेकिन सभी परिवार आर्थिक रूप से सक्षम नहीं होते है इसलिए वे तत्काल नजदीकी निजी अस्पताल नहीं जाते है। इसके साथ ही ग्रामीण स्तर पर जच्चा बच्चा को लेकर चलाए जा रहे अभियान का पालन नहीं किया जा रहा है जिससे प्रसूता महिलाओं की सही तरीके से जांच नहीं हो पाती है और उनकी हालत गंभीर हो जाती है। इधर सीएमएचओ का कहना है कि महिला की हालत पहले से गंभीर थी और अस्पताल में रात के समय चिकित्सक मौजूद थे।

अब नहीं लगाने होंगे ...

जाता था। लेकिन इसके बाद भी यह प्रक्रिया आसान नहीं था। बड़ी संख्या में लोग आवेदन देने के बाद एसडीएम दफ्तर के चक्कर लगाते रहे थे। यही कारण है कि राज्य में डायवर्सन के हजारों प्रकरण लंबित हैं, लेकिन अब इस पर विराम लगेगा। यही नहीं डायवर्सन के लिए होने वाला अघोषित लेन-देन पर पूरी तरह रोक लगने की संभावना भी खत्म होने की उम्मीद है।

सरकार का इंडिगो...

विमानन मंत्रालय में तलब किया गया, जहां उन्होंने हालात को स्थिर करने के लिए किए जा रहे उपायों पर अपडेट दिया। सीईओ ने पुष्टि की है कि 6 दिसंबर तक प्रभावित उड़ानों के लिए 100% रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। मंत्रालय ने शेष रिफंड और यात्रियों के फंसे हुए सामान को जल्द से जल्द सौंपने के सख्त निर्देश दिए हैं। इंडिगो को किराया सीमा और यात्री सुविधा उपायों सहित मंत्रालय के सभी निर्देशों का बिना किसी अपवाद के पालन करने को कहा गया है। नोटिस के अनुसार, इंडिगो को समर शेड्यूल 2025 की तुलना में विंटर शेड्यूल में 6% के इजाफे की अनुमति दी गई थी, इसके तहत 403 विमानों के उपयोग की मंजूरी थी। लेकिन एयरलाइन अक्तूबर 2025 में केवल 339 और नवंबर 2025 में 344 विमान ही संचालित कर सकी। डीजीसीए ने कहा कि एयरलाइन ने 2024 की सर्दियों की तुलना में अपने प्रस्थान में 9.66% और इस वर्ष के गर्मियों के शेड्यूल की तुलना में 6.05% की वृद्धि की थी, लेकिन वह इस शेड्यूल का कुशलतापूर्वक संचालन नहीं कर सकी।

पत्नी की हत्या ...

गुप्ता भी मृत हालत में मिली। उसकी लाश घर के हाल में रखे सोफा पर पड़ी मिली। पुलिस ने घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार सुसाइड नोट में लिखा है कि पत्नी और बेटे के बिना रह नहीं सकता, इसलिए आत्महत्या कर रहा है। इस सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस आशंका जता रही है कि इसे राजन ने आत्महत्या करने से पहले लिखा है। सुसाइड नोट में पत्नी की हत्या का भी उल्लेख है। बहरहाल पुलिस ने दोनों शव की पंचनामा कार्यवाही कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले की जांच जारी है।

माइक्रोसॉफ्ट करेगा 17.5...

और माइक्रोसॉफ्ट इस बदलाव का प्रमुख साझेदार बनेगा। सत्या नडेला ने निवेश की घोषणा करते हुए कहा, धन्यवाद पीएम नरेंद्र मोदीजी, भारत की एआई संभावनाओं पर बेहद प्रेरणादायक बातचीत के लिए। भारत की आकांक्षाओं को समर्थन देने के लिए माइक्रोसॉफ्ट एशिया में अपना सबसे बड़ा निवेश, 17.5 अरब डॉलर का कर रहा है। यह निवेश देश में आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर, स्किल्स और सॉवरेन एआई क्षमताओं को विकसित करने में मदद करेगा।" उन्होंने जैसे ही ये पोस्ट एक्स पर साझा किया कुछ ही मिनटों में सोशल मीडिया में ट्रेंड करने लगा। माइक्रोसॉफ्ट के प्रमुख नडेला ने यह भी कहा कि भविष्य में भारत "एआई-फर्स्ट इकॉनमी" बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा और माइक्रोसॉफ्ट देश में स्थानीय प्रतिभाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए व्यापक कार्यक्रम शुरू करेगा।

आदिवासी नेता की...

रखने की घोषणा कर दी थी। जिसके कारण शहर की अधिकांश दुकानों, प्रतिष्ठानों और व्यावसायिक संस्थानों में ताले लटके रहे। बंद का असर आवश्यक सेवाओं पर नहीं पड़ा। मेडिकल दुकानें, अस्पताल, पेयजल, बिजली सेवाएं, स्कूल, महाविद्यालय, यात्री परिवहन और पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित होते रहे। संजय बाजार सब्जी मंडी,गोल बाजार सब्जी बाजार और कुछ चाय ठेले खुले रहे, जबकि शेष बाजार क्षेत्र पूरी तरह शांत रहा। शहर के हर चौक, चौराहे पर पुलिस अधिकारी, महिला तथा पुरुष सुरक्षा बल तैनात रहे।

युवा बाइक रैली...

शांतिपूर्ण रहा। नेताओं ने 11 दिन में जांच व संबंधित अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि समाधान नहीं मिलने पर आंदोलन उग्र स्वरूप ले सकता हैं।

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-इलेक्ट्रीकल श्री व्हीकल शोरूम में फील्ड सेल्स एग्जीक्यूटिव 6पोस्ट युवक युवतियां चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- मालवा TVS मेन रोड व्यापार विहार, बिलासपुर 8827948333, 9340093263, 9098261087 (39353)

आवश्यकता है- बिलासपुर गौरव पथ स्थित जिनदत्त साइंटिफिक एंड केमिकल्स दुकान में कार्य हेतु 10वीं, 12वीं पास, अंग्रेजी, विज्ञान, कम्प्यूटर जानकार लोकल लड़के लड़कियां चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 9827410308, 8839800791 (39346)

आवश्यकता है- मंगला चौक, शुभम विहार, मिनोचा कॉलोनी, उसलापुर, नेचर सिटी, रामा लाइफ, आसमां सिटी में कामवाली बाई, खाना बनाने वाला कुक चाहिए। दैनिक अथवा मासिक विकल्प उपलब्ध। सम्पर्क करें- 9109511248, 9244664654 (39368)

आवश्यकता है- मेस में सुबह देसी नाश्ता और शाम में चाइनीज आइटम बनाने हेतु कुक की अतिशीघ्र आवश्यकता है। सम्पर्क करें- पद्मावती भोजनालय ग्रीन गार्डन कॉलोनी के बगल में, मंगला बिलासपुर 9575655055 (39363)

आवश्यकता है- युवक, युवती की बिलिंग- 2, ट्रैनी सेल्स एसोसिएट 2, सेल्स एसोसिएट- 2, रिसीविंग विभाग- 1, ड्राइवर- 1, मार्केटिंग विभाग- 2 की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शैल वस्त्रालय मसानगंज बिलासपुर 9238107105 (39366)

आवश्यकता है- लॉज में कार्य हेतु 10वीं पास, 28 से 40वर्ष के वेटर की आवश्यकता है ग्रामीणों को प्राथमिकता सम्पर्क करें- होटल शिवम अपोलो हास्पिटल के बाजू में लिंगियाडीह बिलासपुर 8839112590, 9301577993 (39367)

आवश्यकता है- Ocean कम्पनी में ऑफिस हेतु 18-28 वर्ष के लड़के, लड़कियां चाहिए योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट आय 10500 से 18000, रहना, खाना पता- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752337082 (39365)

आवश्यकता है- ज्वैलरी शॉप में काम करने के लिए सेल्स मैन/ सेल्स गर्ल की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्री शारदा ज्वेलर्स, सदर बाजार खपरगंज स्कूल रोड, बिलासपुर 9884486188, 9244547115 (39364)

आवश्यकता है-डिप्लोमा/ बीई मैकेनिकल इंजीनियर, आईटीआई फिटर, स्टोर कीपर (टैली अनुभवी) चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- रायपुर हाइड्रोलिक्स प्राइवेट लिमिटेड मेटल पार्क रायपुर Email- raipurhyd@gmail.com 8871739555 8770949941 (39358)

आवश्यकता है-किताब दुकान में कम्प्यूटर कार्य हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- विवेक बुक डिपो, गुरुद्वारा के पास मेन रोड दयालबंद बिलासपुर 9893378899 (39355)

आवश्यकता है-एजेन्सी में सप्लाई हेतु छोटा हाथी ड्राइवर (सप्लायर) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- महावीर एजेन्सी MIG-45 नेहरू नगर बिलासपुर 9755885780, 9893056082 (3179)

आवश्यकता है-दवाई दुकान में पिकर, चेकर, लोकल डिलीवरी, पैकर काम करने के लिए लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जगत फार्मा, होटल अजीत के पीछे, मेडिकल काम्प्लेक्स, तेलीपारा, बिलासपुर (39360)

आवश्यकता है- रिसेप्शनिस्ट (फीमेल), ईरिक्शा ड्राइवर, मार्केटिंग मैनेजर की तत्काल आवश्यकता है सम्पर्क करें- अग्रसेन चौक बिलासपुर अपना बायोडाटा भेजें 6263077177 (39361)

आवश्यकता है- बिलासपुर 36मॉल एवं PVR मैग्नेटो मॉल में सिनेमा फूड काउन्टर में हेल्पर कार्य करने के लिए चार लड़कों की आवश्यकता है सैलरी- 8000+ रहना+ खाना सम्पर्क करें- 9243958051, 8109400008 (39311)

आवश्यकता है-बिलासपुर स्थित एजुकेशन कंसल्टेंट ऑफिस में काम करने के लिए टेलिकॉलर, ऑफिस मैनेजर की आवश्यकता है पद संख्या 2, योग्यता अनुभव और अंग्रेजी ज्ञान वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता अपना रेज्यूमे लेकर बुधवार एवं शनिवार को 12 से 3बजे तक मिलें ऑफिस- वन क्लिक सॉल्यूशन पता अंश प्लाजा सेकेण्ड फ्लोर रिंग रोड नम्बर 2 मंगला बिलासपुर 7987917660 (39348)

आवश्यकता है-दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार पता- 27खोली चौक मुंगेली रोड, बिलासपुर सम्पर्क करें- 9827901976, 8718888555 (39359)

आवश्यकता है-बंगाल स्वीट्स में मैनेजर+ कैशियर एवं सेल्समैन की आवश्यकता है कार्य समय 12घंटे, वेतन 8000 से 10000 अनुभवी उम्मीदवार ही सम्पर्क करें- सत्यम चौक के पास लिंक रोड बिलासपुर 9343335328 (39333)

आवश्यकता है- वेटर, सफाईकर्मी, बिजली मिस्त्री चाहिए वेतन 10000 ग्रामीणों को रहना, खाना निःशुल्क ओरिजनल आईडी सहित सम्पर्क करें- अग्रवाल लॉज खादिम शोरूम के पीछे गली में गोल बाजार बिलासपुर 9827940898, 9406390898 (39327)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड सिक्युरिटी सुपरवाइजर गनमैन फिल्ड ऑफिसर कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000-20000, आवास फ्री। पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जे.जे. हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 8085233213, 8253010291, 8889997826 (39295)

आवश्यकता है-आफिस कार्य, कम्प्यूटर ऑपरेटर हेतु लड़कियों, महिलाओं की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार इंटरव्यू समय 11 से 2बजे तक। फ्रेशर/ अनुभवी सम्पर्क करें- डीआर कंसल्टेन्ट, राजीव गांधी चौक बिलासपुर 6263337237 (39332)

आवश्यकता है- टीवीएस मोटर कम्पनी डीलर को सेल्स, सर्विस, कम्प्यूटर आपरेटर (आरटीओ), टेलीकॉलिंग आदि पदों के लिए योग्य व्यक्तियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- चन्द्र टीवीएस, महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 9039167202 (39351)

आवश्यकता है-सिक्यूरिटी एजेन्सी में कार्य करने हेतु अनुभवी सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है कार्य स्थल बिलासपुर वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- उमा सिक्यूरिटी सर्विसेस महाराणा चौक बिलासपुर 9981630084 9425534940 (39347)

आवश्यकता है-(1) सिविल साइट इंजीनियर, सुपरवाइजर (ऑटोकैड, स्ट्रक्चरल अनुभवी साइट चलाने योग्य) (2) ऑटोमैटिक कार हेतु अनुभवी लाइसेंसी, मेहनती, नशामुक्त ड्राइवर चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी योग्यतानुसार। सम्पर्क करें- 9770770000, 9827072000 (39304)

आवश्यकता है-कांट्रेक्टर फॉर्म बिलासपुर में मैकेनिकल, टेक्नीकल इंजीनियर या जानकार (क्रेशर- पुंजलोना, टेरेक्स) हाइवा, एक्सेवटर, लोडर के मैन्टेन्स हेतु अनुभवी युवक चाहिए (समय 11 से 7बजे) सैलरी- योग्यतानुसार सम्पर्क करें- 9203390737 (39340)

आवश्यकता है-कम्प्यूटर ऑपरेटर-2, टेंडर कार्य, मार्केटिंग ऑफिसर 3, योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर- 15, सुरक्षागार्ड- 66, वेतन 13000- 10000/- सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 7746000019 (348)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य कम्प्यूटर के लिए (महिला/ युवती) आपरेटर की आवश्यकता है। वेतन 12000 से 15000 तक सम्पर्क करें- 7587258374 (39312)

आवश्यकता है- FMCG वेलनेस एजेन्सी में बिलिंग एवं प्रोडक्ट देने हेतु एक व्यक्ति चाहिए योग्यता ग्रेजुएट, कम्प्यूटर जानकार बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक 9893081826, 7067124226 (39309)

आवश्यकता है-आथोराइज्ड सर्विस सेन्टर में टैली बिजी अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर दो लड़के, ऑनलाइन कालिंग हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अमन इलेक्ट्रॉनिक्स पुराना सरकंडा बिलासपुर 9303891231, 9111000631,07752404896 (39341)

आवश्यकता है-रेस्टोरेन्ट में काम करने के लिए इंडियन और तन्दूर मिस्त्री, किचन हेल्पर, वेटर लेडीज जेंट्स दोनों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- साँझा चूल्हा महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 8319344041 (39338)

आवश्यकता है-पेन, पेन्सिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो सम्पर्क करें- 9631470837 (757)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य एवं टेलीकॉलिंग हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है उम्र 18-28, वेतन 10000+कमीशन+ बोनस, ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15-20 हजार प्रतिमाह, रहना फ्री सम्पर्क करें-7870192397, 779688012 (385)

आवश्यकता है-शहर से बाहर ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 तक अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है योग्यता 10वी 12वी स्नातक वेतन- 12000 रहना खाना फ्री ट्रेनिंग के बाद कमाए 20 से 25 हजार महीना सम्पर्क करें- 8871422576, 9981576163 (515)

आवश्यकता है-Realince Jio 5G कंपनी मे पार्ट टाईम/ फुल टाईम SMS करके लड़के, लड़कियां, गृहणियां कमाए घर बैठे 21500-45000 महिना लैपटॉप+ मोबाइल मुफ्त Whatsapp/ Call/ SMS करें- 9798544556, 9296821428 (1255)

बेचना है

बेचना है-40×75=3000 पश्चिम मुखी 25फिट रोड में पुराना मकान टिपटॉप बना। जैन हॉस्टल गली, विनोबा नगर में जमीन की कीमत में बेचना है कीमत 4500/- फुट सम्पर्क- 9131242092, 9827938236 (39354)

बेचना है-बिलासपुर गोल्डन पार्क छतौना रोड में हाईकोर्ट से लगा हुआ TNC Rera रजिस्टर्ड कालोनी में 35×52= 1820 वर्गफुट जमीन अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 9109818177, 9399792651 (39345)

बेचना है-हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड49 बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 2/3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफोर्डेबल फ्लैट टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 8839455596, 7697644444 (38649)

बेचना है- सर्वमंगला पेट्रोल पम्प के पीछे आशा नगर उस्लापुर में डाइवर्टेड नक्शा पास डबल स्टोरी का भूमि 60×50 में 60फुट उत्तर मुखी फ्रंट (25फीट सीमेंन्ट रोड पर) बेचना है सम्पर्क- 9300333519 (39362

बेचना है-नेहरू चौक से 400 मीटर दूर स्थित इंजीनियर्स कॉलोनी में 2160 वर्गफुट जमीन पर 1361 वर्गफुट में बना मकान (कीमत 75 लाख) शीघ्र बेचना है। खरीददार ही सम्पर्क करें- 7648017211 (39342)

बेचना है- बिलासपुर मसानगंज में स्थित 6BHK का नवनिर्मित मकान, गीतांजलि सिटी फेस-2 के बगल में नया 2BHK मकान, कोटा मेन रोड में 2 एकड़ कमर्शियल प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 7898855268 (39297)

Medicare Specialists
इसे जरूर पढ़िये और समझिये
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 इन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 8515825081 9083218330
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.) निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
मो.- 94255-55659 96177-89223, 93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8
गुप्त रोगी स्वयं मिलें
शादी से घबराहट गुप्त रोग
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

किराया

किराया-महाराणा प्रताप चौक, नगर निगम कॉलोनी में सेकेण्ड फ्लोर में 1BHK, थर्ड फ्लोर में 1BHK मकान ऑफिस एवं रहने के लिए किराए से देना है सम्पर्क करें- 9424145652 (39352)

किराया- शहर के मध्य मिशन अस्पताल के सामने लखीराम ऑडिटोरियम रोड में स्थित 2BHK प्रथम तल का मकान किराये से देना है शासकीय कर्मचारी, परिवार वालों को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 9770117329 (39334)

फाइनेन्स

फाइनेन्स-राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा सभी प्रकार के लोन, बिजनेस, मार्क शीट, आधार कार्ड, प्रॉपर्टी, कृषि, होम लोन 1% सालाना ब्याज व 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करे, नोट- धोखेबाजों से सावधान हेड ऑफिस लोन डिपार्टमेंट हेल्प लाइन नम्बर- 9817098991, 9817098991 (412)

फाइनेन्स-रोजगार योजना अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ मे लोन सिर्फ आधार कार्ड पर 50000 से 25लाख तक, 1% ब्याज वार्षिक प्रॉपर्टी पर्सनल बिजनेस दुकानदारी ग्रुप लोन सिविल खराब लोन पाए सम्पर्क करें- 9311830460 (414)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

छा गए भारतीय गेंदबाज, दक्षिण अफ्रीका को किया 12.3 ओवरों में 74 रन ऑलआउट

एजेंसी ▶▶| कटक

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच कटक में खेले गए पहले टी20 मुकाबले पर टीम इंडिया ने 101 रन से कब्जा किया। मैच में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार बॉलिंग की और साउथ अफ्रीकी टीम की बैटिंग ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। पूरी टीम 12.3 ओवरों में 74 रन पर ढेर हो गई। भारत ने 101 रन से मैच जीत लिया। भारत ने इस जीत के साथ सीरीज में 1-0 की लीड हासिल कर ली है।

- पंड्या की शानदार वापसी, लगाई 25 गेंदों पर फिफ्टी, झटका एक विकेट
- टीम इंडिया को मिली एकतरफा जीत, दक्षिण अफ्रीका का टी20 में लोएस्ट स्कोर

अर्शदीप सिंह ने पहला झटका देकर मैच को पूरी तरह सेट कर दिया। जसप्रीत बुमराह अपनी सटीक गेंदबाजी से सबसे अलग दिखे। अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने बीच में बल्लेबाजों को बांधकर विकेट लिए। हार्दिक पंड्या ने भी एक विकेट लिया और आखिर में शिवम दुबे ने आखिरी विकेट

लेकर मैच खत्म कर दिया। भारत ने यह मैच एकतरफा तरीके से जीत लिया। यह जीत भारत के लिए बहुत खास रही। बल्लेबाजी में हार्दिक पंड्या चमके और गेंदबाजी में पूरी टीम ने मिलकर कमाल कर दिया। साउथ अफ्रीका का ये टी20 में सबसे कम स्कोर था।

पंड्या को छोड़ फ्लॉप रही भारतीय बैटिंग

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 175 रन बनाए। शुरुआत तेज थी लेकिन शुरुआती विकेट जल्दी गिर गए। शुभमन गिल सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए और कप्तान सूर्यकुमार यादव भी लंबी पारी नहीं खेल पाए। अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने कुछ रन जोड़े लेकिन दोनों अपनी शुरुआत को बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पाए। बीच के ओवरों में अक्षर पटेल ने 23 रन बनाए और टीम को संभाला। लेकिन सबसे शानदार पारी हार्दिक पंड्या ने खेली।

सबसे कम स्कोर पर ढेर हुई अफ्रीकी टीम

दक्षिण अफ्रीका की पारी बहुत खराब शुरू हुई। लक्ष्य था 176 रन लेकिन पहले ही ओवर में क्विंटन डिकॉक बिना रन बनाए आउट हो गए। इससे टीम पर शुरू से दबाव पड़ गया। ट्रिस्टन स्टब्स और कप्तान एडन मार्करम ने कुछ अच्छे शॉट लगाए लेकिन दोनों बड़ी पारी नहीं खेल सके। डेवाल्ड ब्रेविस ने तेजी से 22 रन बनाए और थोड़ा लड़ने की कोशिश की लेकिन जसप्रीत बुमराह ने उन्हें आउट कर दिया। बीच के ओवरों में विकेट लगातार गिरते रहे। डेविड मिलर, फरेरा और मार्को यानसन भी ज्यादा देर नहीं टिके। भारत की गेंदबाजी इतनी सही थी कि रन बनाना ही मुश्किल हो गया।

कटक टी20: भारत ने 101 रन से जीता मुकाबला, सीरीज में 1-0 की लीड

हार्दिक ने लगाया छठा अर्धशतक

भारत को पहले बल्लेबाजी करते हुए 78 रन के स्कोर पर 4 झटके लग गए थे। उसके बाद आए पांड्या ने शिवम दुबे (11) के साथ 33 और जितेश शर्मा (10*) के साथ 38 रन की साझेदारी निभाते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। यह पांड्या के टी-20 करियर का छठा अर्धशतक रहा, जिसे उन्होंने 25 गेंदों में पूरा किया। वह पारी में 28 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्कों की मदद से 59 रन बनाकर नाबाद रहे।

पांड्या ने लगाया छक्कों का शतक

पांड्या अब टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए 100 छक्के जड़ने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बन गए। इस सूची में रोहित शर्मा (205) पहले पायदान पर हैं। रोहित इस प्रारुप में सर्वाधिक छक्के जड़ने वाले दुनिया के शीर्ष बल्लेबाज भी हैं। भारत के लिए दूसरे सर्वाधिक छक्के जड़ने का रिकॉर्ड कप्तान सूर्यकुमार यादव के नाम दर्ज हैं, जिन्होंने 155 छक्के जड़े हैं। इसी तरह विराट कोहली 124 छक्कों के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

तिलक ने पूरे किए 1 हजार टी-20 अंतरराष्ट्रीय रन

तिलक ने 32 गेंदों का सामना करते हुए 26 रन बनाए और इस बीच अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर में 1 हजार रन पूरे किए। वह भारत की ओर से टी-20 प्रारुप में ये आंकड़ा छूने वाले कुल 13वें बल्लेबाज बने। भारतीय बल्लेबाजों में तिलक 5वें सबसे तेज 1 हजार रन पूरे करने वाले खिलाड़ी बने। इस मामले में उनसे आगे विराट कोहली (27), अभिषेक शर्मा (28), केएल राहुल (29) और सूर्यकुमार यादव (31) है।

बुमराह ने पूरे किए 100 टी-20 विकेट

टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट पूरे करने के साथ ही बुमराह क्रिकेट के तीनों प्रारुप (टेस्ट, वनडे और टी-20) में 100-100 विकेट चटकाने वाले पहले भारतीय गेंदबाज भी बन गए। उनके अब टेस्ट में 234, वनडे में 149 और टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 101 विकेट हो गए हैं। बुमराह यह कारनामा करने वाले दुनिया के 5वें गेंदबाज हैं।

खबर संक्षेप

पुंछ एलओसी के पास मैराथन सैकड़ों युवाओं ने लगाई दौड़

मेंढर/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास मंगलवार को सेना द्वारा आयोजित की गई मैराथन में सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया। भीमबेर गली ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर राहुल कुमार ने मैराथन को हरी झंडी दिखाई और युवाओं को फिटनेस को जीवन शैली के रूप में अपनाने और सशस्त्र बलों में अपना भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया। सेना के एक अधिकारी ने बताया कि यह मैराथन दूसरी बार आयोजित किया जा रहे मेंढर महोत्सव का हिस्सा थी। यह महोत्सव 23 नवंबर को शुरू हुआ और 11 दिसंबर को समाप्त होगा।

एसए20 की कमेंट्री टीम में उथप्पा, स्टेन और मॉर्गन

जोहानिसबर्ग। भारत के पूर्व दिग्गज टी20 खिलाड़ी रोबिन उथप्पा, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन एसए20 लीग के आगामी सत्र के लिए कमेंट्री टीम का हिस्सा होंगे। एसए20 का चौथा सत्र 26 दिसंबर से शुरू होगा जबकि फाइनल 25 जनवरी को खेला जाएगा। भारत में एसए20 का प्रसारण जियोहॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स पर किया जाएगा।

आईपीएल 2026 : नीलामी अबू धाबी में 16 दिसंबर को

नीलामी के लिए बीसीसीआई ने तैयार की अंतिम सूची, डीकॉक का नाम शामिल

एजेंसी ▶▶| मुंबई

आईपीएल 2026 के लिए होने वाली नीलामी के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 1,355 खिलाड़ियों की सूची तैयार की थी। इस सूची को शॉर्टलिस्ट कर लिया गया है। अंतिम सूची में 350 नाम शामिल हैं। इसमें 35 नए नाम शामिल हैं। बीसीसीआई ने जो नए नाम शामिल किए हैं, उनमें दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक का नाम प्रमुख है। डी कॉक का बेस प्राइस 1 करोड़ है। क्विंटन डी कॉक का नाम विकेटकीपर-बल्लेबाजों के तीसरे सेट में शामिल किया गया है।

डी कॉक का आईपीएल में लंबा अनुभव है। उनके लिए नीलामी में टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है। डी कॉक को केकेआर ने अगले सीजन के लिए रिटेन नहीं किया था। फिलहाल वह दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम का हिस्सा हैं और भारत के साथ होने वाली 5 टी20 मैचों की सीरीज में अपना जलवा दिखाने को तैयार हैं। आईपीएल 2026 के लिए मिनी नीलामी का आयोजन अबू धाबी में 16 दिसंबर को होगा। नीलामी में कैमरन ग्रीन महंगे खिलाड़ी के रूप में उभर सकते हैं।

विदेशी खिलाड़ियों में मैथ्यू और फर्नांडो

नीलामी के लिए तैयार अंतिम सूची के विदेशी खिलाड़ियों में श्रीलंका के ट्रेवीन मैथ्यू, बिनुरा फर्नांडो, कुसल परेरा और दुनिथ वेल्लालगे शामिल हैं। अफगानिस्तान के अरब गुल, इंग्लैंड के माइल्स हैमंड और डैन लेटिगन, और दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक, कॉनर एजथरहूजेन, जॉर्ज लिंडे और बायांडा माजोला को शामिल किया गया है।

भारतीय में सादेक सोलंकी और साबिर

वहीं भारतीय खिलाड़ियों में सादेक हुसैन, विष्णु सोलंकी, साबिर खान, बृजेश शर्मा, कनिष्क चौहान, आरोन जॉर्ज, जिक्कू ब्राइट, श्रीहरि नायर, माधव बजाज, श्रीवत्स आचार्य, यशराज पुंजा, साहिल पराख, रोशन वाघसारे, यश दिचोलकर, अयाज खान, धुर्मिल मत्कर, नमन पुष्पक, परीक्षा वालसणकर, पुरव अग्रवाल, ऋषभ चौहान, सागर सोलंकी, इजाज सावरिया और अमन शेखावत के नाम जोड़े गए हैं।

2 करोड़ के बेस प्राइस में 40 खिलाड़ी

2 करोड़ के बेस प्राइस में 40 खिलाड़ी हैं। इसमें रवि बिश्नोई और वेंकटेश अय्यर के रूप में सिर्फ 2 भारतीय खिलाड़ी हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के मुताबिक नीलामी की शुरुआत कैप्ड खिलाड़ियों से शुरू होगी। पहले बल्लेबाजों, फिर ऑलराउंडरों, विकेटकीपर-बल्लेबाजों, तेज गेंदबाजों और फिर स्पिनरों की नीलामी होगी। इसके बाद अनकैप्ड खिलाड़ियों पर बोली लगेगी।

पहले सेट में ग्रीन शामिल

पहले सेट में कैमरन ग्रीन शामिल हैं और उनके साथ डेवोन कॉनवे, जेक फ्रेजर-मैक्गर्क, सरफराज खान, पृथ्वी शॉ और डेविड मिलर के नाम हैं। वहीं वेंकटेश अय्यर ऑलराउंडरों के दूसरे सेट में शामिल होंगे।

नीलामी में एक्सेलरेटेड राउंड लागू

बोर्ड के मुताबिक नीलामी में एक्सेलरेटेड राउंड लागू होगा। यह प्रक्रिया खिलाड़ी नंबर 70 के बाद शुरू होगी। पहले एक्सेलरेटेड राउंड में 71 से 350 तक के सभी खिलाड़ी शामिल होंगे। इसके बाद टीमों से उन खिलाड़ियों के नाम मांगे जाएंगे, जिन्हें वे दोबारा नीलामी में देखना चाहती हैं।

64.3 करोड़ के साथ नीलामी में उतरेगी केकेआर

तीन बार की विजेता केकेआर 64.3 करोड़ रुपए की सबसे अधिक धनराशि के साथ नीलामी में उतरेगी। उसके बाद पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स का नंबर आता है, जिसके पास 43.4 करोड़ रुपए की धनराशि बची है। एक बार आईपीएल खिताब जीत चुकी सनराइजर्स हैदराबाद 25.5 करोड़ रुपए के साथ इस सूची में तीसरे स्थान पर है।

फुटबॉल

फैशन शो में हिस्सा लेंगे मेस्सी और सुआरेज

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

अर्जेंटीना के फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी भारत दौरे के दौरान धर्मार्थ कार्य के लिए मुंबई में रैंप वॉक करेंगे, जिसके आयोजकों ने उनसे 2022 विश्व कप जीत की कुछ खास यादगार चीजें नीलामी के लिए लाने को कहा है।

'जीओएटी इंडिया टूर 2025' के प्रमोटेर सतादरू दत्ता ने बताया कि मेस्सी और उनके स्ट्राइक जोड़ीदार लुइ सुआरेज और अर्जेन्टीना के मिडफील्डर रोड्रिगो डि पॉल 14 दिसंबर की रात 45 मिनट के फैशन से जुड़े शो में हिस्सा लेंगे। दत्ता ने बताया कि यह 'धर्मार्थ फैशन शो' होगा। इसके अलावा सुआरेज म्यूजिक शो का भी हिस्सा होंगे जबकि आयोजकों ने मेस्सी से औपचारिक रूप से आग्रह किया है कि वह दौरे के मुंबई चरण के दौरान नीलामी के लिए 2022 विश्व कप की कुछ यागदार चीजें लेकर आएं। मुंबई में कार्यक्रम शाम पांच बजे वानखेड़े स्टेडियम में शुरू होगा जबकि इससे पहले क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में साढ़े तीन बजे से पेडल कप होगा।

सेसा फुटबॉल अकादमी ने किया आईडब्ल्यूएल के लिए क्वालीफाई

पणजी। सेसा फुटबॉल अकादमी (एसएफए) की सीनियर महिला टीम ने पहली बार भारतीय महिला लीग (आईडब्ल्यूएल) के लिए क्वालीफाई किया है, जिससे तीन साल के अंतराल के बाद इस राष्ट्रीय लीग में गोवा का प्रतिनिधित्व बहाल होगा। टीम अब 20 दिसंबर से छह जनवरी तक पश्चिम बंगाल में होने वाले आईडब्ल्यूएल में भारत के शीर्ष खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करेगी। इस प्रकार एसएफए आईडब्ल्यूएल के लिए क्वालीफाई करने वाली गोवा की पांचवीं टीम बन गई है। द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता और एसएफए के पूर्व कोच अरमांडो कोलासो ने कहा कि इससे गोवा में महिला फुटबॉल को नया जीवन मिलेगा। उन्होंने महिला फुटबॉलरों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए अकादमी को श्रेय दिया।

आईसीसी रैंकिंग

टॉप 10 में स्मृति और जेमि लॉरा का जलवा बरकरार

एजेंसी ▶▶| दुबई

महिला वर्ल्ड कप 2025 में विश्व विजेता भारतीय टीम की नंबर 1 बैटर स्मृति मंधाना आईसीसी रैंकिंग में नंबर 2 की पोजीशन पर मौजूद हैं। आईसीसी की ओर से जारी ताजा रैंकिंग में स्मृति के 811 रेटिंग अंक हैं। वहीं साउथ अफ्रीका की कप्तान और वर्ल्ड कप की टॉप स्कोरर लॉरा वोल्वार्ट 814 रेटिंग अंक नंबर 1 महिला वनडे बैटर बनी हुई हैं। टॉप 10 में भारत की तरफ से स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स ही हैं। भारतीय महिला टीम अब टी20 सीरीज खेलने 21 दिसंबर से श्रीलंका के खिलाफ उतरेगी।

जेमि 9 स्थान की छलांग लगाकर 10वें पायदान पर

अगर महिलाओं की वनडे रैंकिंग के टॉप 10 बैटर्स की बात करें तो जेमिमा रोड्रिग्स को तगड़ा फायदा हुआ था। भारत के लिए सेमीफाइनल में जीत की हीरो रहीं जेमिमा 9 स्थान की छलांग लगाकर 10वें पायदान पर आ गई थीं। वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर को भी फायदा हुआ था और वह 18वें से 14वें स्थान पर आ गई थीं। टॉप 10 में भारत की तरफ से स्मृति मंधाना और जेमि ही हैं।

एनाबेल सदरलैंड नंबर 1 गेंदबाज

ताजा रैंकिंग टी20 की अपडेट हुई हैं, जिसमें एनाबेल सदरलैंड नंबर 1 गेंदबाज हैं और बेथ मूनी नंबर 1 बैटर हैं। साउथ अफ्रीका की मलाबा चार स्थान की छलांग के साथ नंबर 6 पर आ गई हैं। वहीं भारतीयों की रैंकिंग में खास बदलाव नहीं हुए हैं। भारतीय टीम ने वर्ल्ड कप के बाद कोई भी इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है।

दीप्ति का रैंकिंग में दबदबा : इसके अलावा महिला वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहीं दीप्ति शर्मा टॉप 5 ऑलराउंडर्स की लिस्ट में हैं। वह चौथे स्थान पर मौजूद हैं। जबकि गेंदबाजों की रैंकिंग में वह टॉप 10 में मौजूद अकेली भारतीय खिलाड़ी हैं और पांचवें स्थान पर बनी हुई हैं। अगर महिला टी20 बैटर्स की रैंकिंग देखें तो स्मृति मंधाना तीसरे और शेफाली वर्मा 9वें स्थान पर हैं। गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा नंबर 2 और रेणुका सिंह ठाकुर 11वें स्थान पर हैं। टी20 ऑलराउंडर्स में भी दीप्ती शर्मा तीसरे स्थान पर हैं और टॉप 10 में अकेली भारतीय हैं।

प्रदर्शन मैच में अल्काराज का जलवा अमांडा और जेसिका ने लिया हिस्सा

एजेंसी ▶▶| मियामी

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने मियामी आमंत्रण प्रदर्शनी टेनिस टूर्नामेंट में अपना जलवा दिखाकर दर्शकों को रोमांचित किया। अल्काराज ने जब कोर्ट पर कदम रखा तो तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई दी और मेजर लीग बेसबॉल के मियामी मार्लिंस के घरेलू मैदान लोनडेपो पार्क में प्रदर्शनी मैच में दर्शकों ने स्पेन के इस खिलाड़ी को सिर आंखों पर बिठाए रखा।

यह पहला अवसर था जबकि लोनडिपो पार्क में कोई टेनिस मैच खेला गया। इस प्रदर्शनी मुकाबले में ब्राजील के जोआओ फोन्सेका तथा अमेरिका की महिला स्टार अमांडा अनिसिमोवा और जेसिका पेगुला ने भी हिस्सा लिया। अल्काराज ने विश्व में 24वीं रैंकिंग वाले फोन्सेका को एक रोमांचक एकल मुकाबले में 7-5, 2-6, 10-8 से हराया। पहली बार यह दोनों खिलाड़ी एक दूसरे का आमना सामना कर रहे थे।

सुपर ओवर में डेजर्ट वाइपर्स ने गल्फ जायंट्स को हराया

दुबई। सैम करेन और डैन लॉरेंस के शानदार प्रदर्शन से स्कोर बराबर करने के बाद डेजर्ट वाइपर्स ने आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में सुपर ओवर में गल्फ जायंट्स को हरा दिया। जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 179 रन बनाए थे।

वाइपर्स ने कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बावजूद नौ विकेट पर 179 रन बनाकर मैच को सुपर ओवर तक खींच दिया। सुपर ओवर में वाइपर्स ने 13 रन बनाए। नसीम शाह ने जायंट्स को सिर्फ नौ रन पर रोककर वाइपर्स को महत्वपूर्ण अंक दिलाए। वाइपर्स ने अपने पिछले पांच मैचों में से प्रत्येक में जायंट्स को हराया है। इससे पहले करेन (36 गेंदों पर 44 रन) और डैन लॉरेंस (31 गेंदों पर 56 रन) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत वाइपर्स ने स्कोर बराबर कर दिया। अज़मतुल्लाह उमरज़ई ने जायंट्स के लिए चार विकेट लिए। गल्फ जायंट्स ने आक्रामक शुरुआत की। उसकी तरफ से पथुम निसांका (29 गेंदों पर 56 रन) और रहमानुल्लाह गुरबाज़ (31 गेंदों पर 41 रन) ने पहले विकेट के लिए सात ओवर में 73 रन जोड़े।

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के बीएलसी घटक अंतर्गत परीक्षण उपरांत पात्र पाये गये 204 आवेदकों के दावा आपत्ति आमंत्रित किये जाने के संबंध में।
क्र. 915/न.पा.नि./पीएमएवाय/2025 बिलासपुर दिनांक 09/12/2025
आवास आबंटन सूचना
''मोर मकान मोर आस'' योजना अंतर्गत ड्रीम इन्कलेव अशोक नगर में निर्मित 29 (G+3) आवासीय फ्लैट्स 29 आवासों के आबंटन के हेतु आवेदन पत्र दिनांक 30/09/2024 तक कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर में जमा किये गये आवेदकों को दिनांक 12/12/2025 को लॉटरी के माध्यम से नगर पालिक निगम बिलासपुर के दृष्टि सभा कक्ष में प्रातः 12:00 बजे आवासों का आबंटन किया जावेगा।
आयुक्त
पर्यावरण संरक्षण हेतु पॉलीथीन का उपयोग न करें। नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)

आम सूचना
ICICI Bank
पंजीकृत कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, चकली सर्किल के पास, ओल्ड पादरा रोड, वडोदरा- 390 007
कारपोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स मुंबई 400051
स्वर्ण ई-नीलामी सह आमंत्रण सूचना
नीचे उल्लिखित उधारकर्ताओं को सोने के आभूषणों के बदले में आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड ('आईसीआईसीआई बैंक') से प्राप्त सुविधा ('सुविधा') के लिए उनकी बकाया राशि का भुगतान करने के लिए नोटिस जारी किया गया है। हम 20 दिसंबर, 2025 को गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों की ई-नीलामी करने के लिए विवश हैं क्योंकि वे बकाया चुकाने में विफल रहे हैं। आईसीआईसीआई बैंक के पास बिना किसी पूर्व सूचना के खाता हटाने/ई-नीलामी की तारीख बदलने का अधिकार है। नीलामी ऑनलाइन- https://gold.samil.in पर दोपहर 12:30 बजे से 3:30 बजे के बीच होगी। विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, कृपया दी गई वेबसाइट पर लॉग इन करें। मृतक उधारकर्ता के मामले में, सभी शर्तें कानूनी उत्तराधिकारियों पर लागू होंगी।

ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम : अंबिकापुर	
042562002780	योगेन्द्र नारायण
शाखा का नाम : बैकुंठपुर, छत्तीसगढ़	
360562001526	रुद्रमणि
360557000154	रोशन सिंह
शाखा का नाम : बालोद	
328262001748	कौशल कुमार रजक
शाखा का नाम : बलरामपुर (छत्तीसगढ़)	
782262000141	सुमित कुमार दाश
शाखा का नाम : बस्तर, छत्तीसगढ़	
360162002061	लक्ष्मण सिंह
360162002057	संतोषी वैष्णव
360162002062	देवेश कुमार ठाकुर
शाखा का नाम : भिलाई	
018657000063	सुनील कुमार त्रिपाठी
शाखा का नाम : भिलाई नगर-सुपेला	
434957000024	रूपेश कुमार साहू
शाखा का नाम : बिलासपुर-गुरुनानक चौक	
242562001883	सतीश कुमार सूर्यवंशी
शाखा का नाम : बिलासपुर-सरकंडा	
734962000711	प्रफुल्ल कुमार मिरी

ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम
शाखा का नाम : दल्ली राजहरा	
197762001040	गुरजीत कौर
197762001236	मन्नू लाल
शाखा का नाम : धमतरी	
084057000063	प्रदीप कुमार साहू
शाखा का नाम : धरमजयगढ़, छत्तीसगढ़	
372362000629	भगत राम टंडन
शाखा का नाम : डोंगरगढ़	
785957000020	पुनम चंद
शाखा का नाम : दुर्ग-पद्मनाभपुर	
437262000628	रविशंकर
शाखा का नाम : जगदलपुर	
108557000523	निहार जैन
108562009561	दयानिधि बघेल
108562012756	हेमवती बघेल
108562012799	सीमा सिंह
108562012806	तरुण मरकाम
108562012815	कमलोचन बघेल
शाखा का नाम : जगदलपुर II	
443162000647	रुक्मणि ध्रुव
443162000696	हेमलता ध्रुव
443162001517	मनमोहन नागे
443162001518	मोहम्मद फुरकान नवी
शाखा का नाम : जांजगीर-नेताजी चौक	
782862000076	कमल किशोर पटेल
782862000125	महेश्वर लादेर
शाखा का नाम : जशपुरनगर	

ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम
784962000082	देवानंद मिश्र
शाखा का नाम : खैरागढ़	
786162000170	भुनेश्वर सिंह ठाकुर
शाखा का नाम : कोंडागांव, छत्तीसगढ़	
328162005620	दीपांकर व्यापारी
328162002270	अशोक कुमार यालम
328162004589	संत कुमार कुलदीप
328162005323	हेम प्रकाश मरकाम
328162005398	चंदू लाल बैध
328162005468	प्रेम कुमार
328162005966	मालती देवी शर्मा
शाखा का नाम : पाली, छत्तीसगढ़	
280462000652	शकुन्तला शकुन्तला
280462000943	विकाश यादव
शाखा का नाम : रायपुर	
016157000258	दिलीप मिश्रा
शाखा का नाम : रायपुर-डुमरतराई	
429757000033	संजीत कुमार साहू
शाखा का नाम : रायपुर - लालपुर	
534162000040	प्रकाश प्रधान
शाखा का नाम : सुकमा	
788262000256	चपला हलदर
शाखा का नाम : सूरजपुर	
749662000409	संजय कुमार सोनी
749662000473	कराली सिंह
749657000097	मनीषा बंसल

दिनांक : 10.12.2025
स्थान : बस्तर, रायगढ़, रायपुर, कोंडागांव, जशपुर, बालोद, बिलासपुर, धमतरी, दुर्ग, कोरबा, कोरिया, राजनांदगांव, सूरजपुर, सुकमा, बलरामपुर, जांजगीर-चांपा, सरगुजा, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई
सही - प्राधिकृत अधिकारी
कृते आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

यूको बैंक UCO BANK सम्मान आपके विश्वास का Honours Your Trust
यूको बैंक, अंचल कार्यालय, छत्तीसगढ़ नेत्र चिकित्सालय परिसर, प्रथम तल, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) 492001
फोन नं. 0771-4233113, ईमेल: zoraipur.rec@uco.bank.in
परिशिष्ट IV देखें, [नियम 8 (1)] के तहत
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)
अधोहस्ताक्षरकर्ता ने **यूको बैंक** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (2002 का 54) के अधीन और धारा 13(2) और सपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के अधीन तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में मांग सूचना जारी की थी तथा ऋणी को मांग सूचना में उल्लिखित धनराशि जिसका विवरण नीचे दिया गया है का भुगतान सूचना प्राप्ति के 60 दिनों भीतर करने को कहा गया था। ऋणी के यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणी/बंधककर्ता और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) सपठित उक्त नियम 8,9 के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्तियों का आधिपत्य (कब्जा) नीचे वर्णित दिनांक को ग्रहण कर लिया है तथा जिसका विवरण अधोवर्णित है।

क्र. सं.	शाखा	ऋणी का नाम	संपत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि / सांकेतिक कब्जा का दिनांक / बकाया राशि
01	बैकुंठपुर शाखा	ऋणी - मे. रुप इलेक्ट्रिकल्स (प्रोप. - श्री रुपचंद साहू	1) जमीन एवं दो तल्ला दुकान सह आवासीय मकान खसरा सं 30/14 प्लाट एरिया 0.004 हेक.पता गांव भाण्डी राष्ट्रीय राजमार्ग 43 के बगल में, तहसील बैकुंठपुर, जिला-कोरिया (छ.ग.) पता गांव-भाण्डी राष्ट्रीय राजमार्ग 43 के बगल में तहसील बैकुंठपुर, जिला-कोरिया (छ.ग.) स्वामी का नाम श्रीमान बुधलाल साह पिता बंधू राम 2) जमीन एवं दो तल्ला दुकान सह आवासीय मकान खसरा से 30/32 प्लाट एरिया 0.002 हेक्ट.पता गांव-भाण्डी राष्ट्रीय राजमार्ग 43 के बगल में, तहसील बैकुंठपुर, जिला-कोरिया (छ.ग.) पता गांव-भाण्डी राष्ट्रीय राजमार्ग 43 के बगल में, तहसील बैकुंठपुर, जिला-कोरिया (छ.ग.) स्वामी का नाम श्रीमान बुधलाल साहु पिता बंधू राम साहु	05/03/2025 08/12/2025 ₹ 12,49,320.00 + ब्याज देय और अन्य खर्च।
02	बलौदा-बाजार शाखा	ऋणी - श्री राहुल सिंह ठाकुर पिता श्री दुर्गेश सिंह ठाकुर श्रीमती अंजु ठाकुर पति श्री दुर्गेश सिंह ठाकुर	खसरा संख्या 525/94 मौजा खोलवा पहन 02 ग्राम पंचायत खोलवा, राजस्व निगम मण्डल भाटापारा तहसील भाटापारा और जिला बलौदा बाजार। सीमाबद्ध : उत्तर की ओर - रोड, दक्षिण की ओर - दीगर की जमीन, पूर्व की ओर - दीगर की जमीन, पश्चिम की ओर - दीगर की जमीन	22/09/2025 09/12/2025 ₹ 19,98,024.00 + ब्याज देय और अन्य खर्च।

ऋणी/बंधककर्ता को विशिष्ट रुप से और सर्वसाधारण को सामान्य रुप से एतद् द्वारा सम्पत्ति के साथ व्यवहार (क्रय-विक्रय) नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और उक्त सम्पत्ति का **किसी भी प्रकार से क्रय-विक्रय यूको बैंक के मूल ब्याज व अन्य व्यय के भार के अधीन होगा** जिसका विवरण निम्न प्रकार है।
उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता (ओं) का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिये उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों के लिये आमंत्रित किया गया है।
दिनांक : 09.12.2025 प्राधिकृत अधिकारी / यूको बैंक

विज्ञान

आ रहा है डिज़ाइनर बेबी का दौर? इंसान की स्किन सेल से भ्रूण बनाने में मिली सफलता

वैज्ञानिकों को मिली बड़ी कामयाबी

न्यूयार्क। एक नई रिसर्च में वैज्ञानिकों ने इसानों के स्कीन की कोशिका का इस्तेमाल करके ऐसे अंडे बनाए जो शुरुआती मानव भ्रूण में बदलने की क्षमता रखते हैं। यह प्रयोग प्रजनन विज्ञान की दुनिया में बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे भविष्य में इसी तकनीक का इस्तेमाल करके वो लोग भी माता-पिता बन सकेंगे, जिनके पास स्वस्थ अंडाणु या शुक्राणु नहीं होते हैं। हालांकि, यह तरीका अभी सुरक्षित नहीं है और पूरी तरह सफल होने में कई साल लग सकते हैं।

स्किन की सेल्स से एग्स

इंसान का जन्म अंडाणु और शुक्राणु दो कोशिकाओं के मिलने से होता है। कई बार किसी कारणों से किसी भी व्यक्ति के पास दोनों प्रजनन कोशिकाएं उपलब्ध नहीं होतीं हैं। इसी कारण से वैज्ञानिक लंबे समय से ऐसी तकनीक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। जिससे शरीर की किसी दूसरी कोशिका से अंडाणु या शुक्राणु बनाया जा सके। अब इस नई रिसर्च ने इस दिशा में उम्मीद जगाई है। वैज्ञानिकों ने एक मानव त्वचा कोशिका का डीएनए लेकर उसे एक दान किए गए अंडाणु की खाली कोशिका में डाल दिया। इसके बाद उस अंडाणु को मेयोसिस जैसे प्रोसेस से गुजरना पड़ा, जिसमें उसे अपने डीएनए के आधे क्रोमोसोम बाहर निकालने थे।

कैसे किया गया यह प्रयोग?

रिसर्चर्स ने पहले दान किए गए मानव अंडाणु का न्यूक्लियस निकाल दिया, उसके बाद उन्होंने स्किन की कोशिका का न्यूक्लियस उस अंडाणु में डाल दिया। प्रॉब्लम यह थी कि त्वचा की कोशिकाओं में 46 क्रोमोसोम होते हैं, जबकि अंडाणु में केवल 23 होने चाहिए। अब इस समस्या को ठीक करने के लिए वैज्ञानिकों ने एक रसायन रोस्कोविटीन का इस्तेमाल किया, जिससे अंडाणु के एक्सट्रा क्रोमोसोम बाहर निकल सकते थे। जब इस अंडाणु का शुक्राणु से फर्टिलाइज किया गया तो कुछ मामलों में शुरुआती मानव भ्रूण बनने लगा था।

कहां हुई सफल और कब आई दिक्कत?

कुछ अंडे शुरुआती भ्रूण में बदल गए, लेकिन कई नहीं बदल पाए। ज्यादातर मामलों में भ्रूण में क्रोमोसोम की संख्या सही नहीं थी। कई भ्रूण में 46 की बजाय 48 क्रोमोसोम मिले। कुछ में क्रोमोसोम गायब थे तो कुछ दोहरी मात्रा में मौजूद नजर आए। बता दें कि इन भ्रूणों को 6 दिनों से ज्यादा बढ़ने की अनुमति नहीं दी गई थी, क्योंकि कानून इसकी अनुमति नहीं देता है। वैज्ञानिकों की माने तो यह पूरी तरह सफल परिणाम तो नहीं है, लेकिन इसने यह साबित कर दिया है कि ऐसा करना संभव है।

इस तकनीक से जुड़े खतरे

कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि इस तकनीक से भविष्य में डिज़ाइनर बेबी बनाने का रास्ता खुल सकता है, जहां पर लोग अपनी पसंद के अनुसार डीएनए चुन पाएंगे। साथ ही यह डर भी है कि किसी व्यक्ति की त्वचा कोशिका चुपके से लेकर उसका जैविक बच्चा बनाना भी संभव हो सकता है।

आईएसएस के बाद कौन होगा अंतरिक्ष का नया राजा?

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन का मिशन खत्म होने के बाद भारत और रूस ने अपने-अपने स्पेस स्टेशनों को एक ही कक्षा में रखने का फैसला किया है। इससे दोनों देशों के अंतरिक्ष यात्री एक-दूसरे के स्टेशन पर आसानी से जा सकेंगे, साथ ही मिलकर वैज्ञानिक प्रयोग कर पाएंगे। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के प्रमुख दमित्री बकानोव ने अपने भारत दौरे के दौरान इस साझेदारी की घोषणा की है। भारत का आने वाला स्पेस स्टेशन बेस और रूस का रोस दोनों ही 51.6 डिग्री वाले ऑर्बिट में चक्कर लगाएंगे यह आईएसएस की कक्षा भी है। यह बाते हुई है। रूस पहले अपने रशियन ऑर्बिटल स्टेशन को 96 डिग्री वाले ऑर्बिट में बनाने की तैयारी कर रहा था। हालांकि ,अब भारत के साथ साझेदारी को देखते हुए इसे 51.6 डिग्री पर शिफ्ट करने का फैसला लिया गया है। बकानोव ने बताया है कि यह बदलाव दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा और लंबे समय तक सहयोग बढ़ाने में सहयता मिलेगी।

- भारत-रूस मिलकर एक ही ऑर्बिट में बनाएंगे नया स्पेस स्टेशन

कदम दोनों देशों के अंतरिक्ष सहयोग को अलग लेवल पर ले जाएगा। दोनों देशों के बीच नए इंजन, मानव मिशन, ट्रेनिंग और टेक्नोलॉजी पर भी काफी

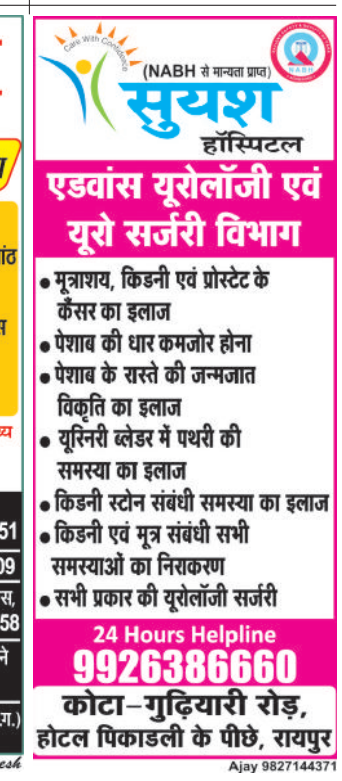

कब्रों के बीच दबा था 2400 साल पुराना खजाना, खोजा गया 'सबसे अमीर' बलि स्थल

मास्को। रूस के दक्षिणी उराल पर्वतों में वैज्ञानिकों ने 2,400 साल पुराना एक बेहद अनोखा और समृद्ध सैक्रिफिशियल कॉम्प्लेक्स खोजा है। यह जगह दो बड़े शवों का दूह के बीच मिली। यहां पर सैकड़ों अनोखी वस्तुएं छिपी हुई थीं यह खोज बताती है कि उस समय के घुमंतू लोग सिर्फ दफनाते नहीं थे, बल्कि बार-बार इन स्थलों पर आकर धार्मिक रस्मों को भी निभाते थे। इस सैक्रिफिशियल कॉम्प्लेक्स में बड़ी संख्या में

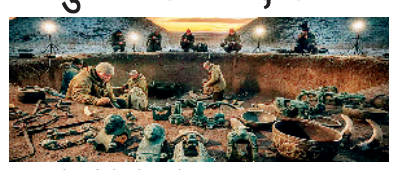

ब्रॉन्ज के घोड़े से जुड़े सामान, आयरन बिट्स, सोने की कलाकृतियां, चांदी जड़ी कटोरी और बलि के लिए रखे गए जंगली सूअर के जबड़े भी पाए गए हैं।

दफन टीले के बीच अनोखा रहस्यमयी ढांचा

रूस की रूसी विज्ञान अकादमी का पुरातत्व संस्थान की टीम ने गर्मियों में वायसोकेया मोगिला नाम की पुरानी नेक्रोपोलिस में खुदाई की थी। यह नेक्रोपोलिस करीब 6 किलोमीटर में फैली एक बड़ी कब्रगाह है, जिसका इस्तेमाल चौथी से तीसरी सदी ईसा पूर्व तक किया जाता रहा था। टीम ने दो दफन टीलों के बीच खुदाई की और वहीं पर यह अनोखा 'सैक्रिफिशियल कॉम्प्लेक्स' एक उथले गोल गड्ढे में छिपा मिला था।

तीसरे प्रेमी संग फरार हुई पत्नी, दूसरा पति डेढ़ साल के बच्चे के लिए परेशान

सुरीर। पहले पति को छोड़कर दूसरे के साथ शादी कर लेने और अब दूसरे को छोड़कर तीसरे के साथ चंपत होने के आरोप का मामला सामने आया है। दूसरे पति ने इस मामले की पुलिस से शिकायत करते हुए साथ ले गई बेटे को दिलाने की गुहार लगाई है। मामला थाना सुरीर क्षेत्र के गांव का है।

साथ ले गई बेटे के लिए भटक रहा है दूसरा पति : शिकायतकर्ता का आरोप है कि करीब 14 साल पहले उसकी एक महिला से शादी हुई थी। जो अपने पहले पति को छोड़कर आई थी। शादी के बाद दोनों के दो पुत्र पैदा हो गए। उसकी पत्नी स्वछंद विचारों की महिला थी, जो बिना बताए घर से चली जाती थी और पूछने पर झगड़ा करने पर उतारू हो जाती थी। उसे कई बार समझाया, लेकिन अपनी जिद के आगे किसी की बात मानने को तैयार नहीं थी।

आठ महीने पहले काम के लिए बाहर गया था दूसरा पति

आठ माह पहले काम करने के लिए बाहर गए थे, उनकी अनुपस्थिति में पत्नी उनके डेढ़ वर्षीय बेटे को लेकर तीसरे व्यक्ति के साथ चंपत हो गई। वापिस लौटने पर उन्हें इसकी जानकारी हुई। तलाश के दौरान पता चला कि पत्नी डेढ़ वर्षीय बेटा को लेकर इगलास क्षेत्र में एक व्यक्ति के साथ रह रही है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com